ओटीटी पर मस्ट वॉच हैं ये 6 सीरीज, सीट से हिलने नहीं देगा थ्रिल; एमी अवॉर्ड्स में लहराया है जीत का परचम

रॉयल बुलेटिन

तापमान - अधिकतम - 32
न्यूनतम - 28

प्रात : कालीन हिन्दी दैनिक

Royal Bulletin को ऑनलाइन पढ़ने के लिए QR Code SCAN करें

● वर्ष 42, ● अंक 261 RNI NO.43285/85 ● संस्करण- नगर ● मुजफ्फरनगर रविवार 20 सितम्बर 2026 ● भाद्रपद शुक्ल 8 विक्रमी संवत ● पृष्ठ 12 ● मूल्य 4 रुपया

संक्षिप्त समाचार

एमपी में उफनते नाले में बही कार, 8 की मौत

इनमें 7 ओडिशा के, लोगों ने किया चक्काजाम

आगर मालवा (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के आगर-मालवा के नलखेड़ा में मां बगलामुखी मंदिर के पास बरसाती नाले में कार बहने से 8 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 3 बच्चे शामिल हैं। 7 मृतक ओडिशा के हैं, जबकि कार ड्राइवर अरुण गोयल आगर-मालवा के बड़ौद का रहने वाला था। सभी श्रद्धालु मां बगलामुखी मंदिर में दर्शन के लिए आए थे। उन्होंने उज्जैन से कार किराए पर ली थी। एसपी दिलीप

कुमार सोनी के मुताबिक, हादसा रात करीब 3 बजे हुआ। शुरुआती जांच में मौत का कारण डूबना सामने आया है। पुलिस मंदिर और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। ड्राइवर समेत 6 मृतकों की पहचान हो गई है। ड्राइवर अरुण गोयल के अलावा मृतकों में राधा रानी बहेरा, ज्ञानेंद्र कुमार बहेरा, रितारानी पत्नी ज्ञानेंद्र बहेरा, कृष्णा राजवीर पुत्र शिवप्रसाद बहेरा और शिवप्रसाद बहेरा शामिल हैं। **अंबेडकर चौराहे पर चक्काजाम, दुकानें बंद-** हादसे के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश है। लोगों ने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अंबेडकर चौराहे पर चक्काजाम कर दिया। विरोध में दुकानें भी बंद कर दी गई हैं। मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात है।

योगी उवाच-मैं नौकरी देता जाऊंगा वह गिनते जाएं

पहले चाचा-भतीजे नौकरियों पर डकैती डालते थे, आज उपदेश दे रहे

लखनऊ (एजेंसी)। सीएम योगी ने शनिवार को लखनऊ में अखिलेश और शिवपाल यादव पर निशाना साधा। उन्होंने कहा- पहले नौकरियों में डकैती डालने के लिए चाचा-भतीजे की जोड़ी बेखौफ निकल पड़ती थी। आज उपदेश की भूमिका में हैं। 2027 के बाद उपदेश भी नहीं रह पाएंगे। योगी ने कहा- पहले बिना परीक्षा दिए ही नौकरी मिल जाती थी। विज्ञापन जारी होते ही ठेके बांट दिए

जाते थे और धंधा शुरू हो जाता था। जिन्होंने 2017 से पहले नियुक्ति पत्र वितरण में गदर मचाई थी, वे नोट कर लें कि अगले 6 महीने में एक लाख से अधिक नौजवानों को सरकारी नौकरी देने जा रहे हैं। वे गिनते रहें, हम नौकरियां देते जाएंगे। सीएम ने लोकभवन में लोक सेवा आयोग और अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के 818 अभ्यर्थियों को जॉइनिंग लेटर बांटे। सीएम ने कहा- 2017 से पहले चयन आयोग का चेयरमैन ऐसे व्यक्ति को बनाया गया, जो खुद योग्य नहीं था। चेयरमैन बनने के बाद उसने गदर मचाई। इसके चलते युवाओं को सड़क पर उतरना पड़ा। कोर्ट ने कहा- उसे जेल भेजो, जिंदगी भर सड़ाओ। योगी ने किसी का नाम नहीं लिया। हालांकि, संभवत: उनका इशारा आयोग के पूर्व अध्यक्ष अनिल यादव की तरफ था।

अयोध्या में बदली व्यवस्था,राम मंदिर में पुजारियों के लिए ड्रेस कोड लागू

तुलसी कंठी धारण करने वाले पुजारी ही कर सकेंगे गर्भगृह में प्रवेश

अयोध्या (एजेंसी)। राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के बाद रामलला की पूजा व्यवस्था में व्यापक परिवर्तन किया गया है। पूजा व्यवस्था के संचालन के लिए गठित नई धार्मिक समिति ने पूजा अर्चना को रामानंदी परंपरा के मुताबिक कड़ाई से पालन करने की व्यवस्था की है।

अब पुजारियों के लिए ड्रेस कोड बनाया है। इसके मुताबिक पुजारियों को पीत वस्त्र धारण करना होगा। साथ में वे दाढ़ी-मूंछ व केश रखेंगे अथवा क्लीन सेव रहना होगा। रोजाना धुली पीले रंग की ड्रेस पहननी होगी जो रेशमी अथवा सूती कपड़े की हो सकती

है। धार्मिक समिति के सदस्य महंत राजकुमार दास ने बताया कि यदि किसी पुजारी के घर में किसी का जन्म अथवा मृत्यु होती है तो सूतक के दौरान रामलला के गर्भगृह में प्रवेश नहीं करेगा। शुद्धिकरण के बाद ही वह पूजा कर सकेगा।

पहले के नियमों का कड़ाई से नहीं हो रहा था पालन

महंत राजकुमार दास ने बताया कि पूजा पद्धति और पुजारियों के लिए कुछ नियम पहले से बने थे जिनका कड़ाई से पालन नहीं हो रहा था। राम मंदिर की धार्मिक समिति की 12 सितंबर की बैठक में विस्तार से समीक्षा के बाद पूजा व्यवस्था को कड़ाई से लागू किया गया है। महंत राजकुमार दास ने बताया कि मंदिर में व्यवस्था ऐसी बनाई जा रही है जिससे परिसर का वातावरण धार्मिक बने। महंत ने बताया कि मंदिर में पूजा के दौरान राग भोग की व्यवस्था में भी बदलाव किया गया है। अब सुबह मंगला आरती के पहले प्रभु रामलला को जगाने के लिए उनके बाल रूप के मुताबिक भजन का गायन किया जाएगा। इसके लिए अयोध्या के मंदिरों से गायकों की टीम को लगाया जाएगा। हर समय के भोग का मीनू अलग-अलग रहेगा जिसे परिसर के ग्रीन हाउस के पास बने रामलला के भोग के किचन में तैयार किया जाएगा। इसमें दाल-चावल, सब्जी- खीर, पूआ-पूड़ी-कचौड़ी-हलवा आदि को शामिल किया गया है। महंत राजकुमार दास ने बताया कि पुजारियों के लिए गर्भगृह में मोबाइल फोन ले जाना प्रतिबंधित कर दिया गया है। साथ ही सोशल मीडिया पर बयानबाजी पर भी रोक लगाई गई है।

भारत के लिए बड़ा संकट बनेगा ट्रंप का 'टैरिफ बम'

● 100 फीसदी टैरिफ वाले बिल पर कर दिया है साइन

रूस से तेल खरीदने वाले सभी देशों पर कसा शिकंजा

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अब भारत पर 100 फीसदी तक टैरिफ लगा सकते हैं। ट्रम्प ने इस बिल पर साइन कर दिया है और अब यह कानून बन चुका है। अमेरिकी संसद के निचले सदन हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स ने बुधवार को रूस से ज्यादा तेल खरीदने वाले 5 देशों पर 100 फीसदी तक टैरिफ लगाने वाला बिल पास किया था। पक्ष में 262 और विरोध में 159 वोट पड़े थे। सीनेट अगस्त में इसे 86-11 वोट से पास कर चुकी है। इसे आधिकारिक तौर पर लिंडसे ओ ग्राहम सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026 नाम दिया गया है। रूस से ज्यादा कच्चा तेल खरीदने वाले 5 देशों की अमेरिकी लिस्ट में चीन, भारत, स्लोवाकिया, हंगरी और अजरबैजान शामिल हैं। भारत अपनी जरूरत का 40 फीसदी से ज्यादा क्रूड ऑयल रूस से खरीद रहा है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि हर 180 दिन में इस लिस्ट का आंकलन करेंगे। अमेरिका की तरफ से 100 फीसदी टैरिफ पर भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा था कि देश के हितों से समझौता नहीं करेंगे। भारत ने कहा है कि वह अपने लोगों का किसी भी परिस्थिति में नुकसान नहीं करेगा।

बीते 2 साल में भारत का रूस से तेल आयात

यूक्रेन-रूस युद्ध शुरू होने के बाद भारत ने रूस से सस्ता कच्चा तेल खरीदना तेजी से बढ़ाया। 2022-23 में रूस भारत का सबसे बड़ा तेल सप्लायर बन गया। युद्ध से पहले भारत रूस से बहुत कम तेल खरीदता था, लेकिन बाद में यह बढ़कर रोजाना करीब 16 से 20 लाख बैरल तक पहुंच गया। अब भारत अपनी जरूरत के 40 फीसदी से ज्यादा कच्चे तेल का आयात रूस से कर रहा है। इससे भारत रूस से तेल खरीदने वाले सबसे बड़े देशों में शामिल हो गया है। रूस के अलावा, भारत मुख्य रूप से इराक, सऊदी अरब, यूएई, कुवैत और कतर से तेल खरीदता है। इसके अलावा, नाइजीरिया, अंगोला, ब्राजील और अमेरिका से भी कच्चा तेल आयात करता है।

सड़कों पर पशुओं को लावारिस छोड़ा तो होगी सख्त कार्रवाई

राजमार्गों को सुरक्षित बनाने के लिए एनएचएआई का कड़ा फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने सड़क दुर्घटनाओं का कारण बनने वाले आवारा पशुओं की समस्या से निपटने के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया शुरू की है। इसके तहत राजमार्गों और एक्सप्रेस वे पर

मवेशियों को लावारिस छोड़ने वाले पशु मालिकों पर जुर्माना लगाया जाएगा। इसके साथ ही दंडात्मक कार्रवाई भी की जाएगी। मंत्रालय ने एक परिपत्र में कहा कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर आवारा पशुओं और अन्य जानवरों की लगातार मौजूदगी सड़क सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा बनी हुई है। इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट ने एक स्वत: संज्ञान रिट याचिका में फैसला दिया।

रबीउल ने सुबह कहा-नहीं लड़ूंगा, दोपहर में बोले-लड़ूंगा

● बंगाल उपचुनाव में रेजीनगर से ममता के प्रत्याशी फिर पलटे, अब लड़ेंगे चुनाव

मुर्शिदाबाद (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में विधानसभा की 2 सीटों के उपचुनाव के पहले सियासी उथल-पुथल देखने को मिल रही है। रेजीनगर में टीएमसी उम्मीदवार रबीउल आलम चौधरी ने शनिवार सुबह 10 बजे चुनाव से हटने का ऐलान किया, लेकिन करीब 3 घंटे बाद ही दोपहर एक बजे यूटर्न ले लिया। रबीउल ने सुबह हटने का ऐलान करते वक्त पार्टी का पुराना चुनाव चिह्न 'जोड़ा घासफूल' नहीं मिलने और नया चिह्न 'फुटबॉल प्लेयर' मिलने को इसकी वजह बताया था। हालांकि, ममता बनर्जी से बातचीत के बाद रबीउल ने कहा, मैं चुनाव लड़ूंगा। इससे एक दिन पहले नंदीग्राम में भी ममता गुट की उम्मीदवार संचिता प्रधान डे ने नामांकन वापस ले लिया था। दोनों सीटों पर 6 अक्टूबर को उपचुनाव होगा।

नया नाम-सिंबल विवाद ममता सुप्रीम कोर्ट पहुंचीं

ममता बनर्जी ने टीएमसी का नाम और 'जोड़ा घास फूल' चुनाव चिन्ह फ्रीज करने के चुनाव आयोग के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। उन्होंने शुक्रवार को अपनी याचिका में चुनाव आयोग और पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता ऋतब्रत बनर्जी को पक्षकार बनाया है। इससे एक दिन पहले 17 सितंबर को चुनाव आयोग ने दोनों टीएमसी गुटों को मूल नाम और चुनाव चिन्ह इस्तेमाल करने से रोकते हुए अलग-अलग नाम और सिंबल दिए थे। अब दोनों गुट उपचुनाव में नई पार्टी नाम और सिंबल से चुनाव लड़ेंगे।

सिस्टम को स्टूडेंट नहीं, अंधभक्त चाहिए...

● इंदौर में 'छात्रों की गूंज' में स्टूडेंस को लेकर बोले राहुल गांधी

इंदौर (एजेंसी)। राहुल गांधी इंदौर में छात्रों की गूंज कार्यक्रम को संबोधित किया। राहुल ने 'सिस्टम बनाम स्टूडेंट्स' विषय पर बात रखी। राहुल गांधी ने कहा कि छात्र नफरत नहीं करते, प्यार से बात करते हैं। परीक्षाओं के दौरान कुछ अभ्यर्थियों से भी गलतियां हुई हैं, लेकिन कहीं न कहीं उनका सिस्टम पर भरोसा खत्म हो गया है। इस पर छात्रों की ओर से आवाज आई, सर, हम सिस्टम से हार गए। राहुल गांधी ने कहा कि सिस्टम के अंदर बैठे कुछ लोग भ्रष्ट हो जाते हैं। पैसे के लालच में पेपर लीक कर देते हैं और लाखों छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करते हैं। उन्होंने कहा कि अगर भ्रष्ट लोग परीक्षा व्यवस्था का हिस्सा बने रहेंगे और परीक्षा प्रणाली ही भ्रष्ट होगी, तो इसका नुकसान छात्रों को उठाना पड़ेगा। राहुल गांधी ने कहा कि अगर आज हम छात्रों से बात करें तो वे खुश नहीं हैं। छात्र असहज हैं, उन्हें अपना भविष्य स्पष्ट नजर नहीं आ रहा है और वे दबाव में हैं। उन्होंने कहा, आइए, छात्रों की आवाज सुनते हैं।

आप जिस मुकाम पर पहुंचे हैं,उसके पीछे आपकी मेहनत

● पीएम मोदी युवाओं से बोले, 51 हजार नियुक्ति पत्र बांटे ● मोदी बोले-विकसित भारत के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को 20वें रोजगार मेले में 51 हजार से ज्यादा नियुक्ति पत्र बांटे। मोदी ने नए चुने कर्मचारियों को वर्चुअली संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी ऐसे समय में भारत सरकार से जुड़े हैं, जब देश बहुत बड़े लक्ष्य की ओर आगे बढ़ रहा है।

ये लक्ष्य है 2047 तक विकसित भारत बनाने का। इसमें आप जैसे युवाओं की बहुत बड़ी भूमिका है। सरकार में रहते हुए आपको हर वो निर्णय लेना है, जो विकसित और आत्मनिर्भर भारत के अभियान को निरंतर सशक्त करे। पीएम मोदी ने कहा- देश में त्योहारों का समय शुरू हो

चुका है। इन खुशियों के बीच आज का दिन हजारों परिवारों के जीवन में नई खुशी लेकर आया है। आज देश के 51 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी सेवा के लिए नियुक्ति पत्र मिल रहे हैं। आज आप जिस मुकाम पर पहुंचे हैं, उसके पीछे आपकी मेहनत तो है ही। साथ ही आपके माता-पिता और आपके परिजन की भी तपस्या है। मैं आप सभी युवा साथियों को और आपके परिवारजनों को बहुत-बहुत बधाई देता हूं। युवा होने के नाते विशेष तौर पर अन्य युवाओं के प्रति आपकी विशेष जिम्मेदारी है।

आज करीब आधे स्टार्टअप छोटे शहरों में

भारत के युवाओं के सामर्थ्य की एक और तस्वीर हमारे स्टार्टअप इको सिस्टम में दिखाई देती है। भारत आज दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इको सिस्टम है। और भारत की स्टार्टअप स्टोरी अब केवल बड़े शहरों की कहानी नहीं है। आज करीब आधे रिकग्नाइज्ड स्टार्टअप टियर2 और टियर3 शहरों में हैं। कुछ ही दिन पहले ब्रिक्स समिट खत्म हुआ है। भारत ने यह सुनिश्चित करने की कोशिश की है कि ब्रिक्स का सहयोग सिर्फ सरकारों तक ही सीमित न रहे; बल्कि हमारे एंटरप्रेन्योर्स, किसान, महिलाएं और युवा भी इस साझेदारी में सक्रिय रूप से शामिल हों। इसी सोच के साथ ब्रिक्स कनेक्ट और ब्रिक्स कोऑपरेशन पोर्टल जैसी पहल शुरू की गई हैं। पिछले कुछ सालों में भारत सरकार का लगातार ध्यान युवाओं को भविष्य के लिए तैयार करने पर रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति, स्किल इंडिया मिशन, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना या अप्रेंटिसशिप को बढ़ावा देने के प्रयास-हमारी कोशिश यही रही है कि युवाओं की शिक्षा और उनके कौशल को बदलती अर्थव्यवस्था की जरूरतों के अनुरूप बनाया जाए। आज जिन युवाओं को नियुक्ति पत्र मिले हैं उनकी नियुक्तियां केंद्र सरकार के अलग-अलग विभागों और संगठनों में हुई हैं। रोजगार मेला देश के 45 स्थानों पर आयोजित किया गया। नियुक्ति पत्र पाने वाले अभ्यर्थी केंद्र सरकार के अलग-अलग मंत्रालयों और विभागों में काम शुरू करेंगे।

आईआईटी बॉम्बे में एक और छात्र की आत्महत्या से हड़कंप

7 महीने में 3 स्टूडेंस्ट ने दे दी जान,कार्रवाई की हो रही मांग

मुंबई (एजेंसी)। आईआईटी बॉम्बे अपनी बेहतरीन पढ़ाई के लिए जाना जाता है, लेकिन आज वहां के छात्र बेहद दुखी हैं और गुस्से में प्रदर्शन कर रहे हैं। दरअसल, सेकंड ईयर के एक छात्र को परीक्षा में मोबाइल पर एआई का इस्तेमाल करते हुए पकड़ा गया था, जिसके बाद उसने खुदकुशी कर ली। सबसे ज्यादा परेशान करने वाली बात यह है कि पिछले सात महीनों में इस कैंपस में आत्महत्या का यह तीसरा मामला है। इससे पहले, इसी साल फरवरी में एक छात्र ने हॉस्टल के कमरे में अपनी जान दे दी थी। फिर जुलाई में भी एक 20 साल के छात्र ने ऐसा ही कदम उठाया। इन घटनाओं ने सबको हिलाकर रख दिया है और छात्र अब मानसिक तनाव और कॉलेज

के माहौल पर सवाल उठा रहे हैं।

परीक्षा में एआई के इस्तेमाल पर पकड़ा गया था छात्र- बीती शाम, साहिल वाकोडे नाम के छात्र को परीक्षा का प्रश्नपत्र चैटजीपीटी पर अपलोड कर उत्तर खोजते हुए पकड़ा गया था। अधिकारियों का कहना है कि विश्वविद्यालय ने उसके खिलाफ कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं की थी, बल्कि उसकी काउंसलिंग की गई थी और उसे आश्वासन दिया गया था कि इसका उसके करियर पर कोई बुरा प्रभाव नहीं पड़ेगा। हालांकि, कुछ ही घंटों बाद वह अपने हॉस्टल के कमरे में मृत पाया गया।

वाकोडे की मौत के बाद आईआईटी बॉम्बे परिसर में 400 से अधिक छात्रों ने विरोध प्रदर्शन किया। छात्रों के एक समूह का आरोप है कि संस्थान के अधिकारियों ने वाकोडे को एक साल के निलंबन की धमकी दी थी। साथ ही यह भी कहा गया था कि इसके कारण उसे हॉस्टल छोड़कर परिसर के बाहर रहना पड़ सकता था।

प्रशासन से जवाबदेही और पारदर्शिता की मांग

एक छात्र ने कहा कि इस साल परिसर में ऐसी कई घटनाएं हो चुकी हैं और सवाल उठाया कि क्या इनके कारणों को समझने के लिए पर्याप्त कदम उठाए जा रहे हैं। एक अन्य छात्र ने प्रशासन से कार्रवाई और जवाबदेही की मांग की। इलेक्ट्रिकल ब्रांच के तृतीय वर्ष के एक अंडरग्रेजुएट छात्र ने कहा कि हम आज इसलिए विरोध कर रहे हैं क्योंकि हमारे कॉलेज में एक और आत्महत्या हुई है। हम प्रशासन से जवाबदेही और पारदर्शिता की मांग करने आए हैं। यह पहली घटना नहीं है। इस साल ऐसी कई घटनाएं हुई हैं, जिनमें से दो तो पिछले दो महीनों में ही हुई हैं। हमें बिल्कुल भी जानकारी नहीं है कि ऐसा क्यों हो रहा है।

मां मोबाइल देख रही थी

बच्ची चलती ट्रेन से गिरी

● खिड़की की रॉड पकड़कर खड़ी थी,झटके से बाहर हुई; चेन खींचकर बचाया

जबलपुर (एजेंसी)। जबलपुर में पवन एक्सप्रेस में मां के साथ सफर कर रही डेढ़ साल की बच्ची चलती ट्रेन से अचानक नीचे गिर गई। घटना 15 सितंबर को कटनी-जबलपुर के बीच हुई। ट्रेन कटनी स्टेशन से निकलने के बाद करीब 70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही थी। बच्ची इमरजेंसी खिड़की से करीब 8 फीट नीचे नुकीली गिट्टियों पर जा गिरी। उसे गायब देख मां संजीदा खातून बदहवास हो गईं। यात्रियों ने

फौरन चेन पुलिंग की और ट्रैक पर दौड़कर बच्ची को उठा लिया। उसके सिर, पीठ, हाथ-पैर में चोट लगने से बच्ची के शरीर से खून निकल रहा था। 26 वर्षीय संजीदा मुजफ्फरपुर की रहने वाली हैं। उनके पति मुंबई में नौकरी करते हैं। वह डेढ़ साल की बेटी के साथ निकली थीं।

अनमोल वचन

जिन्होंने दृढ़ संकल्प किया, उत्साह और साहस से आगे बढ़े उन्होंने ही अपने लक्ष्य को प्राप्त किया परंतु जो निष्क्रिय रहे कठिनाइयों से घबरा गये – हताशा और निराशा जिन पर हावी हो गई वे समाप्त हो गये। जो झंझावातों और तूफानों को चीरकर आगे बढ़ते गये वे इतिहास में अमर हो गये। इतिहासप्रसिद्ध किसी भी महान व्यक्ति के जीवन को आप देख लें उनकी उपलब्धियों का श्रेय उनके सात्विक विचारों और शुभ संकल्पों को ही मिलेगा। तेनसिंग और हिलेरी के संकल्पों ने एवरेस्ट को पराजित किया था। कोलम्बस के संकल्प ने अमेरिका को खोज निकाला। जैपलीन ब्रदर्स के संकल्प ने वायुयान बना डाले और एडीसन के संकल्प ने टेलीफोन, टेलीग्राफ तथा विद्युत का अनुसंधान कर डाला। अंधी बहरी हेलन केलर ने ब्रेल लिपि का आविष्कार किया। जहाँ चाह वहाँ राह की उक्ति ऐसे ही लोगों के लिये ही है जो हाथ पर हाथ धरे बैठे नहीं रहते अपितु अपनी शक्तियों का सदुपयोग करते हैं। वे अपना नाम अमर कर लेते हैं जबकि संकल्प विहीन गुमनामी के अन्धेरे में खो जाते हैं।

लूटपाट में साथ चलने से इनकार किया तो युवक पर टूट पड़ा आरोपी, मारपीट के बाद गोली मारने की धमकी

खतौली। खतौली कस्बे में जीटी रोड पर एक युवक को कथित तौर पर लूटपाट में साथ चलने के लिए दबाव बनाने और उसके इनकार करने पर गाली-गलौज, मारपीट व गोली मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। घटना के बाद पीड़ित ने थाना खतौली पहुंचकर पुलिस को पूरी घटना की जानकारी देते हुए तहरीर दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। मोहल्ला इस्लामनगर निवासी साजिद पुत्र इमामुद्दीन ने थाना खतौली पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 17 सितंबर 2026 को सुबह करीब 8:30 बजे वह चौपले से अपने घर की ओर जा रहा था। इसी दौरान जीटी रोड पर पारस फर्नीचर के सामने उसे काला उर्फ काशिम पुत्र बसीर निवासी काजियान, खतौली मिला।

ह्यमेरे साथ चल, कहीं लूटपाट करेंगेह्न कहने का आरोप

पीड़ित के मुताबिक आरोपी ने उसे रास्ते में रोककर अपने साथ चलने के लिए कहा। आरोप है कि आरोपी ने उससे कहा कि उसके साथ कहीं लूटपाट करेंगे, क्योंकि उसे पैसों की जरूरत है। साजिद ने आरोपी की बात का विरोध करते हुए साफ तौर पर कहा कि वह किसी गलत काम में शामिल नहीं होता और उसके साथ नहीं जाएगा।

गलत काम से इनकार करना पड़ा भारी

तहरीर में साजिद ने आरोप लगाया कि उसके द्वारा लूटपाट में साथ चलने से साफ इनकार करने के बाद काला उर्फ काशिम भड़क गया। आरोप है कि उसने उसके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और आरोपी ने साजिद के साथ मारपीट कर दी।

मारपीट के दौरान गोली मारने की धमकी

पीड़ित का आरोप है कि मारपीट के दौरान आरोपी ने उसे गोली मारने की धमकी भी दी। इस धमकी के बाद साजिद भयभीत हो गया। घटना के बाद उसने मामले की जानकारी पुलिस को देने का फैसला किया और थाना खतौली पहुंचकर लिखित शिकायत दी।

पुलिस से आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग

साजिद ने पुलिस को दी तहरीर में पूरे घटनाक्रम का उल्लेख करते हुए आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। पीड़ित ने पुलिस से अपनी सुरक्षा को लेकर भी कार्रवाई की अपेक्षा जताई है।

मुकदमा दर्ज कर जांच में जुटी पुलिस

थाना खतौली पुलिस ने पीड़ित साजिद की तहरीर के आधार पर काला उर्फ काशिम के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना के स्थान और परिस्थितियों के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है तथा उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आरोपों की जांच के बाद सामने आएगी पूरी तस्वीर

पुलिस के अनुसार मामले में लगाए गए आरोपों की जांच की जा रही है। मारपीट, धमकी और लूटपाट के लिए कथित रूप से साथ चलने के दबाव संबंधी आरोपों की पुष्टि जांच के दौरान उपलब्ध साक्ष्यों और संबंधित लोगों के बयान के आधार पर की जाएगी। फिलहाल मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस ने मामले को जांच में ले लिया है।

मोरना में पड़ोसी महिलाओं की रंजिश ने लिया हिंसक रूप, दोनों पक्षों के मुकदमे दर्ज

मोरना। भोपा थाना क्षेत्र के मोरना गांव में पड़ोसियों के बीच चल रही रंजिश को लेकर विवाद लगातार बढ़ता नजर आ रहा है। दो महिलाओं की ओर से एक-दूसरे के खिलाफ पुलिस को शिकायत दी गई है। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर गाली-गलौच, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। एक पक्ष ने जहां पड़ोसी दंपती पर घर के सामने पहुंचकर विवाद करने और मारपीट का आरोप लगाया, वहीं दूसरे पक्ष ने महिला पर रास्ते में परेशान करने, छत से पत्थर फेंककर मारने और मारपीट करने के आरोप लगाए हैं। दोनों पक्षों की तहरीर के आधार पर भोपा पुलिस ने मुकदमे दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पिंकी बोली- लंबे समय से चल रही है पड़ोस में रंजिश

मोरना निवासी पिंकी पत्नी सवित कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसके पड़ोस में निशा पत्नी विनीत और उसका पति विनीत रहते हैं। पिंकी का आरोप है कि दोनों उससे रंजिश रखते हैं और इसी कारण आए दिन उसके साथ गाली-गलौच करते रहते हैं। आरोप है कि निशा और विनीत उसे तथा उसके बच्चों को जान से मारने की धमकी भी देते हैं।

कई बार मारपीट करने का लगाया आरोप

पिंकी ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि निशा पहले भी कई बार उसके साथ मारपीट कर चुकी है। उसका कहना है कि पड़ोस में रहने के कारण आए दिन होने वाले विवाद से वह और उसका परिवार परेशान है। पिंकी ने पुलिस से मामले में कार्रवाई की मांग करते हुए परिवार की सुरक्षा को लेकर भी चिंता जताई।

17 सितंबर को घर के सामने पहुंचने का आरोप

पिंकी के अनुसार, 17 सितंबर 2026 को निशा और उसका पति विनीत उसके घर के सामने पहुंचे। आरोप है कि दोनों ने वहां गाली-गलौच शुरू कर दी और उसे तथा उसके परिवार को जान से मारने की धमकी देने लगे। पिंकी का आरोप है कि जब उसने इसका विरोध किया तो दोनों पति-पत्नी ने उसके साथ मारपीट कर दी।

परिवार को जान-माल का खतरा बताया

पिंकी ने पुलिस को बताया कि पड़ोसी दंपती के साथ विवाद के चलते उसे और उसके परिवार को जान-माल का खतरा बना हुआ है। उसने थाना पुलिस से रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की। निशा ने भी पुलिस के सामने रखी अपनी शिकायत

इसी विवाद में दूसरे पक्ष की निशा पत्नी विनित चौधरी ने भी भोपा थाने में तहरीर देकर पिंकी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। निशा का कहना है कि पिंकी उससे रंजिश रखती है और उसे लगातार परेशान करती है। निशा ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि कई बार जब वह रास्ते से होकर जा रही थी तो पिंकी ने अपनी छत से उस पर पत्थर फेंककर मारा।

रास्ते में देखते ही गाली-गलौच का आरोप

निशा ने आरोप लगाया कि पिंकी के अलावा उसके दो बेटे मयंक और अंश भी उसे रास्ते में देखते ही गाली-गलौच करने लगते हैं। उसका कहना है कि इस तरह के व्यवहार के कारण वह काफी परेशान है और उसे लगातार विवाद की आशंका बनी रहती है।

13 सितंबर की घटना को लेकर भी आरोप

निशा ने पुलिस को दी तहरीर में 13 सितंबर 2026 की घटना का भी उल्लेख किया। उसके अनुसार, उस दिन करीब दस बजे पिंकी ने उसके साथ गाली-गलौच करते हुए मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। निशा ने आरोप लगाया कि लगातार हो रहे विवाद के कारण उसे परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

दोनों पक्षों ने जताया जान-माल का खतरा

खास बात यह है कि दोनों महिलाओं ने अपनी-अपनी शिकायत में एक-दूसरे से जान-माल का खतरा होने की बात कही है। दोनों पक्षों ने पुलिस से कार्रवाई के साथ सुरक्षा की मांग भी की है। इससे गांव में पड़ोसियों के बीच चल रहे विवाद की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है।

पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायतों पर दर्ज किए मुकदमे

भोपा पुलिस ने दोनों पक्षों की ओर से दी गई तहरीरों के आधार पर मुकदमे दर्ज कर लिए हैं।

पुलिस मामले की जांच में जुटी है। जांच के दौरान दोनों पक्षों के आरोपों की पुष्टि के लिए घटना से जुड़े तथ्यों, परिस्थितियों और उपलब्ध साक्ष्यों को देखा जाएगा। पुलिस के मुताबिक जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

एक ही मोहल्ले के विवाद में आमने-सामने आए दोनों परिवार

मोरना में सामने आया यह मामला पड़ोस में लंबे समय से चले आ रहे विवाद का परिणाम बताया जा रहा है।

बामनहेड़ी सेंट्रल वेयरहाउस में दर्दनाक हादसा, वाहन की चपेट में आया युवक

पिता और साथी मजदूरों के लिए खाना-पानी लेकर पहुंचा था चांद, डिपो परिसर में ट्रक की टक्कर से गंभीर घायल; मेरठ में वेंटिलेटर पर जिंदगी से जंग

मुजफ्फरनगर। बामनहेड़ी स्थित केंद्रीय भंडारण निगम (सेंट्रल वेयरहाउस) डिपो में शनिवार सुबह करीब 11 बजे उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक युवक वाहन की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे में देवबंद क्षेत्र के तल्हेड़ी बुजुर्ग निवासी अरसद उर्फ गुड्डू का बेटा चांद गंभीर रूप से घायल हुआ है। उसकी हालत बेहद नाजुक बताई जा रही है। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसे मेरठ रेफर कर दिया, जहां उसका उपचार वेंटिलेटर सपोर्ट पर चल रहा है।

पिता और साथी मजदूरों के लिए खाना लेकर पहुंचा था चांद

परिजनों के अनुसार चांद अपने पिता और उनके साथ काम करने वाले साथी मजदूरों के लिए खाना-पानी लेकर बामनहेड़ी स्थित डिपो पहुंचा था। बताया गया कि उसके पिता डिपो में वाहन से संबंधित काम के सिलसिले में पहुंचे थे। चांद खाना-पानी पहुंचाने के बाद पिता की गाड़ी की पर्ची कटवाने के लिए डिपो परिसर के भीतर गया था।

पीछे से आए ट्रक ने मारी टक्कर

परिजनों का आरोप है कि इसी दौरान पीछे की ओर से आए एक ट्रक ने चांद को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी गंभीर थी कि चांद सड़क पर गिरकर बुरी तरह घायल हो गया। उसके शरीर में गंभीर चोटें आईं। हादसे के बाद डिपो परिसर में मौजूद मजदूरों और आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया।

गंभीर हालत में पहले स्थानीय अस्पताल पहुंचाया

हादसे के बाद साथी मजदूरों और स्थानीय लोगों ने घायल चांद को तत्काल उपचार के लिए स्थानीय अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने उसकी हालत गंभीर देखते हुए प्राथमिक उपचार किया। हालत में अपेक्षित सुधार नहीं होने पर उसे

बेहतर उपचार के लिए मेरठ रेफर कर दिया गया।

मेरठ में वेंटिलेटर सपोर्ट पर चल रहा उपचार

परिजनों के मुताबिक मेरठ के अस्पताल में चांद की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है। डॉक्टरों की निगरानी में उसका उपचार किया जा रहा है और उसे वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया है। परिवार के लोग अस्पताल में मौजूद हैं और चांद की हालत को लेकर बेहद चिंतित हैं।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर वाहन कब्जे में लिया

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने हादसे में शामिल वाहन को कब्जे में ले लिया है। पुलिस द्वारा हादसे के कारणों और वाहन चालक की भूमिका की जांच की जा रही है। हादसे को लेकर पुलिस आसपास के लोगों और प्रत्यक्षदर्शियों से भी जानकारी जुटा रही है।

परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर, मजदूरी पर निर्भर है परिवार

बताया गया कि चांद का परिवार आर्थिक रूप से कमजोर है और मजदूरी के सहारे परिवार का पालन-पोषण होता है। हादसे में युवक के गंभीर रूप से घायल होने के बाद परिवार के सामने इलाज का खर्च उठाने की भी बड़ी चुनौती खड़ी हो गई। परिजनों ने चांद के बेहतर उपचार और आर्थिक मदद की आवश्यकता जताई है।

डिपो प्रबंधन और वाहन मालिक ने इलाज का खर्च उठाने का दिया आश्वासन

हादसे के बाद गांव के जिम्मेदार लोगों, डिपो प्रबंधन, ट्रांसपोर्टर और पुलिस प्रशासन के बीच बातचीत हुई। बातचीत के दौरान डिपो प्रबंधन और वाहन मालिक की ओर से घायल चांद के इलाज का पूरा खर्च उठाने के साथ परिवार को आर्थिक मदद देने का आश्वासन दिया गया।

सहमति बनने तक वाहन मौके से नहीं हटाने पर बनी सहमति

परिवार और संबंधित पक्षों के बीच बातचीत के दौरान यह भी सहमति बनी कि जब तक मामले में आपसी सहमति नहीं बन जाती, तब तक हादसे में शामिल वाहन को मौके से नहीं हटाया जाएगा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है और परिवार की नजरें चांद के स्वास्थ्य में सुधार पर टिकी हैं।

अस्पताल में जिंदगी और मौत से जूझ रहा चांद

बामनहेड़ी डिपो में हुए इस हादसे ने परिवार को झकझोर दिया है। जो चांद अपने पिता और साथी मजदूरों के लिए खाना-पानी लेकर डिपो पहुंचा था, वह कुछ ही देर बाद गंभीर हालत में अस्पताल पहुंच गया। फिलहाल मेरठ के अस्पताल में उसका उपचार जारी है और परिवार उसके जल्द स्वस्थ होने की उम्मीद लगाए बैठा है।

धर्म परिवर्तन से इनकार किया तो मुकदमे में फंसाने और जान से मारने की धमकी का आरोप

मिमलाना रोड निवासी व्यक्ति का दावा- पत्नी के मायके पक्ष के कुछ लोग बना रहे थे ईसाई धर्म अपनाने का दबाव, 16 जुलाई को दोनों बेटियों को साथ ले जाने का आरोप

मुजफ्फरनगर। शहर कोतवाली क्षेत्र के मिमलाना रोड निवासी रवींद्र कुमार ने एसएसपी को दिए शिकायती पत्र में अपनी पत्नी और उसके मायके पक्ष के कुछ लोगों पर धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाने, दोनों बेटियों को अपने साथ ले जाने, जेवरात और नकदी ले जाने तथा विरोध करने पर धमकी देने के आरोप लगाए हैं। शनिवार दोपहर करीब 12 बजे रवींद्र कई लोगों के साथ पुलिस कार्यालय पहुंचे और अधिकारियों से मामले में हस्तक्षेप कर जांच कराने की मांग की। रवींद्र कुमार के मुताबिक उनकी शादी 8 दिसंबर 2017 को गोल्डी के साथ हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार हुई थी। उनका आरोप है कि शादी के कुछ समय बाद पत्नी के मायके पक्ष के कुछ लोग उन पर और परिवार के अन्य सदस्यों पर ईसाई धर्म अपनाने का दबाव बनाने लगे। शिकायतकर्ता का दावा है कि पत्नी के मायके पक्ष से जुड़े कुछ लोग पहले ही ईसाई धर्म

अपना चुके हैं और इसी के चलते उस पर भी धर्म परिवर्तन करने का दबाव बनाया जा रहा था। शिकायत में रवींद्र ने आरोप लगाया कि उसने धर्म परिवर्तन करने से इनकार किया तो उसे दहेज के मुकदमे में फंसाने और जान से मारने की धमकी दी गई। रवींद्र का कहना है कि कथित दबाव और धमकियों के चलते वह लंबे समय से परेशान था। उसने पुलिस से पूरे मामले की जांच कर यह पता लगाने की मांग की है कि उसके साथ लगाए गए आरोपों के मुताबिक वास्तव में क्या घटनाक्रम हुआ।

16 जुलाई को दोनों बेटियों को साथ ले जाने का आरोप

रवींद्र के मुताबिक 16 जुलाई को उसकी पत्नी दोनों बेटियों को बिना बताए अपने साथ ले गई। उसने आरोप लगाया कि पत्नी जाते समय घर से सोने-चांदी के जेवरात और करीब 15 हजार रुपये की नकदी भी साथ ले गई। रवींद्र का दावा है कि जब उसने दोनों बेटियों को अपने साथ ले जाने और घर से सामान ले जाने का विरोध किया तो ससुराल पक्ष की ओर से उसे कथित तौर पर बताया गया कि दोनों बेटियों को भी ईसाई धर्म स्वीकार करा दिया गया है। बेटियों को वापस मांगने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी का दावा शिकायतकर्ता का आरोप है कि उसने अपनी दोनों बेटियों के बारे में जानकारी लेने और उन्हें वापस लाने की कोशिश की तो उसे गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी गई। रवींद्र ने एसएसपी से मांग की है कि दोनों बेटियों को बरामद कर उनके संबंध में आवश्यक जांच कराई जाए और उन्हें कथित रूप से ले जाए गए जेवरात व नकदी के मामले की भी जांच की जाए। रवींद्र ने पुलिस अधिकारियों को बताया कि उसने इससे पहले मामले को लेकर मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई थी। इसके अलावा अन्य अधिकारियों को ई-मेल के माध्यम से भी शिकायत भेजे जाने का दावा किया गया है। उसका कहना है कि शिकायत करने के बावजूद उसे अब तक अपेक्षित कार्रवाई की जानकारी नहीं मिली। इसके बाद वह शनिवार को कई लोगों के साथ पुलिस

फजीवाड़े के मुकदमे में फरार चल रहा वांछित आरोपी भोपा पुलिस ने दबोचा

419, 420 समेत धोखाधड़ी और कूटरचित दस्तावेजों से जुड़ी धाराओं में था वांछित, तुगलपुर निवासी अर्जुन गिरि गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर। वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत भोपा थाना पुलिस ने धोखाधड़ी, कूटरचना और फर्जी दस्तावेजों से जुड़े मुकदमे में फरार चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद उसके खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा।

लंबे समय से मुकदमे में वांछित था आरोपी

पुलिस के अनुसार भोपा थाने में दर्ज मुकदमा संख्या 215/2026 में अर्जुन गिरि वांछित चल रहा था। उसके खिलाफ धारा 419, 420, 467, 468, 471 और 120बी भारतीय दंड संहिता के तहत मामला दर्ज है। पुलिस टीम लगातार आरोपी की तलाश कर रही थी।

तुगलपुर निवासी है गिरफ्तार आरोपी

पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी की पहचान अर्जुन गिरि पुत्र मगन गिरि निवासी तुगलपुर, थाना खानपुर, जिला हरिद्वार के रूप में की है। पुलिस के मुताबिक वांछित आरोपी की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के दौरान उसकी तलाश करते हुए टीम ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

धोखाधड़ी और फर्जी दस्तावेजों से जुड़ा है मामला

अर्जुन गिरि के खिलाफ दर्ज मुकदमे में धोखाधड़ी, किसी दूसरे व्यक्ति के रूप में प्रस्तुत होने, कूटरचित दस्तावेज तैयार करने और उनका इस्तेमाल करने सहित आपराधिक षड्यंत्र से संबंधित धाराएं लगाई गई हैं। पुलिस के अनुसार आरोपी की गिरफ्तारी के बाद मुकदमे में आगे की कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

न्यायालय में पेश किया जाएगा

भोपा पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ आवश्यक वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार आरोपी को नियमानुसार न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा।

पुलिस टीम ने की गिरफ्तारी

वांछित आरोपी की गिरफ्तारी करने वाली टीम में वरिष्ठ उपनिरीक्षक रेशमपाल सिंह, कांस्टेबल प्रवीण कुमार और कांस्टेबल रितिक कुमार शामिल रहे। कार्रवाई वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में की गई।

शामली से चोरी की दो बाइक लेकर छिपा था युवक, भोपा पुलिस ने दबोचा

निरगाजनी झाल के पास चेकिंग के दौरान मिली सूचना पर सिकरी के खंडहरनुमा स्थान पर दबिश, दो चोरी की मोटरसाइकिल और अवैध चाकू बरामद

मुजफ्फरनगर। भोपा थाना पुलिस ने वाहन चोरी के मामले में कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी की दो मोटरसाइकिल और एक अवैध चाकू बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक पूछताछ में आरोपी ने दोनों मोटरसाइकिलों को शामली जनपद से चोरी करने और पुलिस से बचने के लिए भोपा क्षेत्र में छिपाकर रखने की बात बताई है। आरोपी के खिलाफ शामली में भी कई मुकदमे दर्ज बताए गए हैं।

निरगाजनी झाल पर चल रही थी वाहनों की चेकिंग

पुलिस के अनुसार 19 सितंबर को भोपा पुलिस निरगाजनी झाल के पास संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि एक शातिर वाहन चोर सिकरी के पास खंडहरनुमा स्थान पर चोरी की दो मोटरसाइकिलों के साथ मौजूद है।

घेराबंदी कर आरोपी को दबोचा

सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम ने बताए गए स्थान पर पहुंचकर घेराबंदी की और दबिश देकर मौके से एक युवक को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से दो मोटरसाइकिल और एक अवैध चाकू बरामद हुआ। पुलिस ने बरामद वाहनों के संबंध में जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार आरोपी के कब्जे से स्प्लेंडर मोटरसाइकिल नंबर यूपी-16 सीएल-3294 और पैशन प्रो मोटरसाइकिल नंबर डीएल-5एसबीक्यू-6583 बरामद हुई हैं। इसके अलावा एक अवैध चाकू भी बरामद किया गया।

पुलिस पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम रितिक पुत्र अजीत निवासी ग्राम कुढाना, थाना कोतवाली, जनपद शामली बताया। पुलिस के मुताबिक रितिक ने पूछताछ में बताया कि दोनों मोटरसाइकिल उसने शामली जनपद से चोरी की थीं। पुलिस से बचने के लिए दोनों बाइक भोपा क्षेत्र में लाकर छिपा दी थीं। शनिवार को वह दोनों मोटरसाइकिलों को वहां से ले जाने के लिए पहुंचा था, तभी पुलिस ने उसे पकड़ लिया। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी रितिक का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। उसके खिलाफ थाना कोतवाली शामली में वर्ष 2025 में मारपीट और धमकी से संबंधित मुकदमा दर्ज है। इसके अलावा वर्ष 2026 में वाहन चोरी से संबंधित दो मुकदमे भी थाना कोतवाली शामली में दर्ज बताए गए हैं। भोपा थाने में भी उसके खिलाफ मुकदमा संख्या 247/2026 दर्ज किया गया है।

इन धाराओं में दर्ज हुआ मुकदमा

भोपा थाने में आरोपी के खिलाफ मुकदमा संख्या 247/2026, धारा 317(2), 318(4), 336(2) बीएनएस के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। वाहन चोर की गिरफ्तारी और बरामदगी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक सपन चौधरी, हेड कांस्टेबल विनय कुमार, कांस्टेबल अजय कुमार और कांस्टेबल पवन कुमार शामिल रहे। पुलिस अधिकारियों के निर्देशन में टीम ने चेकिंग के दौरान मिली सूचना पर कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया।

10 घंटे में खुला नलकूप चोरी का राज, दो शातिर चोर गिरफ्तार

तितावी पुलिस ने ऑपरेशन किसान प्रहरी के तहत की कार्रवाई, चोरी का केबल, स्टार्टर, कॉयल, लोहे के टुकड़े और कुम्बल करने वाला बेल्चा बरामद

मुजफ्फरनगर। तितावी थाना पुलिस ने ऑपरेशन किसान प्रहरी के तहत नलकूपों से बिजली उपकरण चोरी करने वाले दो आरोपियों को घटना के महज 10 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर चोरी की घटना का खुलासा किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी का सामान और दो अवैध चाकू बरामद किए हैं। आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस के अनुसार गांव बुडिना कला निवासी संजीव ने 18 सितंबर को तितावी थाने में तहरीर देकर बताया था कि 16/17 सितंबर की रात अज्ञात चोरों ने उनके नलकूप की दीवार तोड़कर कुम्बल किया और अंदर रखा स्टार्टर तथा केबल चोरी कर लिया। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की।

नलकूप से उपकरण चोरी की घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने ऑपरेशन किसान प्रहरी के तहत आरोपियों की गिरफ्तारी और घटना के शीघ्र खुलासे के लिए टीम गठित की। पुलिस टीम ने सुरागरसी और जांच के आधार पर कार्रवाई करते हुए 10 घंटे के अंदर दो संदिग्धों को चिह्नित कर लिया।

तितावी पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को धौलरा बस स्टैंड के पास से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शुभम पुत्र सुनील निवासी ग्राम पीरबड़, थाना तितावी, उम्र करीब 24 वर्ष और आशू उर्फ अन्नू पुत्र संजय निवासी ग्राम पीरबड़, थाना तितावी, उम्र करीब 22 वर्ष के रूप में हुई है।

चोरी का सामान बरामद

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब तीन मीटर के दो टुकड़ों में

प्लास्टिक केबल, स्टार्टर बोर्ड में लगे दो कट आउट, क्षतिग्रस्त स्टार्टर कवर, तीन क्षतिग्रस्त स्टार्टर कॉयल, करीब चार मीटर बिजली वायर के टुकड़े और लोहे की कॉयल के तीन टुकड़े बरामद किए हैं।

पुलिस के मुताबिक आरोपियों के पास से नलकूप की दीवार में कुम्बल करने में इस्तेमाल किया जाने वाला लोहे का बेल्चा (बारी) भी बरामद हुआ है। इसके अलावा दोनों के कब्जे से दो अवैध चाकू बरामद किए गए। बरामदगी के आधार पर आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट की कार्रवाई भी की गई है। तितावी थाने में मुकदमा संख्या 215/2026 धारा 305(ए), 331(4), 317(2) बीएनएस तथा धारा 4/25 आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपियों के खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस टीम की कार्रवाई

घटना के खुलासे और आरोपियों की गिरफ्तारी में उपनिरीक्षक अमित चौधरी, नवनीत यादव, हेड कांस्टेबल लोकेन्द्र, रिजर्व कांस्टेबल राकेश कुमार और नितिन शामिल रहे। अधिकारियों के निर्देशन में टीम ने तेजी से कार्रवाई करते हुए नलकूप चोरी की घटना का खुलासा किया।

रॉयल बुलेटिन

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने मै. साईं प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6 नोएडा-201301 से मुद्रित कराकर **रॉयल हाऊस, 174, गांधी कालौनी (उत्तरी), मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) से प्रकाशित किया।**

सम्पादक:
♦अनिल रॉयल

✆:(0131) 2412222,
मो. 9412211222
e-mail Address :
royalbulletin@gmail.com

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं विपिन कुमार गोयल (पूर्व नाम) विपिन गोयल (वर्तमान नाम) पुत्र श्री सुरेन्द्र कुमार गोयल, निवासी 188 पटेलनगर, न्यू मंडी, मुजफ्फरनगर (उ.प्र.)-251002, शपथपूर्वक बयान करता हूं कि मेरा नाम व पता उपरोक्त सब सच व सही है। मैंने अपना नाम विपिन कुमार गोयल से बदलकर विपिन गोयल (VIPIN GOEL) रख लिया है। अब से मुझे भविष्य के सभी सरकारी/गैरसरकारी व अन्य उद्देश्यों के लिए विपिन गोयल (VIPIN GOEL) के नाम से जाना-पहचाना जायेगा।

रॉयल बुलेटिन
मुजफ्फरनगर समाचार

रविवार 20 सितम्बर 2026 पृष्ठ 3

पानीपत-खटीमा मार्ग पर खड़े ट्रक से टकराई कार: सीआरपीएफ के जवान समेत दो की मौत, परिवार में कोहराम

हरिद्वार से लौटते समय रोमुजफ्फरनगर में पानीपत-खटीमा मार्ग पर खड़े ट्रक से टकराई कार: सीआरपीएफ के जवान समेत दो की मौत, परिवार में कोहराम

मुजफ्फरनगर। जनपद के पानीपत-खटीमा राष्ट्रीय राजमार्ग पर रोहाना क्षेत्र में मन्नत होटल के पास बीती रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार कार सड़क किनारे खड़े एक भारी ट्रक से पीछे से इतनी जोर से टकराई कि उसके परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार सीआरपीएफ जवान व उनके दोस्त की मौके पर ही मौत हो गई। इस अप्रत्याशित हादसे के बाद से मृतकों के परिवारों में कोहराम मचा हुआ है और इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है।

हरिद्वार से लौट रहे थे दोनों दोस्त

पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान दिल्ली के घसा क्षेत्र निवासी सतीश (पुत्र स्वर्गीय महेंद्र सिंह) और दिनेश (पुत्र रामकुमार) के रूप में हुई है। सतीश पेशे से ड्राइवर थे और परिवार में सबसे छोटे व अविवाहित थे, जबकि दिनेश सीआरपीएफ (सीआरपीएफ) में कार्यरत थे और अपने पीछे पत्नी व तीन बच्चों को छोड़ गए हैं। दोनों दोस्त कार से हरिद्वार घूमने के बाद वापस लौट लौट रहे थे, कि बीती रात जब वे अपनी कार से पानीपत-खटीमा हाईवे पर पहुंचे तो उनकी तेज गति से चल रही कार सड़क किनारे खड़े एक ट्रक में जा घुसी। यह टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड गये और दोनों दोस्त लहूलुहान होकर कार में फंसे रह गये, जहां अफरा-तफरी मच गई।

कड़ी मशक्कत के बाद निकाले गए शव

घटना की सूचना मिलते ही रोहाना चौकी प्रभारी मोहित कुमार पुलिस टीम के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। पुलिस ने स्थानीय ग्रामीणों की मदद से काफी मशक्कत के बाद क्षतिग्रस्त कार में फंसे दोनों शवों को बाहर निकाला और अस्पताल भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों के अनुसार, अत्यधिक खून बह जाने और गंभीर चोटें आने के कारण दोनों की रास्ते में या अस्पताल पहुंचने से पहले ही मौत हो चुकी थी। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। इस दुखद घटना की सूचना मिलने के बाद मृतकों के परिजन भी रोते-बिलखते मुजफ्फरनगर पहुंच गए, जिससे परिवारों में कोहराम मच गया है।

अवैध पार्किंग को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश

इस भयानक हादसे के बाद स्थानीय निवासियों में गहरा रोष व्याप्त है। ग्रामीणों का आरोप है कि पानीपत-खटीमा हाईवे पर अवैध और गलत तरीके से पार्क किए जाने वाले भारी वाहन लगातार हादसों को न्योता दे रहे हैं। कुछ दिन पूर्व भी इसी स्थान पर सड़क किनारे खड़े वाहन के कारण दुर्घटना हुई थी। लोगों ने हाईवे पर नियमित पुलिस व टोल पेट्रोलिंग बढ़ाने तथा अवैध रूप से खड़े वाहनों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का कहना है कि मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है और दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हटाकर यातायात को सामान्य करा दिया गया है।

रोहाना क्षेत्र में हुआ हादसा

मुजफ्फरनगर। जनपद के पानीपत-खटीमा राष्ट्रीय राजमार्ग पर रोहाना क्षेत्र में मन्नत होटल के पास बीती रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार कार सड़क किनारे खड़े एक भारी ट्रक से पीछे से इतनी जोर से टकराई कि उसके परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार सीआरपीएफ जवान व उनके दोस्त की मौके पर ही मौत हो गई। इस अप्रत्याशित हादसे के बाद से मृतकों के परिवारों में कोहराम मचा हुआ है और इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है।

हरिद्वार से लौट रहे थे दोनों दोस्त

पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान दिल्ली के घसा क्षेत्र निवासी सतीश (पुत्र स्वर्गीय महेंद्र सिंह) और दिनेश (पुत्र रामकुमार) के रूप में हुई है। सतीश पेशे से ड्राइवर थे और परिवार में सबसे छोटे व अविवाहित थे, जबकि दिनेश सीआरपीएफ (सीआरपीएफ) में कार्यरत थे और अपने पीछे पत्नी व तीन बच्चों को छोड़ गए हैं। दोनों दोस्त कार से हरिद्वार घूमने के बाद वापस लौट लौट रहे थे, कि बीती रात जब वे अपनी कार से पानीपत-खटीमा हाईवे पर पहुंचे तो उनकी तेज गति से चल रही कार सड़क किनारे खड़े एक ट्रक में जा घुसी। यह टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड गये और दोनों दोस्त लहूलुहान होकर कार में फंसे रह गये, जहां अफरा-तफरी मच गई।

कड़ी मशक्कत के बाद निकाले गए शव

घटना की सूचना मिलते ही रोहाना चौकी प्रभारी मोहित कुमार पुलिस टीम के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। पुलिस ने स्थानीय ग्रामीणों की मदद से काफी मशक्कत के बाद क्षतिग्रस्त कार में फंसे दोनों शवों को बाहर निकाला और अस्पताल भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों के अनुसार, अत्यधिक खून बह जाने और गंभीर चोटें आने के कारण दोनों की रास्ते में या अस्पताल पहुंचने से पहले ही मौत हो चुकी थी। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। इस दुखद घटना की सूचना मिलने के बाद मृतकों के परिजन भी रोते-बिलखते मुजफ्फरनगर पहुंच गए, जिससे परिवारों में कोहराम मच गया है।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार की मौत: चचेरा भाई गंभीर रूप से घायल

सिखेड़ा में जौली रोड पर भीषण सड़क हादसा

मुजफ्फरनगर। क्षेत्र की जौली रोड पर शनिवार को एक भीषण सड़क हादसे में अनियंत्रित और तेज गति से आ रहे ट्रक ने बाइक सवार दो युवकों को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक चला रहे युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उसका चचेरा भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद मौके पर स्थानीय लोगों का भारी जमावड़ा लग गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने कार्रवाई करते हुए शव को कब्जे में ले लिया है।

रिश्तेदारी में जा रहे थे दोनों भाई

प्राप्त जानकारी के अनुसार, शाहपुर थाना क्षेत्र के गांव तावली निवासी मनव्वर (पुत्र ताज हसन) अपने चचेरे भाई सलीम (पुत्र सनव्वर) के साथ मोटरसाइकिल पर सवार होकर सिखेड़ा क्षेत्र में अपनी रिश्तेदारी में जा रहा था। दोनों युवक जैसे ही सिखेड़ा थाना क्षेत्र की जौली रोड पर पहुंचे, तभी सामने से आ रहे एक अनियंत्रित एवं तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक में सीधी टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि मनव्वर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सलीम गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर जा गिरा। हादसे के तुरंत बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। आसपास मौजूद ग्रामीणों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर पुलिस को दुर्घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही सिखेड़ा थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला।

शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा

पुलिस ने भीड़ की मौजूदगी में स्थानीय लोगों की मदद से गंभीर रूप से घायल सलीम को तत्काल नजदीकी अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया। वहीं पुलिस ने घटना स्थल का मुआयना करने के उपरांत मृतक मनव्वर के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल की मोर्चरी भिजवा दिया है। पुलिस जांच में जुटी

पुलिस ने घटना स्थल का मुआयना करने के उपरांत मृतक मनव्वर के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल की मोर्चरी भिजवा दिया है। घटना की जानकारी परिजनों को दे दी गई है, जिसके बाद से मृतक के परिवार में कोहराम मचा हुआ है। पुलिस आरोपी ट्रक चालक और वाहन की तलाश में जुट गई है।

पीपलशाह गांव में 16 साल बाद हुई चकबंदी: प्रदेश में 6 जिलों के 13 गांव प्रक्रिया से बाहर

जमीन विवादों के समयबद्ध निस्तारण पर गंभीर योगी सरकार, अरसे से लंबित मामलों का हुआ समाधान

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश में वर्षों से लंबित चकबंदी प्रक्रिया को पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पूरा कराने के काम में तेजी ला दी गई है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य किसानों को जमीन से जुड़े अनावश्यक विवादों और मुकदमों से मुक्ति दिलाना है, ताकि उन्हें सरकारी योजनाओं का प्रत्यक्ष लाभ समय पर मिल सके। इसी कड़ी में जहां 6 जिलों के 13 गांवों को नियमानुसार चकबंदी से अलग किया गया है, वहीं मुजफ्फरनगर जिले के पीपलशाह गांव में पिछले 16 वर्षों से अटकी चकबंदी प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। मुजफ्फरनगर के पीपलशाह गांव के किसानों को 16 साल बाद मिली राहत

विशेष रूप से मुजफ्फरनगर जिले के पीपलशाह गांव के किसानों के लिए यह कदम बेहद राहत भरा साबित हुआ है। पीपलशाह में बीते 16 वर्षों से चकबंदी प्रक्रिया लंबित चल रही थी, जिससे किसानों के बीच आपसी विवाद और जमीन के सीमांकन की समस्याएं बनी हुई थीं। प्रशासन के कड़े प्रयासों के बाद आखिरकार उत्तर प्रदेश जोत चकबंदी अधिनियम की धारा-52(1) के तहत पीपलशाह गांव की चकबंदी प्रक्रिया को विधिवत रूप से समाप्त (निस्तारित) कर दिया गया है। इससे गांव के किसानों के भूमि संबंधी विवाद हल हो गए हैं और उन्हें अपनी जमीनों पर स्पष्ट अधिकार व राहत मिली है। हालांकि सबसे पुराना 35 वर्ष से लंबित मामला मैनपुरी के भांती गांव का है। चकबंदी आयुक्त डॉ. हृषिकेश भास्कर यशोद के निर्देश पर कार्रवाई करते हुए उत्तर प्रदेश जोत चकबंदी अधिनियम की धारा-6(1) के तहत 6 जिलों के 13 गांवों को चकबंदी प्रक्रिया से बाहर कर दिया गया है। इन गांवों में विभिन्न तकनीकी और व्यावहारिक कारणों से चकबंदी प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ पा रही थी। इनमें बिजनौर के हसनअलीपुर व बैबलवाला, लखनऊ के शिवपुरी गांव (12 वर्ष), बरेली के कादरगंज गांव (10 वर्ष), मैनपुरी के भांती (35 वर्षों से लंबित), बदायूं के सिरतौल(14 वर्ष), बक्सेना व इमलिया गांव के अलावा उन्नाव के दरौली, पीखी, सर्लीद और निहालपुर (12 वर्ष) शामिल हैं। राज्य सरकार के इस कदम से किसानों को सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि वे अपनी जोत (जमीन) का उपयोग बिना किसी कानूनी बाधा के कर सकेंगे।

ककरौली के बेहड़ा सादात में बंद मकान से 8 लाख की नकदी और गहने चोरी: जंगल में पडे मिले खाली संदूक

पुलिस सीसीटीवी खंगालने में जुटी, गांव में दहशत का माहौल

मोरना (मुजफ्फरनगर)। ककरौली थाना क्षेत्र के गांव बेहड़ा सादात में बीती देर रात अज्ञात शातिर चोरों ने एक बंद मकान को निशाना बनाते हुए चोरी की बड़ी वारदात को अंजाम दिया। चोरों ने कमरे का ताला तोड़कर भीतर रखे संदूकों से 8 लाख रुपये की नकदी और करीब 2 लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के कीमती आभूषण पार कर दिए। इस घटना की भनक लगते ही पूरे गांव में हड़कम्प मच गया और ग्रामीणों के बीच भारी दहशत फैल गई।

टीनशेड में सो रहे थे गृहस्वामी, आधी रात को खुली नींद तो उड़े होश

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ककरौली थाना क्षेत्र के गांव बेहड़ा सादात के निवासी पीड़ित हाजी शरीफ पुलिस को घटना कीजानकारी देते हुए बताया कि उनके मुख्य मकान की छत काफी कमजोर हो चुकी है, जिसके चलते वे सुरक्षा के लिहाज से वह अपनी पत्नी रशीदन के साथ मकान के ठीक बगल में पशुओं के लिए बनाए गए टीनशेड में सोते हैं। शुक्रवार की देर रात करीब दो बजे जब उनकी पत्नी रशीदन की नींद खुली तो उन्होंने देखा कि मुख्य मकान के कमरे का कुंडा और ताला टूटा पड़ा था। जब उन्होंने कमरे के भीतर जाकर देखा तो वहां रखे दो छोटे संदूक गायब थे। गन्ने के खेत में टूटे मिले खाली संदूक

गृहस्वामी हाजी शरीफ के अनुसार, गायब हुए संदूकों में उनकी जीवन भर की कमाई रखी हुई थी। संदूकों में लगभग 8 लाख रुपये नकद, करीब 2 लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के गहने रखे हुए थे। घटना के बाद आसपास तलाश करने पर घर से कुछ ही दूरी पर स्थित गन्ने के खेत में दोनों खाली संदूक पड़े मिले, जिनके ताले टूटे हुए थे और सारा सामान गायब था।

सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

घटना की सूचना तुरंत ककरौली थाना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुंचा और घटनास्थल का मुआयना करते हुए साक्ष्य जुटाए। पीड़ित हाजी शरीफ ने अज्ञात चोरों के खिलाफ थाने में तहरीर देकर सख्त कार्रवाई की मांग की है।मामले की जानकारी देते हुए क्षेत्राधिकारी (सीओ) राधारमण सिंह ने बताया कि चोरी की घटना संज्ञान में आई है और पुलिस टीम मौके पर जांच-पड़ताल कर रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। जल्द ही चोरों को चिह्नित कर घटना का सफल अनावरण किया जाएगा।

नगर पालिका कन्या इंटर कॉलेज में चित्रकला व भाषण प्रतियोगिता: नपा अध्यक्ष ने छात्राओं को किया प्रेरित

छात्राओं ने दिखाई अपनी रचनात्मक प्रतिभा

मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर के नगर पालिका कन्या इंटर कॉलेज में शनिवार को 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जीवन और उनके राष्ट्र-निर्माण से जुड़े कार्यों पर आधारित चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। कक्षा 6 से 12वीं तक की छात्राओं ने इस कार्यक्रम में बड़े उत्साह के साथ भाग लेते हुए अपनी रचनात्मकता, अभिव्यक्ति क्षमता और बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में मुजफ्फरनगर नगर पालिका अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।

दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ कार्यक्रम का शुभारंभ

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इसके पश्चात विद्यालय की प्रधानाचार्या सुमित्रा सिंह ने मुख्य अतिथि व अन्य अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम की नोडल अधिकारी प्रीति सारस्वत ने आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए प्रतियोगिताओं के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इस तरह की प्रतियोगिताओं का मुख्य उद्देश्य छात्राओं में रचनात्मक सोच, देश-प्रेम और सामाजिक सरोकारों के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना है।

प्रदर्शनी में झलकी छात्राओं की रचनात्मकता

प्रतियोगिता के दौरान छात्राओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जीवन-वृत्त, उनके व्यक्तित्व, सामाजिक अभियानों और देश के विकास से जुड़े विभिन्न पहलुओं को अपने बनाए चित्रों और भाषणों के जरिए प्रभावशाली ढंग से पेश किया। छात्राओं द्वारा बनाई गई चित्रकला सामग्री की एक विशेष प्रदर्शनी भी लगाई गई। मुख्य अतिथि मीनाक्षी स्वरूप और अन्य अतिथियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया और छात्राओं द्वारा उकेरे गए चित्रों की मुक्तकंठ से सराहना करते हुए उनकी रचनात्मक सोच को प्रोत्साहित किया।

छात्राओं को समझना होगा सामाजिक उत्तरदायित्व

कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप ने कहा कि विद्यार्थियों की प्रतिभा को सही मंच प्रदान करना उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने का सबसे सशक्त माध्यम है। चित्रकला और भाषण जैसी रचनात्मक गतिविधियाँ छात्राओं को अपनी सोच और विचारों को प्रभावी ढंग से व्यक्त करने का अवसर देती हैं। राष्ट्र का विकास केवल सरकार या किसी एक व्यक्ति के प्रयास से संभव नहीं है, बल्कि इसके लिए समाज के प्रत्येक वर्ग की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। इस अवसर पर पालिका सभासद मनोज वर्मा और राजीव शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

उत्साहवर्धन के साथ समापन

कार्यक्रम के अंत में अतिथियों ने सभी प्रतिभागी छात्राओं के प्रयासों की सराहना की और उन्हें भविष्य में भी इसी तरह की शैक्षिक, सांस्कृतिक व साहित्यिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान विद्यालय का समस्त शिक्षण एवं गैर-शिक्षण स्टाफ मौजूद रहा।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि की मुक्ति के लिए आंदोलन का ऐलान, मुजफ्फरनगर से मथुरा तक निकलेगी हिन्दू जन जागरण यात्रा

अखिल भारत हिंदू महासभा और अंतर्राष्ट्रीय संत महासभा की संयुक्त प्रेसवार्ता में 27 अक्टूबर को मथुरा पहुंचने का कार्यक्रम घोषित, संत समाज और हिन्दू संगठनों को जोड़ने की तैयारी

मुजफ्फरनगर। अखिल भारत हिंदू महासभा एवं अंतर्राष्ट्रीय संत महासभा के पदाधिकारियों ने मीडिया सेंटर में पत्रकारों से वार्ता करते हुए श्रीकृष्ण जन्मभूमि को लेकर आंदोलन की घोषणा की। संयुक्त प्रेसवार्ता में पदाधिकारियों ने कहा कि श्रीकृष्ण जन्मभूमि को लेकर व्यापक जनजागरण अभियान चलाया जाएगा और इसके लिए उत्तर प्रदेश से लेकर देशभर के सनातन समाज को जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। अंतर्राष्ट्रीय संत महासभा के मुख्य संरक्षक एवं अखिल भारत हिंदू महासभा उच्चाधिकारी समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष हिंदू पीठाधीश्वर आचार्य मदन जी महाराज तथा संत महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष महामंडलेश्वर हर मनोज दास ने संयुक्त बयान में कहा कि श्रीकृष्ण जन्मभूमि के संबंध में श्रीराम जन्मभूमि की तरह आंदोलन की आवश्यकता है। उन्होंने श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर मंदिर निर्माण के लिए कारसेवा अभियान शुरू करने की घोषणा की। पदाधिकारियों ने कहा कि प्रस्तावित अभियान में सबसे पहले उत्तर प्रदेश के लोगों को जोड़ा जाएगा। इसके बाद देशभर के सनातन समाज को अभियान से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण जन्मभूमि से जुड़े विवाद का समाधान न्यायिक और आंदोलनात्मक स्तर पर आगे बढ़ाने के लिए संगठन लगातार प्रयास करेगा। अखिल भारत हिंदू महासभा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष योगेंद्र वर्मा और उत्तर भारत अध्यक्ष चिराग सिंह ने पत्रकारों को बताया कि अक्टूबर 2026 में मुजफ्फरनगर से मथुरा तक हिन्दू जन जागरण यात्रा आयोजित की जाएगी। प्रस्तावित यात्रा मुजफ्फरनगर से शुरू होकर मेरठ, बुलंदशहर और अलीगढ़ होते हुए मथुरा पहुंचेगी। पदाधिकारियों के अनुसार 27 अक्टूबर को अखिल भारत हिंदू महासभा और अंतर्राष्ट्रीय संत महासभा के पदाधिकारी मथुरा पहुंचकर श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर के दर्शन और पूजा-अर्चना करेंगे। इसके बाद आंदोलन को आगे बढ़ाने को लेकर संत समाज और विभिन्न संगठनों के साथ बैठक का कार्यक्रम रखा गया है। हिंदू पीठाधीश्वर आचार्य मदन जी महाराज ने बताया कि 27 अक्टूबर को मथुरा पहुंचने के बाद श्रीकृष्ण जन्मभूमि की मुक्ति और न्यायालय में हिंदू पक्ष की स्थिति को लेकर मथुरा, वृंदावन, बरसाना, गोकुल और गोवर्धन क्षेत्र के वैष्णव आचार्यों एवं साधु-संतों के साथ बैठक की जाएगी। उनके मुताबिक बैठक में संत समाज के प्रतिनिधियों के साथ न्यायालय में हिंदू पक्ष से जुड़े याचिकाकताओं को भी शामिल किया जाएगा। प्रेसवार्ता में बताया गया कि बैठक के दौरान आंदोलन की आगे की रणनीति पर विचार किया जाएगा। इसके साथ ही अभियान को अखिल भारतीय स्तर पर सक्रिय करने के लिए रूपरेखा तैयार किए जाने की बात कही गई। संत महासभा के पदाधिकारियों ने आंदोलन में संत समाज की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। महामंडलेश्वर हर मनोज दास ने आंदोलन को लेकर कहा कि अब व्यापक स्तर पर अभियान चलाने की तैयारी है।

मुजफ्फरनगर एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने किए कई थाना प्रभारियों के तबादले, रतनपुरी, मीरापुर और सिविल लाइन थाने को मिले नए प्रभारी, राजीव शर्मा को लाइन भेजा

मुजफ्फरनगर। जनपद की कानून-व्यवस्था को लेकर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा ने देर रात कई थाना प्रभारियों के तबादले किए हैं। तबादला आदेश के तहत रतनपुरी, मीरापुर और सिविल लाइन थानों में नई तैनाती की गई है। पुलिस विभाग में हुए इन फेरबदल के बाद संबंधित थाना प्रभारियों ने नई जिम्मेदारियों की ओर कदम बढ़ा दिया है।

तबादला सूची के अनुसार महावीर सिंह चौहान को रतनपुरी थाने का नया थाना प्रभारी बनाया गया है। रतनपुरी थाना प्रभारी रहे राकेश कुमार को अपराध शाखा भेजा गया है। वहीं इंद्रजीत सिंह को मीरापुर थाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। मीरापुर थाना प्रभारी रहे राजीव शर्मा का गैर जनपद स्थानांतरण होने के चलते उन्हें लाइन भेजा गया है। इसके अलावा रघुराज सिंह को सिविल लाइन थाने का नया थाना प्रभारी नियुक्त किया गया है।

एसएसपी संजय कुमार वर्मा द्वारा किए गए इस पुलिस फेरबदल को जनपद की पुलिस व्यवस्था में बदलाव के तौर पर देखा जा रहा है। नई तैनातियों के साथ अधिकारियों के सामने अपने-अपने थाना क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और पुलिसिंग को प्रभावी बनाने की जिम्मेदारी होगी।

मुजफ्फरनगर में राधा अष्टमी पर धूमधाम से निकली रथ यात्रा: आरती से हुआ राधा-कृष्ण का स्वागत, उमड़ा आस्था का जनसैलाब

शहर में जगह-जगह भंडारे और हजारों श्रद्धालुओं ने लिया धर्मलाभधाराओं में दर्ज किया केस, मामले की जांच शुरू

मुजफ्फरनगर। नगर में राधा अष्टमी का पावन पर्व अत्यंत श्रद्धा, उल्लास और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। इस शुभ अवसर पर गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी प्रातःकाल श्री श्यामाश्याम मंदिर प्रांगण से एक विशाल एवं भव्य रथ यात्रा का शुभारंभ हुआ। भगवान श्री राधा-कृष्ण के जयकारों और भजनों की गूंज के साथ शुरू हुई यह रथ यात्रा गांधीनगर के मुख्य मार्गों एवं विभिन्न क्षेत्रों से होकर गुजरी, जिसका शाम को पुनः मंदिर प्रांगण पहुंचकर भावपूर्ण समापन हुआ। रथ यात्रा में मुजफ्फरनगर नगर क्षेत्र एवं आसपास की कॉलोनियों से आए हजारों भक्तजनों ने भाग लिया। शहर में जगह-जगह लगे छप्पन भोग और भंडारे

रथ यात्रा मार्ग पर श्रद्धालुओं और स्थानीय निवासियों का उत्साह देखते ही बन रहा था। पूरी यात्रा के दौरान मार्ग में स्थान-स्थान पर भक्तों द्वारा भव्य स्वागत द्वार बनाए गए थे तथा श्रद्धालुओं के लिए जलपान एवं प्रसाद के व्यापक इंतजाम किए गए थे। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर चाय-पकौड़ी, कोल्डड्रिंक और आइसक्रीम के स्टॉल लगाए गए थे। कड़ी-चावल, हलवा-पूरी एवं विविध व्यंजनों के भंडारे वितरित किए गए। गली-मोहल्लों में घरों के बाहर महिलाओं ने पलक-पावड़े बिछाकर श्री राधा रानी और कान्हा जी के रथ का स्वागत किया। महिलाओं एवं परिजनों ने भक्तिभाव से आरती उतारी और बाल-गोपाल को भोग लगाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। पूरे दिन नगर का माहौल 'राधे-राधे' के भजनों से गुंजायमान रहा।

गणमान्य जनों ने की शिरकत

इस पावन अवसर पर शासन-प्रशासन एवं समाज के अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने रथ यात्रा में उपस्थित होकर भगवान के दर्शन किए और पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की समृद्धि की कामना की। रथ यात्रा के दौरान मुख्य रूप से पंडित जगमोहन भारद्वाज, हंसराज भारद्वाज, हरीश गोयल, आदित्य अग्रवाल, समाजसेवी नीति अग्रवाल, विशाल गर्ग, मनोज अग्रवाल, अमरनाथ, संजय गर्ग, आशु भारद्वाज सहित भारी संख्या में श्रद्धालु एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

संपादकीय

तेल पर अमेरिका का दबाव, भारत के सामने फिर खड़ा हुआ शुल्क-युद्ध का खतरा

नई दिल्ली में ब्रिक्स सम्मेलन के बाद भारत के सामने संभावनाएं और विकल्प के नए रास्ते खुल रहे हैं। ऐसे में बेहतर हो कि अमेरिका अपनी शुल्क-नीति के सहारे टकराव के नए मोर्चे खोलने के बजाय अंतरराष्ट्रीय सहयोग का साझीदार बने। कुछ समय की नरमी के बाद अमेरिका ने एक बार फिर से आर्थिक मोर्चे पर अपनी मनमानी का रुख अख्तियार कर लिया लगता है। हालांकि यह समझना मुश्किल है कि मौजूदा भू-राजनीतिक दौर में जब दुनिया बहुध्रुवीय हो रही है, अमेरिका आखिर क्यों यह चाहता है कि कोई देश उसके प्रभाव में खुद को समेट कर रखे और दूसरी ओर न देखे, भले ही इस क्रम में उसे अमेरिका पर पूरी तरह निर्भर होना पड़े।यह बेवजह नहीं है कि उसकी मनमर्जी को ज्यों का त्यों स्वीकार करने के बजाय कुछ देश अब अपना वैकल्पिक रास्ता भी तैयार रखना चाहते हैं। भारत भी वैसे देशों में एक है, जिसे अमेरिका ने पिछले साल शुल्क दरें बढ़ा कर अपने प्रभाव में लाने और वहीं सीमित रखने की कोशिश की थी, लेकिन भारत ने अपने विवेक का सहारा लेकर वैकल्पिक मोर्चे तैयार रखे और इसी वजह से उसे विपरीत हालात से निपटने में मदद भी मिली।मगर यह भी सच है कि जिन चुनौतियों से सहजता के साथ निपटा जा सकता है, ऐसी स्थिति में उनसे पार पाने में अतिरिक्त ऊर्जा और संसाधन खर्च करने की जरूरत पड़ती है।गौरतलब है कि अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर सौ फीसद शुल्क लगाने की ओर कदम बढ़ाए हैं। दरअसल, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को रूस पर प्रतिबंध लगाने के साथ-साथ भारत और चीन जैसे उसके तेल एवं गैस के व्यापारिक साझेदार देशों पर भारी शुल्क लगाने का अधिकार देने के लिए अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने 'लिंडसे ओ ग्राहम सैंक्शनिंग रूस एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026' विधेयक पारित किया है। अमेरिकी सीनेट इसे पिछले महीने ही पारित कर चुकी है। ट्रंप अगर इस पर हस्ताक्षर कर देते हैं, तो उसके बाद यह कानून बन जाएगा।यानी ट्रंप के हाथ अब एक ऐसा हथियार है, जिसके जरिए वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जब चाहें, शुल्क-युद्ध शुरू कर सकते हैं या उसे किसी खास देश को अपने प्रभाव में लाने के लिए इस्तेमाल में ला सकते हैं। पिछले साल अगस्त में भी अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने के सवाल पर भारत पर पचास फीसद तक का शुल्क लगा दिया था, लेकिन एक व्यापारिक समझौते के तहत अतिरिक्त शुल्क को फरवरी 2026 में हटा लिया गया था।अब फिर से इस बात की आशंका खड़ी हो रही है कि अमेरिका में अगर यह कानून अमल में आ जाता है, तो वह रूस से तेल खरीद के सवाल पर भारत और चीन पर नए सिरे से शुल्क लगाने और अपनी मनमानी थोपने की कोशिश कर सकता है। हालांकि भारत ने इस बार यह स्पष्ट कर दिया है कि वह अमेरिका की मनमर्जी के प्रभाव में आने के बजाय अपने नागरिकों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था में यूपीआई केवल भुगतान का माध्यम नहीं रह गया है, बल्कि वह रोजमर्रा के आर्थिक व्यवहार का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। सब्जी वाले से लेकर बड़े कारोबारी तक, टैक्सी से लेकर ऑनलाइन खरीदारी तक और घरेलू लेन-देन से लेकर व्यावसायिक भुगतान तक-यूपीआई ने पैसे के लेन-देन की आदत, गति और भाषा तीनों बदल दी हैं। ऐसे में यूपीआई से जुड़े शुल्क की व्यवस्था केवल बैंकिंग या फिनटेक कंपनियों का कारोबारी विषय नहीं है, बल्कि इसका सीधा संबंध उपभोक्ता की आदत, छोटे व्यापार की लागत और भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था की दिशा से है। यहां एक तथ्यात्मक स्थिति स्पष्ट करना जरूरी है। सितंबर 2026 में सरकार ने जो नया ढांचा स्पष्ट किया है, उसके अनुसार व्यक्ति से व्यक्ति यानी पी2पी को यूपीआई भुगतान किसी भी राशि पर निःशुल्क रहेगा। रू.2,000 तक के व्यापारी भुगतान पर भी एमडीआर नहीं है।

यूपीआई शुल्क: सुविधाओं का विस्तार या उपभोक्ता पर बोझ?

(ललित गर्ग)

फिर भी इस बदलाव को केवल 'शुल्क लगा या नहीं लगा' के प्रश्न तक सीमित करना उचित नहीं होगा। असली सवाल यह है कि डिजिटल भुगतान व्यवस्था को लंबे समय तक टिकाऊ कैसे बनाया जाए और उसकी लागत किसके हिस्से में जाए। यूपीआई की सफलता का सबसे बड़ा कारण उसकी सरलता और लगभग बिना लागत की अनुभूति रही है।

भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था में यूपीआई केवल भुगतान का माध्यम नहीं रह गया है, बल्कि वह रोजमर्रा के आर्थिक व्यवहार का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। सब्जी वाले से लेकर बड़े कारोबारी तक, टैक्सी से लेकर ऑनलाइन खरीदारी तक और घरेलू लेन-देन से लेकर व्यावसायिक भुगतान तक-यूपीआई ने पैसे के लेन-देन की आदत, गति और भाषा तीनों बदल दी हैं। ऐसे में यूपीआई से जुड़े शुल्क की व्यवस्था केवल बैंकिंग या फिनटेक कंपनियों का कारोबारी विषय नहीं है, बल्कि इसका सीधा संबंध उपभोक्ता की आदत, छोटे व्यापार की लागत और भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था की दिशा से है। यहां एक तथ्यात्मक स्थिति स्पष्ट करना जरूरी है। सितंबर 2026 में सरकार ने जो नया ढांचा स्पष्ट किया है, उसके अनुसार व्यक्ति से व्यक्ति यानी पी2पी को यूपीआई भुगतान किसी भी राशि पर निःशुल्क रहेगा। रू.2,000 तक के व्यापारी भुगतान पर भी एमडीआर नहीं है। रू.2,000 से अधिक के कुछ पी2एम यानी ग्राहक से व्यापारी भुगतान पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर का प्रावधान किया गया है और रू.75,000 या उससे अधिक के लेन-देन पर प्रति लेन-देन अधिकतम रू. 300 की सीमा रखी गई है। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि यह शुल्क ग्राहक से सीधे वसूल किया जाने वाला लेन-देन शुल्क नहीं है, बल्कि व्यापारी-पक्ष का एमडीआर है।

फिर भी इस बदलाव को केवल 'शुल्क लगा या नहीं लगा' के प्रश्न तक सीमित करना उचित नहीं होगा। असली सवाल यह है कि डिजिटल भुगतान व्यवस्था को लंबे समय तक टिकाऊ कैसे बनाया जाए और उसकी लागत किसके हिस्से में जाए। यूपीआई की सफलता का सबसे बड़ा कारण उसकी सरलता और लगभग बिना लागत की अनुभूति रही है। अगस्त 2026 में यूपीआई पर करीब 24.51 अरब लेन-देन हुए, जिनका कुल मूल्य लगभग रू.29.82 लाख करोड़ रहा। यह आंकड़ा बताता है कि यूपीआई अब किसी वैकल्पिक भुगतान माध्यम की श्रेणी में नहीं, बल्कि भारत के आर्थिक जीवन के बुनियादी ढांचे में शामिल हो चुका है। यूपीआई के इस विस्तार के पीछे एक मनोवैज्ञानिक परिवर्तन भी हुआ है। लोगों ने डिजिटल भुगतान को केवल सुविधा नहीं, स्वाभाविक व्यवहार मान लिया है। पहले दस रुपये, पचास रुपये या सौ रुपये के लिए जेब से नकद निकालना सामान्य थाय आज वही भुगतान मोबाइल से कुछ सेकंड में हो जाता है। जब कोई सेवा वर्षों तक निःशुल्क उपलब्ध रहती है तो उपभोक्ता उसके पीछे मौजूद तकनीकी, बैंकिंग और साइबर-सुरक्षा लागत को लगभग भूल जाता है। इसलिए बाद में किसी प्रकार का शुल्क या लागत सामने आने पर स्वाभाविक रूप

से असहजता पैदा होती है।

यहीं आधुनिक बाजार व्यवस्था की एक बड़ी विसंगति दिखाई देती है। अनेक डिजिटल और उपभोक्ता सेवाएं पहले मुफ्त, अत्यंत सस्ती या भारी छूट के साथ उपलब्ध कराई जाती हैं। उपभोक्ता को उस सुविधा का अभ्यस्त बनाया जाता है, बाजार में उसका व्यवहार बदलता है और प्रतिस्पर्धियों को पीछे छोड़ने के बाद लागत की नई संरचना सामने आती है। ओला-उबर जैसी सेवाओं से लेकर ऑनलाइन व्यापार, डिजिटल सदस्यता और विभिन्न प्लेटफॉर्म सेवाओं तक इस मॉडल के अलग-अलग रूप दिखाई देते हैं। यह कहना उचित नहीं होगा कि हर मामले में यही रणनीति अपनाई जाती है, लेकिन उपभोक्ता के दृष्टिकोण से प्रश्न महत्वपूर्ण है-यदि किसी सेवा की दीर्घकालिक लागत है तो उसकी जानकारी शुरुआत से स्पष्ट क्यों न हो? यूपीआई के मामले में यह प्रश्न और गंभीर है क्योंकि इसके उपयोगकर्ता केवल शहरी मध्यमवर्ग नहीं हैं। छोटे दुकानदार, स्ट्रीट वेंडर, घरेलू उद्यमी, ग्रामीण उपभोक्ता और पहली बार बैंकिंग व्यवस्था से जुड़े लोग भी इसके बड़े हिस्से हैं। सरकार की 2025 की प्रोत्साहन योजना में भी छोटे व्यापारियों के रू.2,000 तक के भीम-यूपीआई भुगतान को शून्य एमडीआर के दायरे में रखते हुए रू.1,500 करोड़ का प्रावधान किया गया था। इसका उद्देश्य छोटे व्यापारियों के बीच डिजिटल भुगतान को बढ़ाना और भुगतान ढांचे को मजबूत करना था।

इसलिए शुल्क की किसी भी व्यवस्था का पहला सिद्धांत होना चाहिए-छोटे भुगतान और छोटे कारोबार की रक्षा। रू.100, रू.500 या रू.1,000 के भुगतान पर लागत बढ़ाने वाला मॉडल डिजिटल समावेशन की भावना के विपरीत जा सकता है। इसके विपरीत बड़े व्यावसायिक भुगतान से जुड़ी लागत को अलग तरीके से देखा जा सकता है, बशर्ते शुल्क पारदर्शी, सीमित और पूर्व घोषित हो तथा उसका भार अनुचित रूप से ग्राहक पर न डाला जाए। यहां डेबिट और क्रेडिट कार्ड का उदाहरण भी महत्वपूर्ण है। यूपीआई के व्यापक प्रसार ने कार्ड भुगतान को रोजमर्रा के छोटे भुगतानों में पीछे धकेला है। यदि यूपीआई के कुछ बड़े व्यापारी लेन-देन पर लागत बढ़ती है तो कुछ कारोबारी वैकल्पिक भुगतान माध्यमों की ओर देख सकते हैं। कार्ड, नेट बैंकिंग, वॉलेट या अन्य डिजिटल माध्यम फिर कुछ क्षेत्रों में अधिक सक्रिय हो सकते हैं। इससे भुगतान बाजार में विविधता बढ़ सकती है, लेकिन यदि उपभोक्ता को हर माध्यम में अलग-अलग शुल्क, सुविधा और शर्तों का सामना करना पड़े तो डिजिटल भुगतान की सरलता कमजोर भी हो सकती है। इसलिए प्रतिस्पर्धा का उद्देश्य केवल माध्यम बदलना नहीं, बल्कि उपभोक्ता को बेहतर विकल्प देना होना चाहिए।

दूसरी ओर यूपीआई को मुफ्त बनाए रखने की भी कीमत है। भुगतान प्रणाली को चौबीसों घंटे चलाने के लिए बैंकिंग सर्वर, डेटा सेंटर, साइबर सुरक्षा, धोखाधड़ी रोकने वाली प्रणालियां, ग्राहक सहायता और तकनीकी उन्नयन पर लगातार खर्च होता है। जैसे-जैसे लेन-देन बढ़ते हैं, वैसे-वैसे विश्वसनीयता और क्षमता पर निवेश की आवश्यकता भी बढ़ती है। सरकार की 2025 की योजना में भी तकनीकी विफलताओं को घटाने और सिस्टम अपटाइम सुधारने को प्रोत्साहन से जोड़ा गया था। इसलिए सवाल यह नहीं होना चाहिए कि यूपीआई की हर सेवा हमेशा मुफ्त रहे या नहीं, सवाल यह होना चाहिए कि उसकी लागत का न्यायपूर्ण और पारदर्शी वितरण कैसे हो। सरकार, बैंक, फिनटेक कंपनियां और भुगतान नेटवर्क यदि इस व्यवस्था से आर्थिक लाभ लेते हैं तो उन्हें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि सुरक्षा, विश्वसनीयता और नवाचार पर पर्याप्त निवेश हो। शुल्क का उद्देश्य केवल राजस्व जुटाना नहीं, बल्कि बेहतर डिजिटल भुगतान व्यवस्था के निर्माण से जुड़ा होना चाहिए।

सबसे महत्वपूर्ण बात उपभोक्ता विश्वास की है। डिजिटल अर्थव्यवस्था विश्वास पर चलती है। यदि आज किसी सेवा को 'मुफ्त' बताया जाए और कल अचानक उसकी लागत सामने आए, तो उपभोक्ता में अविश्वास पैदा हो सकता है। इसलिए भविष्य में किसी भी डिजिटल भुगतान व्यवस्था की शुरुआत करते समय उसकी संभावित लागत, शुल्क संरचना और उसे लागू करने की परिस्थितियां पहले से स्पष्ट होनी चाहिए। उपभोक्ता को यह पता होना चाहिए कि कौन-सी सेवा निःशुल्क है, किस पर लागत है, लागत कौन वहन करेगा और उसका अधिकतम स्तर क्या होगा। भारत तेजी से डिजिटल अर्थव्यवस्था का विस्तार कर रहा है। ऐसे समय में यूपीआई की सफलता को केवल लेन-देन की संख्या से नहीं, बल्कि उसकी स्थिरता, सुरक्षा, पहुंच और उपभोक्ता विश्वास से मापना होगा। भारत की विकास-आकांक्षाओं के लिए उत्पादकता, नवाचार और मजबूत डिजिटल आधारभूत ढांचा महत्वपूर्ण हैं, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष भी भारत की उत्पादकता और नवाचार क्षमता को दीर्घकालिक विकास से जोड़ता है।

यूपीआई शुल्क की बहस इसलिए वास्तव में 'शुल्क बनाम मुफ्त' की बहस नहीं है। यह उस आर्थिक दर्शन की परीक्षा है जिसमें डिजिटल सुविधा आम आदमी तक सस्ती, सरल और सुरक्षित रूप में पहुंचती है। छोटे भुगतान मुफ्त रहें, छोटे व्यापारियों पर अनावश्यक भार न पड़े, बड़े व्यावसायिक लेन-देन में लागत की तार्किक व्यवस्था हो, शुल्क की जानकारी पहले से सार्वजनिक हो और उससे प्राप्त संसाधन भुगतान प्रणाली की सुरक्षा व क्षमता बढ़ाने में लगें, ऐसा संतुलन ही टिकाऊ रास्ता हो सकता है। भारत को डिजिटल भुगतान का विस्तार रोकना नहीं, बल्कि उसकी अगली पीढ़ी तैयार करनी है। यूपीआई की सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि उसने भुगतान को बैंक की शाखा और बटुए की सीमा से निकालकर मोबाइल की स्क्रीन तक पहुंचा दिया। अब अगली चुनौती यह है कि यह सुविधा आर्थिक रूप से टिकाऊ भी रहे और आम उपभोक्ता के लिए सहज भी। दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की आकांक्षा रखने वाले भारत में डिजिटल भुगतान केवल तकनीक नहीं, आर्थिक जीवन की धड़कन है। इसलिए इसकी कीमत तय करते समय बाजार की कमाई से अधिक महत्वपूर्ण होना चाहिए-'उपभोक्ता का विश्वास, छोटे कारोबार की क्षमता और डिजिटल भारत की दीर्घकालिक विश्वसनीयता।'लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

सवाल से नहीं, जवाब के लहजे से बिगड़ रहे हैं रिश्ते

(अनिता वर्मा)

आज भौतिकवादी दौड़ में सब चले जा रहे हैं, कोई किसी को सुनना नहीं चाहता। सब आत्मकेंद्रित होकर स्वयं को सही मानकर चले जा रहे हैं।

प्रश्नाकुलता जीवंतता की निशानी कही जा सकती है। प्रश्न करना बौद्धिक मंथन का पर्याय है। प्राचीन समय से ही प्रश्न जीवन यात्रा के अहम पड़ाव रहे हैं। जीवन और उसके आसपास के परिवेश पर चिंतन-मंथन हमें प्रश्नाकुल बनाता है। लोक जीवन में व्याप्त पहेलियों के जन्म का मूल भी यही रहा है। मानव सदैव से जिज्ञासु है।

वह वैसा सब जानना चाहता है, जिनसे वह अनभिज्ञ है, जो उसके भीतर द्वंद्व पैदा करता है, व्याकुल बनाता है, लेकिन आज प्रश्न केवल प्रश्न नहीं रहे। वे प्रतिप्रश्न के साथ जुड़कर संवाद की दिशा बदल रहे हैं। फिर प्रतिप्रश्न का लहजा, बोलने का ढंग, तरीका इतना अजीब है कि ये परिवार, रिश्तों, दोस्तों के बीच गहरी खाई बनते जा रहे हैं।

आज भौतिकवादी दौड़ में सब चले जा रहे हैं, कोई किसी को सुनना नहीं चाहता। सब आत्मकेंद्रित होकर स्वयं को सही मानकर चले जा रहे हैं।

प्रारंभ से ही प्रश्न के मूल आधार शब्द क्यों, कब, कैसे रहे हैं। इनके जवाब भी तसल्ली और शालीनता से दिए जाते रहे हैं, पर इन दिनों संवाद शैली में परिवर्तन स्पष्ट दिखाई दे रहा है। आपसी बातचीत और संवाद की शैली ही मानो बदल गई है। सब ओढ़ी हुई व्यस्तता में मस्त हैं। कुछ उदाहरण यहां उल्लेखनीय हैं। दो मित्रों की बातचीत है। एक मित्र- 'क्या बात है बहुत दिनों से दिखे नहींज न तो फोन उठाते हो न जवाब देते हैं?' प्रत्युत्तर में मित्र ने कहा- 'हां, तो क्या हो गया? अब कह लो, क्या कहना है! कभी व्यस्तता के चलते हो जाता है।'

हालांकि जिन्हें घनिष्ठ मित्रों या परिवार जन से सामंजस्य बनाकर चलना होता है, या कहें संबंधों को आगे तक बनाए रखने का मन होता है, वे इसे अनदेखा करते हुए आगे बढ़ जाते हैं। मगर किया गया प्रतिप्रश्न सामने वाले को भीतर तक आहत तो अवश्य करता है। स्वस्थ रिश्ते मरने लग जाते हैं।

इसीलिए कहा गया है कि बातचीत करना भी एक कला है। भागदौड़ भरे जीवन में मनुष्य यह महसूस नहीं कर पाता कि ऐसे कटु संवाद और व्यवहार से वह क्या खोता चला जा रहा है और एक दिन यही उसके तनाव, अंतर्द्वंद्व, अवसाद का प्रमुख कारण बन जाते हैं। रोजाना सड़क पर चलते हुए, आस-पड़ोस, गली-मोहल्ले में ऐसे दृश्य दिखाई देते हैं, जहां बोलना जरूरी होता है, पर सब चुप्पी लगाए रहते हैं। उनका कहना है कि कौन आफत मोल ले।

एक व्यक्ति ने अपने पड़ोसी से सिर्फ इतना कहा कि 'गली में गाड़ी जरा धीरे चलाओ.. ये अपना साइलेंसर ठीक करा लो। रोज इतना शोर होता हैज छोटे बच्चे भी गली में हैं!' जवाब मिलता है- 'हां तो? गली में आना-जाना क्या बंद कर दें?' बस यही 'हां तो' का लहजा इतना तकलीफदेह होता है कि वाद-विवाद शुरू हो जाता है। हाथापाई होने लगती है और चारों तरफ तमाशबीन एकत्र हो जाते हैं।

आज कई घरों में भी प्रश्न और प्रतिप्रश्न के बीच संवाद कब टकराहट में बदल जाता है, पता ही नहीं चलता। तर्क तो ठीक है, पर कुतर्क हमेशा विवाद और बहस को जन्म देते हैं। उसका प्रभाव देर तक मस्तिष्क पर रहता है, जो संबंधों में तनाव और अलगाव की स्थिति पैदा करता है। जब तक हम चुप रहते हैं, किसी की गलती को इंगित नहीं करते, तब तक सब ठीक चलता रहता है। बोलते ही उलटा वार शुरू हो जाता है।

आज परिवेश बदल रहा है। प्रत्येक व्यक्ति ज्ञान से समृद्ध है, पर यह ज्ञान कहां और कब प्रयुक्त करना है, इसका अभाव ही विवाद को जन्म देता है। भावों का संप्रेषण सही न होने पर भी स्थितियां विकट हो जाती हैं। कई बार मोबाइल पर किए संवाद आग में घी का काम करते हैं। बात करने वाले के भाव नहीं दिखते, आवाज सुनाई देती है। यहीं पर अनेक प्रश्न उठ खड़े होते हैं।

हमेशा प्रश्नात्मक बने रहना भी उचित नहीं रहता। सहजता और सरलता भी जरूरी होती है, जिससे संवाद आनंददायक और प्रभावी बन सके। हालांकि कई बार सहजता से किए गए प्रतिप्रश्न और प्राप्त सही उत्तर उपयोगी और ज्ञानवर्धक भी सिद्ध होते हैं। मनुष्य को समृद्ध भी करते हैं। बोलने का तरीका या लहजा भी सार्थक संवाद की विशिष्टता कहे जा सकते हैं। प्रश्नाकुल बनना चाहिए, पर स्वयं को समृद्ध करने के लिए, न कि व्यर्थ की बहस में पड़ने के लिए। कई बार ऐसे दृश्य दिखाई पड़ जाते हैं कि कोई व्यक्ति गली में किसी के घर के सामने अपनी गाड़ी कुछ समय के लिए खड़ी करके कोई पता पूछ रहा हो, वहां से गुजरने वाले अन्य वाहनवाले हार्न बजा-बजा कर अहसास दिला देते हैं कि आप गलत हैं। बात सामान्य है, पर जब सामने वाले की भाव-भंगिमा से लगे कि वह कुछ देर में जाने वाला है, वह इशारा भी करे, तो भी उसे भला-बुरा कहा जाए। कई बार सिर्फ इतनी ही बात भयंकर झगड़े का कारण बन जाती है। भाषा व्यक्तित्व का प्रतिबिंब होती है। भाषा भावों की वाहिनी कही जाती है और बोला गया प्रत्येक वाक्य सामने वाले पर अपना गहरा प्रभाव छोड़ता है।

बढ़ते तापमान से खेती पर गहराता संकट, फसलों से किसानों की आय तक पर असर

संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन ने चेतावनी दी है कि उच्च तापमान सूखा, बाढ़ और मिट्टी की उर्वरता में कमी का कारण बनकर मध्य पूर्व के कई देशों में कृषि को बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचा सकता है। वहीं 'इंटरनेशनल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज' ने जून 2021 में जारी चार हजार पन्नों की रिपोर्ट में जलवायु परिवर्तन के खतरों से अवगत कराया था। इसमें अनुमान लगाया गया था कि वर्ष 2050 तक आठ करोड़ से अधिक लोग भुखमरी जैसी स्थिति का सामना कर सकते हैं। अगर वर्ष 2040 तक तापमान 1.5 डिग्री तक बढ़ता है, तो फसलों की पैदावार पर इसका गंभीर प्रभाव पड़ेगा।

(रवि शंकर)

संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन ने चेतावनी दी है कि उच्च तापमान सूखा, बाढ़ और मिट्टी की उर्वरता में कमी का कारण बनकर मध्य पूर्व के कई देशों में कृषि को बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचा सकता है।

जलवायु परिवर्तन के कारण वैश्विक ताप का खतरा लगातार बढ़ रहा है। बेशक यह मानवीय गतिविधियों का ही नतीजा है, लेकिन हम ऐसा कोई कारगर उपाय नहीं खोज पाए हैं, जो इस संकट से उबार सके। भारत में बदल रहे मौसम के मिजाज को भी जलवायु परिवर्तन से जोड़कर ही देखा जा रहा है। कभी असमय गर्मी, तो कभी अत्यधिक बारिश की घटनाएं आम हो गई हैं। देश की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने वाले मानसून की चाल भी बदल रही है। जाहिर है, इससे कृषि पर विपरीत असर पड़ रहा है। बदलते मौसम के प्रभाव से केवल फसलों का उत्पादन ही प्रभावित नहीं हो रहा, बल्कि उनकी गुणवत्ता भी कम हो रही है। यह देश की खाद्य सुरक्षा के लिए एक बड़ी चुनौती है।

संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन ने चेतावनी दी है कि उच्च तापमान सूखा, बाढ़ और मिट्टी की उर्वरता में कमी का कारण बनकर मध्य पूर्व के कई देशों में कृषि को बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचा सकता है। वहीं 'इंटरनेशनल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज' ने जून 2021 में जारी चार हजार पन्नों की रिपोर्ट में जलवायु परिवर्तन के खतरों से अवगत कराया था। इसमें अनुमान लगाया गया था कि वर्ष 2050 तक आठ करोड़ से अधिक लोग भुखमरी जैसी स्थिति का सामना कर सकते हैं। अगर वर्ष 2040 तक तापमान 1.5 डिग्री तक बढ़ता है, तो फसलों की पैदावार पर इसका गंभीर प्रभाव पड़ेगा।

इस चेतावनी को भविष्य की महज एक संभावना की तरह नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि इस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। एक ओर जलवायु परिवर्तन का प्रत्यक्ष प्रभाव कृषि उत्पादन पर पड़ा है, वहीं इसका असर किसानों की आय में कमी और अनाज की बढ़ती कीमतों के रूप में भी देखा जा रहा है।

कृषि की उत्पादकता बढ़ाने में उपजाऊ मृदा, जल, अनुकूल वातावरण और कीट-पतंगों से बचाव इत्यादि का महत्त्वपूर्ण योगदान होता है। प्रत्येक फसल को तैयार होने के लिए एक उचित तापमान, वर्षा एवं आर्द्रता की आवश्यकता होती है। इनमें से किसी एक मानक में भी परिवर्तन होने से फसलों की पैदावार प्रभावित होती है। आने वाले दिनों में देश की बढ़ती आबादी में अलग-

अलग फसलों की मांग भी बढ़ेगी, मगर जलवायु परिवर्तन इस राह में मुश्किलें पैदा कर सकता है।

लिहाजा, देश की कृषि नीति को जलवायु परिवर्तन के जोखिमों से निपटने के अनुकूल बनाना होगा और फसल उत्पादकता में सुधार तथा सुरक्षा जाल विकसित करने पर भी ध्यान केंद्रित करना होगा। वैज्ञानिक अध्ययनों के आंकड़े बताते हैं कि इस सदी के अंत तक धरती का तापमान 3.7 डिग्री से 4.8 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है, जिसका सीधा असर खाद्यान्न उत्पादन पर पड़ेगा।

उदाहरण के लिए आज जहां गेहूं, जौ, सरसों और आलू की खेती हो रही है, वहां तापमान बढ़ने से इन फसलों की खेती बाधित होगी, क्योंकि इन्हें ठंडक की जरूरत होती है। ठीक इसी तरह तापमान बढ़ने से मक्का, धान और ज्वार जैसी फसलों को नुकसान हो सकता है। इन फसलों में अधिक तापमान के कारण दाना नहीं बनता या कम बनता है।

जलवायु परिवर्तन का प्रभाव दुनिया भर में देखने को मिल रहा है, यह बात अलग है कि इसका असर कहीं ज्यादा, तो कहीं कम महसूस किया जा रहा है। तापमान में वृद्धि से वर्षा का क्रम धीमा पड़ता है और मिट्टी की नमी कम हो जाती है। ऐसे में सूखे की संभावना भी बढ़ जाती है।

जलवायु परिवर्तन मिट्टी की सेहत को बुरी तरह प्रभावित कर रहा है, क्योंकि बढ़ता तापमान प्राकृतिक नाइट्रोजन की उपलब्धता कम कर रहा है और इसे बढ़ाने के लिए हम रासायनिक खादों का इस्तेमाल कर रहे हैं, जो मिट्टी की उर्वरता को प्रभावित करती हैं। इसके अलावा वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड बढ़ने से अनाज में प्रोटीन, जिंक और आयरन जैसे पोषक तत्त्वों का स्तर कम हो रहा है। गर्म जलवायु कीट-पतंगों की प्रजनन क्षमता को बढ़ाती है, जिससे खेतों में कीटों और रोगाणुओं का हमला तेज होता है।

जलवायु परिवर्तन जोखिम सूचकांक में भारत शीर्ष बीस देशों में शामिल है। पिछले चार दशकों में धरती का तापमान 0.5 डिग्री सेल्सियस बढ़ा है, जिस कारण बाढ़, सूखा और तूफान जैसी प्राकृतिक आपदाएं भी बढ़ी हैं। चूंकि भारत में ज्यादातर किसानों के पास छोटा रकबा है, इसलिए इन आपदाओं के कारण उनकी आमदनी भी प्रभावित हो रही है।

आने वाले वर्षों में बढ़ते तापमान की वजह से देश में कृषि पर संकट गहरा सकता है। इसलिए जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न होने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए अभी से कृषि नीति में सुधार पर काम शुरू करना होगा, ताकि किसानों का पारंपरिक कृषि से मोहभंग न हो।

जलवायु परिवर्तन किसी एक देश या क्षेत्र तक सीमित नहीं है, इसलिए वैश्विक स्तर पर ठोस उपायों की जरूरत है। यह न केवल कृषि के लिए, बल्कि संपूर्ण मानव सभ्यता के लिए एक बड़ा खतरा है। कोई भी देश इसके प्रभाव से बच नहीं सकता। विकास की आंधी में हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि विश्व की अधिकांश जनसंख्या की आजीविका का मुख्य आधार आज भी कृषि ही है।

यदि तापमान में इसी तरह बढ़ोतरी होती रही, तो कृषि पर दिन-प्रतिदिन दबाव बढ़ता जाएगा, जिससे बड़ी आबादी के लिए रोजी-रोटी की व्यवस्था करना मुश्किल हो जाएगा। वर्ष 2030 तक भुखमरी को पूरी तरह खत्म करने का लक्ष्य भी अधूरा रह सकता है। उल्लेखनीय है कि देश में पिछले चालीस वर्षों से बारिश की मात्रा में निरंतर गिरावट आ रही है। बीसवीं सदी के शुरू में औसत वर्षा 141 सेंटीमीटर थी, जो नब्बे के दशक में घटकर 119 सेंटीमीटर रह गई है।

गंगोत्री हिमनद भी प्रतिवर्ष सिकुड़ रहा है। नदियों का जल कम हो रहा है। पानी की कमी के कारण खेती घाटे का सौदा बनती जा रही है। भारत के लिए यह और अधिक चिंता की बात है, क्योंकि यहां 70 फीसद से अधिक लोग प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से खेती से जुड़े हुए हैं। जलवायु परिवर्तन न सिर्फ आजीविका, पानी की आपूर्ति और मानव स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा कर रहा है, बल्कि खाद्य सुरक्षा के लिए भी यह एक बड़ी चुनौती है। वर्ष 2050 तक विश्व की आबादी बढ़कर साढ़े नौ अरब से ज्यादा हो जाएगी। इसका अर्थ यह है कि हमें दो अरब अतिरिक्त लोगों के लिए 70 फीसद ज्यादा अनाज पैदा करना होगा।

डीएम के सख्त आदेश भी बेअसर, पुरकाजी में साप्ताहिक बंदी के दिन फिर खुला बाजार

गुरुवार को मुख्य बाजार में अधिकांश दुकानें खुलीं, कहीं आधे शटर तो कहीं खुलेआम हुआ कारोबार, बंदी का पालन करने वाले व्यापारियों ने समान कार्रवाई की उठाई मांग

मुजफ्फरनगर। पुरकाजी कस्बे में साप्ताहिक बंदी का नियम एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गया है। प्रशासन की ओर से साप्ताहिक बंदी को प्रभावी ढंग से लागू कराने के लिए सख्त निर्देश दिए जाने, इस संबंध में लगातार खबरें प्रकाशित होने और बाजार खुलने के वीडियो सामने आने के बावजूद गुरुवार को पुरकाजी के मुख्य बाजार में अधिकांश दुकानें खुली दिखाई दीं। कहीं आधे शटर डालकर कारोबार चलता मिला तो कई प्रतिष्ठानों पर खुलेआम दुकानदारी होती नजर आई। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि आखिर बार-बार सामने आ रही तस्वीरों और प्रशासनिक निर्देशों के बाद भी साप्ताहिक बंदी का पालन पूरी तरह क्यों नहीं कराया जा पा रहा है।

कैमरे में फिर कैद हुई बाजार की तस्वीर

गुरुवार को साप्ताहिक बंदी की जमीनी हकीकत जानने के लिए मीडिया का कैमरा पुरकाजी के मुख्य बाजार पहुंचा। यहां बाजार का बड़ा हिस्सा खुला हुआ मिला। कई दुकानों के शटर उठे हुए थे और दुकानदार ग्राहकों को सामान देते दिखाई दिए। कुछ दुकानदारों ने नियमों से बचने के लिए आधा शटर डाल रखा था, लेकिन अंदर कारोबार चलता दिखाई दिया।

बंदी के दिन खुलती हैं दुकानें तो नियम किसके लिए?

साप्ताहिक बंदी का उद्देश्य सप्ताह में निर्धारित एक दिन बाजार को बंद रखना है, ताकि सभी व्यापारियों के लिए नियम समान रूप से लागू हो सकें। लेकिन पुरकाजी में बंदी के दिन ही बड़ी संख्या में दुकानें खुलने से बंदी का पालन करने वाले व्यापारियों में भी सवाल उठ रहे हैं। उनका कहना है कि जब पूरे बाजार के लिए एक ही दिन बंदी निर्धारित है तो कुछ दुकानदारों को नियमों से अलग होकर कारोबार करने का अवसर कैसे

मिल रहा है। पुरकाजी में साप्ताहिक बंदी के उल्लंघन का मामला नया नहीं है। इससे पहले भी बाजार में बंदी के दिन दुकानें खुलने को लेकर खबरें सामने आ चुकी हैं। सोशल मीडिया पर दुकानें खुले होने के वीडियो भी प्रसारित हुए हैं। इन तस्वीरों और वीडियो के माध्यम से बाजार की स्थिति प्रशासन के सामने आने के बावजूद यदि दोबारा वही हालात दिखाई दे रहे हैं तो कार्रवाई की प्रभावशीलता को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है।

जिलाधिकारी के निर्देशों के बावजूद नहीं थम रहा उल्लंघन

जिले में साप्ताहिक बंदी को प्रभावी ढंग से लागू कराने के लिए जिलाधिकारी उमेश कुमार मिश्रा की ओर से निर्देश दिए गए हैं। नियमों का उल्लंघन करने वाले दुकानदारों के खिलाफ जुमार्ने सहित कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। इसके बावजूद पुरकाजी के मुख्य बाजार में गुरुवार को दुकानें खुली मिलने से स्थानीय स्तर पर प्रशासनिक निगरानी और कार्रवाई को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। साप्ताहिक बंदी का पालन करने वाले व्यापारियों का कहना है कि वे निर्धारित दिन अपनी दुकानें बंद रखते हैं, लेकिन यदि दूसरे दुकानदार उसी दिन कारोबार करते हैं तो उनके व्यापार पर सीधा असर पड़ता है। उनका कहना है कि बंदी का नियम सभी व्यापारियों के लिए समान होना चाहिए। यदि नियम लागू है तो उसका पालन पूरे बाजार में एक समान तरीके से कराया जाना चाहिए। मामले को लेकर कुछ दुकानदारों द्वारा जिलाधिकारी स्तर पर शिकायत किए जाने की बात भी सामने आई है। शिकायत करने वाले व्यापारियों का कहना है कि साप्ताहिक बंदी किसी एक दुकान या व्यापारी के लिए नहीं बल्कि पूरे बाजार के लिए निर्धारित है।

गैंगस्टर एक्ट में विक्रान्त उर्फ गोलू को चार साल का कठोर कारावास

तितावी थाने के वर्ष 2014 के मुकदमे में विशेष न्यायालय का फैसला, दोषी पर पांच हजार रुपये का अर्थदंड; जुमार्ना न देने पर 15 दिन अतिरिक्त जेल

मुजफ्फरनगर। अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत मुजफ्फरनगर की विशेष गैंगस्टर अदालत ने शुक्रवार को वर्ष 2014 के एक मामले में बड़ा फैसला सुनाया। विशेष न्यायाधीश (गैंगस्टर एक्ट)/अपर सत्र न्यायाधीश कोर्ट संख्या-05 काशिफ शेख की अदालत ने थाना तितावी में दर्ज गैंगस्टर एक्ट के मुकदमे में दोषसिद्ध विक्रान्त उर्फ गोलू पुत्र प्रतिपाल निवासी ग्राम बरवाला, थाना शाहपुर, मुजफ्फरनगर को चार वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई। अदालत ने दोषी पर पांच हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। यह मामला थाना तितावी पर दर्ज मुकदमा अपराध संख्या 486/2014 से संबंधित है। मामले में उत्तर प्रदेश गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधिनियम, 1986 की धारा 3(1) के तहत कार्रवाई की गई थी। प्रकरण की सुनवाई सत्र वाद संख्या 3227/2026 के रूप में विशेष गैंगस्टर न्यायालय में हुई।

18 सितंबर 2026 को सुनाए गए फैसले में अदालत ने विक्रान्त उर्फ गोलू को संबंधित अपराध में दोषसिद्ध करते हुए चार वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई। इसके साथ ही पांच हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया। आदेश में कहा गया है कि अर्थदंड जमा नहीं करने की स्थिति में दोषसिद्ध को 15 दिन का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। न्यायालय ने आदेश में यह भी स्पष्ट किया कि इस मामले में दोषसिद्ध द्वारा जेल में बिताई गई अवधि को नियमानुसार दंडादेश में समायोजित किया जाएगा। अदालत ने दोषी का सजायावी वारंट तैयार कर जिला कारागार मुजफ्फरनगर भेजने के निर्देश दिए हैं। पुलिस की मॉनिटरिंग सेल और अभियोजन की पैरवी मुजफ्फरनगर पुलिस के अनुसार, पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश के निर्देशन में चल रहे ऑपरेशन कन्विक्शन के अंतर्गत इस मामले में पुलिस मॉनिटरिंग सेल और अभियोजन पक्ष ने न्यायालय में प्रभावी पैरवी की। पुलिस के मुताबिक वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा के निर्देशन तथा पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अक्षय संजय महाडीक और पुलिस अधीक्षक अपराध इन्दु सिद्धार्थ के पर्यवेक्षण में मामले की पैरवी की गई। मामले में शासकीय अधिवक्ता दिनेश पुंडीर की ओर से अभियोजन पक्ष की पैरवी की गई। न्यायालय में मामले से संबंधित अभिलेख और साक्ष्य प्रस्तुत किए गए। सुनवाई पूरी होने के बाद अदालत ने उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर विक्रान्त उर्फ गोलू को दोषसिद्ध कर सजा सुनाई।

मामूली बकाये पर बिजली कनेक्शन काटने पहुंची टीम तो घिरे अधिकारी, गांव पहुंचे भाकियू नेता

बलवा खेड़ी में बिजली बिलों की गड़बड़ी को लेकर किसानों ने जताई नाराजगी, बिल जांच के लिए लगेगा विशेष कैंप

मुजफ्फरनगर। बिजली बिलों में गड़बड़ी और बकाया रकम को लेकर शुक्रवार को चरथावल थाना क्षेत्र के गांव बलवा खेड़ी में किसानों और बिजली विभाग की टीम के बीच विवाद की स्थिति बन गई। विभागीय टीम के घेराव की सूचना मिलने पर भारतीय किसान यूनियन के नेता एवं जिला पंचायत सदस्य विकास शर्मा मौके पर पहुंचे। उन्होंने बिजली विभाग के अधिकारियों को भी गांव में बुलाया और किसानों की समस्याएं उनके सामने रखवाते हुए मौके पर ही बातचीत कराई। शुक्रवार अपराह्न करीब तीन बजे बिजली विभाग की टीम के गांव पहुंचने की जानकारी मिलते ही कई किसान मौके पर एकत्र हो गए। किसानों ने बिजली बिलों में गड़बड़ी और बकाया रकम को लेकर अपनी शिकायतें सामने रखीं। ग्रामीणों का कहना था कि बिलों में दर्ज रकम और वास्तविक बकाये को लेकर कई मामलों में स्थिति स्पष्ट नहीं है। मौके पर पहुंचे विकास शर्मा ने किसानों की समस्याओं को अधिकारियों के सामने रखते हुए कहा कि महज तीन-चार हजार रुपये के बकाये को लेकर किसी किसान का बिजली कनेक्शन नहीं काटा जाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से किसानों की शिकायतों की जांच करने

और वास्तविक बकाये की स्थिति स्पष्ट कराने की मांग की।

अधिकारियों और ग्रामीणों के बीच हुई सीधी बातचीत

विकास शर्मा के हस्तक्षेप के बाद बिजली विभाग के अधिकारियों को गांव में बुलाया गया। ग्रामीणों ने अधिकारियों के सामने अपनी-अपनी समस्याएं रखीं। बिलों में गड़बड़ी, बकाया रकम और कनेक्शन काटे जाने को लेकर किसानों ने सवाल उठाए। अधिकारियों ने ग्रामीणों की समस्याओं को सुनने के बाद उनके निस्तारण का भरोसा दिया।

बिलों की जांच के लिए गांव में लगेगा विशेष कैंप

बिजली बिलों से संबंधित शिकायतों के समाधान के लिए गांव में विशेष कैंप लगाने की बात भी सामने आई। कैंप में किसानों के बिजली बिलों की जांच की जाएगी। बिल में किसी प्रकार की गड़बड़ी मिलने पर उसे दुरुस्त कराने और वास्तविक बकाये की जानकारी उपलब्ध कराने की बात कही गई। कैंप जल्द लगाए जाने की जानकारी अधिकारियों की ओर से दी गई।

पुलिस की मौजूदगी में शांत हुआ मामला

मौके पर चौकी इंचार्ज सतीश धामा, दरोगा नितिन सहित पुलिस बल भी मौजूद रहा। पुलिस और बिजली विभाग के अधिकारियों की मौजूदगी में किसानों से बातचीत कराई गई। समझौते और समस्याओं के समाधान का भरोसा मिलने के बाद स्थिति शांत हो गई।

बड़ी संख्या में ग्रामीण रहे मौजूद

मामले के दौरान सोनू ठाकुर, मोहन ठाकुर, ओमवीर ठाकुर, मोजी राणा, अनिल ठाकुर, राजेंद्र शर्मा, अवधेश शर्मा, मुंशी जी समेत बड़ी संख्या में

22 सितंबर को मुजफ्फरनगर आएंगे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन

जौली बाईपास पर टाटा मोटर्स के पास होगा जोरदार स्वागत

मुजफ्फरनगर। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन आगामी 22 सितंबर, मंगलवार को मुजफ्फरनगर पहुंचेंगे। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी पवन अरोरा ने बताया कि दिल्ली से सहारनपुर जाते समय राष्ट्रीय अध्यक्ष जौली बाईपास पर रुकेंगे, जहां पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं द्वारा उनका जोरदार स्वागत किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि प्रातः 11 बजे जौली बाईपास स्थित टाटा मोटर्स के सामने स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया

जाएगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष के आगमन को लेकर भाजपा कार्यकताओं में उत्साह है और स्वागत कार्यक्रम की तैयारियां की जा रही हैं।

भाजपा जिलाध्यक्ष सुधीर सैनी ने जिले के सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं से अधिक से अधिक संख्या में जौली बाईपास पहुंचने और राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन का स्वागत करने का आह्वान किया है।

पार्टी की ओर से कार्यकताओं से कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए निर्धारित समय से पहले पहुंचने की अपील भी की गई है।

बच्चों ने लिया स्वच्छता का संकल्प: संत रविदास मंदिर परिसर में चला सफाई अभियान

स्वच्छता ही सेवा 2026 के तहत विद्यार्थियों को कचरा प्रबंधन, जल संरक्षण और पर्यावरण बचाने का दिया संदेश; नालियों की भी हुई विशेष सफाई

थानाभवन। स्वच्छता सिर्फ सफाई कर्मचारियों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक की भागीदारी से ही शहर साफ और सुंदर बन सकता है। इसी संदेश के साथ नगर पंचायत थानाभवन एवं जिला गंगा समिति शामली के संयुक्त तत्वावधान में सेवा संकल्प अभियान एवं स्वच्छता ही सेवा 2026 के तहत शनिवार को विभिन्न जागरूकता और सफाई गतिविधियां आयोजित की गईं। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को स्वच्छता के साथ जल एवं पर्यावरण संरक्षण का पाठ पढ़ाया गया, वहीं संत रविदास मंदिर परिसर में विशेष सफाई अभियान चलाकर गंदगी और कचरा हटाया गया। नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी जितेंद्र राणा एवं नगरपंचायत अध्यक्षा राव

मुशायदा के निर्देश पर नगर के प्राइमरी स्कूल नंबर-1 में स्वच्छ सारथी क्लब के सदस्यों और छात्र-छात्राओं को स्वच्छता, कचरा प्रबंधन, गंगा एवं उसकी सहायक नदियों के संरक्षण, जल संचय और पर्यावरण संरक्षण को लेकर जागरूक किया गया। विद्यार्थियों को बताया गया कि घर और स्कूल के साथ सार्वजनिक स्थानों की स्वच्छता बनाए रखना भी प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। प्रशिक्षण के बाद विद्यार्थियों ने सामूहिक रूप से स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली। बच्चों ने अपने आसपास साफ-सफाई रखने, कूड़े का उचित निस्तारण करने और जल स्रोतों को प्रदूषण से बचाने में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया।

इसी क्रम में वार्ड नंबर-2 स्थित संत रविदास मंदिर परिसर में नगर पंचायत के सफाई मित्रों और स्थानीय लोगों की सहभागिता से विशेष सफाई अभियान चलाया गया। मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र में सफाई कर कूड़ा-कचरा हटाया गया। साथ ही नाला-नालियों की विशेष सफाई कर जल निकासी व्यवस्था को भी दुरुस्त किया गया। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य अनीता देवी, सोनिया, रजनीश, जुबैद, नगर पंचायत से मनीष कुमार शर्मा, फैजान, उमर पासा, आईईसी टीम से राजीव कुमार शुक्ला, रमन सहित स्कूल के छात्र-छात्राएं और नगर के गणमान्य लोग मौजूद रहे। सभी ने उत्साह के साथ अभियान में सहभागिता की।

नगर पंचायत की ओर से नागरिकों से अपील की गई कि घरों और मोहल्लों के साथ सार्वजनिक स्थलों को भी स्वच्छ रखें, नालियों में कचरा न डालें और जल स्रोतों एवं पर्यावरण को प्रदूषण से बचाने में सहयोग करें। नगर पंचायत ने कहा कि जनभागीदारी के जरिए स्वच्छता को जनआंदोलन बनाने के लिए जागरूकता और सफाई अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

सफाई कर्मियों के हक और सुरक्षा पर आयोग सख्त, हर माह की पांच तारीख तक हो मानदेय का भुगतान

राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग के अध्यक्ष भगवत प्रसाद ने विकास भवन में की समीक्षा बैठक, ड्यूटी के दौरान मौत पर आश्रित को शैक्षिक योग्यता के आधार पर नौकरी और सभी देयकों के शीघ्र भुगतान के निर्देश

मुजफ्फरनगर। सफाई कर्मचारियों के कल्याण, सुरक्षा और सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी व्यवस्थाओं को लेकर शुक्रवार को विकास भवन सभागार में महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग के अध्यक्ष एवं दर्जा राज्य मंत्री, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार भगवत प्रसाद ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए नगर निकायों के अधिकारियों को सफाई कर्मचारियों के हितों से जुड़े मामलों में किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सफाई कर्मियों को समय से मानदेय, सामाजिक सुरक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता होनी चाहिए। ड्यूटी के दौरान घटना पर तत्काल हो भुगतान आयोग अध्यक्ष ने सभी नगर पालिकाओं के अधिशासी अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसी सफाई कर्मचारी की सेवा के दौरान किसी कारणवश घटना होती है तो नियमानुसार मिलने वाले मानदेय और अन्य देयकों का शीघ्र भुगतान कराया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सफाई कर्मचारी प्रतिदिन जोखिमपूर्ण परिस्थितियों में काम करते हैं, इसलिए उनके हितों से जुड़े मामलों को लंबित नहीं रखा जाना चाहिए। मृत्यु होने पर आश्रित परिवार को नौकरी देने के निर्देश उन्होंने कहा कि यदि किसी सफाई

कर्मचारी की ड्यूटी के दौरान मृत्यु हो जाती है तो उसके आश्रित परिवार को नियमानुसार शैक्षिक योग्यता के आधार पर रोजगार उपलब्ध कराने की कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही मृतक कर्मचारी के परिवार को मिलने वाले मानदेय एवं अन्य देयकों का भी शीघ्र भुगतान कराया जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि ऐसे मामलों में किसी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। संविदा और आउटसोर्सिंग के माध्यम से कार्य कर रहे सफाई कर्मचारियों के मानदेय को लेकर भी आयोग अध्यक्ष ने कड़े निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बढ़े हुए मानदेय के अनुसार संविदा और आउटसोर्सिंग सफाई कर्मचारियों को प्रत्येक माह की पांच तारीख तक भुगतान सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही कर्मचारियों के पीएफ, ईपीएफ आदि की नियमानुसार कटौती और जमा की प्रक्रिया भी पूरी तरह पारदर्शी रखी जाए। स्वास्थ्य सुरक्षा को लेकर उन्होंने कहा कि प्रत्येक सफाई कर्मचारी का ईएसआई कार्ड बनाया जाना चाहिए, ताकि आवश्यकता पड़ने पर उसे समय से उपचार की सुविधा मिल सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सफाई कर्मियों को स्वास्थ्य संबंधी सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं।

रंग संसार

ओटीटी पर मस्ट वॉच हैं ये 6 सीरीज, सीट से हिलने नहीं देगा थ्रिल; एमी अवॉड्‌र्स में लहराया है जीत का परचम

नई दिल्ली। 14 सितंबर 2026 को लॉस एंजेलिस के पीकॉक थिएटर में 78वां एमी अवॉड्‌र्स आयोजित किया गया। इस प्रतिष्ठित समारोह में 6 सीरीज का सबसे ज्यादा दबदबा रहा। कॉमेडी से लेकर थ्रिलर और साई-फाई तक... एमी अवॉड्‌र्स में जीत हासिल करने वालीं 6 वेब सीरीज ओटीटी पर धमाल मचा रही हैं। इन सीरीज को आप जियो हॉटस्टार और नेटफ्लिक्स पर मौजूद हैं। चलिए आपको बताते हैं कि एमी अवॉड्‌र्स जीतने वालीं ये वेब सीरीज किस ओटीटी पर मौजूद हैं... जीन स्मार्ट स्टारर 'हैक्स' एक कॉमेडी ड्रामा है। इस सीरीज ने बेस्ट एक्ट्रेस समेत कुल पांच अवॉड्‌र्स अपने नाम किए थे। सीरीज की कहानी लीजेंड्री स्टैंड-अप कॉमेडियन डेबोरा वैंस और उनकी युवा लेखिका के इर्द-गिर्द घूमती है।ओटीटी प्लेटफॉर्म- जियो हॉटस्टार द पिट

एमी अवॉड्‌र्स में 25 नॉमिनेशन पाने वाली मेडिकल ड्रामा 'द पिट' ने कुल 6 अवॉड्‌र्स जीते हैं। मेडिकल से जुड़ी चुनौतियों को दिखाने वाली इस सीरीज को 8.9 क्दुरेटिंग मिली है। ओटीटी प्लेटफॉर्म- जियो हॉटस्टारद बीस्ट इन मी

साइकोलॉकिल थ्रिलर द बीस्ट इन मी ने भी एमी अवॉड्‌र्स में जीत का परचम लहराया। बेस्ट लीड एक्टर का अवॉर्ड जीत चुके मैथ्यू राइस इस सीरीज की जान हैं। सीरीज की कहानी एक मशहूर लेखिका की है जो अपने छोटे बेटे की मौत के बाद दुख में डूब जाती है।ओटीटी प्लेटफॉर्म- नेटफ्लिक्स

प्लूरीबस साई-फाई सीरीज की कहानी एक ऐसी दुनिया की है, जहां जबरदस्ती खुश रहने की एक रहस्यमयी लहर फैली हुई है। हालांकि, एक शख्स है जिन पर इसका असर नहीं होता है। वह जानने की कोशिश में जुट जाता है कि आखिर ऐसा क्यों हो रहा है। इस सीरीज ने दो अवॉर्ड अपने नाम किए हैं।

राज काज

पद छोड़ने वाले वॉरेन बफे जाते-जाते दे गए 5 सीक्रेट फॉमूर्ले, मान लिए ये बात तो शेयर बाजार में नहीं डुबेगा पैसा

नई दिल्ली। दुनिया के सबसे ज्यादा फॉलो किए जाने वाले निवेशकों में से एक, वॉरेन बफे, पांच दशकों से ज्यादा समय तक बर्कशायर हैथवे की कमान संभालने के बाद चेयरमैन का पद छोड़ रहे हैं। सबसे बड़े निवेशक 96 साल के अरबपति वॉरेन बफे की नेटवर्थ रुपये में 13.89 लाख करोड़ रुपये (144.6 बिलियन डॉलर) है। बफे अपनी 'वैल्यू-इन्वेस्टिंग' फिलॉसफी और दौलत बनाने के अनुशासित तरीके के लिए जाने जाते हैं। वह डायरेक्टर बने रहेंगे, जबकि उनके बेटे हॉवर्ड बफेट चेयरमैन का पद संभालेंगे। उनका लंबा निवेश करियर निवेशकों के लिए हमेशा काम आने वाली सीख भी देता है। लंबे समय के बारे में सोचें, अनुशासन बनाए रखें, समझें कि आपके पास क्या है और शॉर्ट-टर्म मार्केट की हलचल के आधार पर फैसले लेने से बचें... आइए, ऐसी ही 5 खास सीखों पर नजर डालते हैं जो हर निवेशक को वॉरेन बफेट से सीखनी चाहिए।1. मार्केट के लालच या डर में न बहें बफे की मशहूर सलाह उनके सबसे ज्यादा माने जाने वाले सबक में से एक है, "जब दूसरे लालची हों तो डरें और जब दूसरे डरें तो लालची बनें।" यह सिद्धांत भीड़ का हिस्सा बनने के बजाय मार्केट के जोश और घबराहट का विरोध करने के उनके तरीके को दिखाता है।2. सही कीमत पर अच्छे बिजनेस खरीदें बफे का निवेश करने का तरीका हमेशा सीधा रहा है, "अच्छे बिजनेस तब खरीदें जब उनकी कीमतें कम हों, कीमतें बहुत ज्यादा होने पर दूर रहें और सोच-समझकर चुने गए निवेशों के साथ धैर्य रखें।" यही 'वैल्यू इन्वेस्टिंग' का आधार है, जिसने उन्हें दशकों तक स्टॉक मार्केट से बेहतर प्रदर्शन करने में मदद की। 3. अपने निवेश को लेकर धैर्य रखें बफे और चार्ली मुंगर ने निवेश के लिए "धीरे-धीरे और सही तरीके से आगे बढ़ने" का तरीका अपनाया। बफे का करियर मार्केट की हलचल पर लगातार प्रतिक्रिया देने के बजाय धैर्य रखने पर बना था। रिटायर्ड प्रोफेसर टॉड फिंकल ने कहा, "ऐसा कोई दिन नहीं बीतता जब वॉरेन से सीखी गई बातें मुझ पर सकारात्मक असर न डालती हों, चाहे वह व्यक्तिगत रूप से हो या आर्थिक रूप से।" 4. इस बात का ध्यान रखें कि आपके फैसलों पर कौन असर डालता है?

दैनिक राशिफल रविवार 20 सितम्बर 2026

मेष – आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। अभी आश्वासनों से संतोष करना पड़ेगा।

वृष – सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे।

मिथुन : नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा।

कर्क – ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। धीरे-धीरे लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा उचित समय का इन्तजार करें। मेहमानों का आगमन होगा। छात्रों को लाभ।

सिंह– आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। इच्छित स्थान की यात्रा का योग हैं।

कन्या – "आगे-आगे गौरख जागे" वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल व समन्वय बनाय। मीठे बोलने वालों से संभल कर रहें।

तुला – जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा।

वृश्चिक – लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय समान रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मेल-मुलाकात होगी।

धनु – अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी।

मकर – कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आनन्ददायक वातावरण बनेगा।

कुंभ – होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं।

मीन – राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। मनोरथ सिद्धि का योग है।

दैनिक पंचांग

20 सितम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

रविवार 2026 वर्ष का 263 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम ऋतु शरद।
विक्रम संवत् 2083 शक संवत् 1948
मास भाद्रपद पक्ष शुक्ल
तिथि नवमी 17.52 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पूर्वाषाढ़ा 04.35 बजे प्रात: को समाप्त।
योग सौभाग्य 15.23 बजे को समाप्त।
करण कौलव 17.52 बजे को समाप्त।

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	कन्या	05.35 बजे से
चंद्र	धनु में	तुला	07.50 बजे से
मंगल	कर्क में	वृश्चिक	10.05 ब.से
बुध	कन्या में	धनु	12.21 बजे से
गुरु	कर्क में	मकर	14.26 बजे से
शुक्र	तुला में	कुंभ	16.12 बजे से
शनि	मीन में	मीन	17.45 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	19.16 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	20.56 बजे से
राहुकाल		मिथुन	22.54 बजे से
4.30 से 6.00		कर्क	01.07 बजे से
बजे तक		सिंह	03.23 बजे से

चन्द्रायु 08.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 01° 10'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872838
जूलियन दिन 2461303.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना रवि उस्सानी
तारीख 08
विशेष नवाखाई।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उद्वेग	05.56 से 07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से 07.09 बजे तक
चर	07.23 से 08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से 08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से 10.18 बजे तक	चर	08.41 से 10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से 11.46 बजे तक	रोग	10.14 से 11.46 बजे तक
काल	11.46 से 01.14 बजे तक	काल	11.46 से 01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से 02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से 02.51 बजे तक
रोग	02.41 से 04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से 04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से 05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से 05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

यूपी पुलिस में बड़ा फेरबदल: 31 अपर पुलिस अधीक्षकों के तबादले, कई जिलों और कमिश्नरेट में बदली जिम्मेदारी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस विभाग में बड़े स्तर पर फेरबदल करते हुए अपर पुलिस अधीक्षक स्तर के अधिकारियों के स्थानांतरण किए गए हैं। शासन की ओर से जारी तबादला सूची में कुल 31 अधिकारियों के नाम शामिल हैं। अधिकारियों को प्रदेश के अलग अलग जिलों, पुलिस कमिश्नरेट और पुलिस मुख्यालय की महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

जारी सूची के अनुसार अखिलेश सिंह को जनपद उन्नाव में अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी के पद से स्थानांतरित कर अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी जनपद हरदोई की जिम्मेदारी दी गई है।

सुनाप चंद्र गंगवार को अपर पुलिस अधीक्षक यातायात जनपद मुरादाबाद के पद से स्थानांतरित कर अपर पुलिस अधीक्षक पीटीटीओएसओ मुरादाबाद की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

मुकेश चंद्र मिश्रा को अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी जनपद बरेली से अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी जनपद गोरखपुर भेजा गया है। नितेश सिंह को अपर पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर से अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी जनपद गोंडा की जिम्मेदारी दी गई है।

राजेश्वराम राय को अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी जनपद गोंडा से अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण जनपद अयोध्या बनाया गया है। अयोध्या प्रसाद सिंह को अपर पुलिस अधीक्षक यातायात और प्रोटोकॉल जनपद अयोध्या से अपर पुलिस अधीक्षक अपराध जनपद गोरखपुर भेजा गया है।

योगेंद्र सिंह को अपर पुलिस अधीक्षक अपराध जनपद एटा से अपर पुलिस अधीक्षक प्रोटोकॉल और यातायात जनपद अयोध्या की जिम्मेदारी दी गई है। सुधीर जायसवाल को अपर पुलिस अधीक्षक अपराध जनपद गोरखपुर से अपर पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर भेजा गया है।

पवन गौतम को अपर पुलिस अधीक्षक यूपी जनपद खीरी से अपर पुलिस अधीक्षक जनपद कासगंज की जिम्मेदारी दी गई है। जितेंद्र कुमार दुबे को अपर पुलिस उपायुक्त

कमिश्नरेट लखनऊ के पद से स्थानांतरित कर अपर पुलिस अधीक्षक एटीएस मुख्यालय लखनऊ की जिम्मेदारी दी गई है। जोगेंद्र लाल को अपर पुलिस उपायुक्त कमिश्नरेट प्रयागराज से अपर पुलिस अधीक्षक यूपी 112 मुख्यालय लखनऊ भेजा गया है। राजेंद्र सिंह को अपर पुलिस उपायुक्त कमिश्नरेट लखनऊ से अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय लखनऊ की जिम्मेदारी दी गई है।

तबादला सूची में अरुण चंद्र को अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश लखनऊ के पद से स्थानांतरित कर अपर पुलिस अधीक्षक ईओडब्ल्यू मुख्यालय लखनऊ भेजा गया है। प्रकाश कुमार को अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण जनपद बिजनौर से अपर पुलिस उपायुक्त कमिश्नरेट कानपुर नगर बनाया गया है। पूनम सिरोही को अपर पुलिस उपायुक्त कमिश्नरेट आगरा से अपर पुलिस उपायुक्त कमिश्नरेट कानपुर नगर की जिम्मेदारी दी गई है। अनिल कुमार को अपर पुलिस अधीक्षक नगर जनपद सोनभद्र के पद से स्थानांतरित कर अपर पुलिस अधीक्षक यूपी 112 मुख्यालय लखनऊ भेजा गया है।

तबादलों के चलते कई जिलों में अपर पुलिस अधीक्षक स्तर पर नई तैनाती हुई है। इसके अलावा पुलिस कमिश्नरेट कानपुर नगर, आगरा और लखनऊ के साथ साथ पुलिस मुख्यालय, एटीएस, ईओडब्ल्यू और यूपी 112 जैसी महत्वपूर्ण इकाइयों में भी अधिकारियों की जिम्मेदारियां बदली गई हैं।

पुलिस विभाग में किए गए इस फेरबदल के तहत अधिकारियों को उनके नए तैनाती स्थल पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं। तबादला सूची में जिलों की कानून व्यवस्था, अपराध नियंत्रण, यातायात और पुलिस प्रशासन से जुड़ी जिम्मेदारियों में बदलाव किया गया है।

इस फेरबदल से उन्नाव, हरदोई, मुरादाबाद, बरेली, गोरखपुर, मीरजापुर, गोंडा, अयोध्या, एटा, खीरी, कासगंज, लखनऊ, प्रयागराज, बिजनौर, आगरा और सोनभद्र समेत कई जिलों और पुलिस इकाइयों में अपर पुलिस अधीक्षक स्तर के अधिकारियों की तैनाती प्रभावित हुई है।

सीएम योगी पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में छत्रपति शिवाजी सेना का प्रदर्शन

जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन, वायरल वीडियो की सत्यता और स्रोत की जांच की मांग

मुजफ्फरनगर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संबंध में सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में नेहा बोरा द्वारा कथित रूप से आपत्तिजनक टिप्पणी किए जाने के विरोध में शनिवार को छत्रपति शिवाजी सेना के कार्यकताओं ने जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन किया। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अर्चित आर्य के नेतृत्व में कार्यकताओं ने प्रदर्शन करते हुए मामले की निष्पक्ष जांच कराने और जांच में कानून का उल्लंघन पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की मांग की। मामले को लेकर प्रदेश के अन्य स्थानों पर भी शिकायतें और कार्रवाई की मांग सामने आई है।

प्रदर्शन के बाद संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के स्रोत, संदर्भ और प्रामाणिकता की जांच कराने की मांग की गई। साथ ही वीडियो को सोशल मीडिया पर प्रसारित करने वाले संबंधित खातों की भी जांच किए जाने की मांग उठाई गई।

संगठन की ओर से कहा गया कि यदि

जांच में किसी प्रकार का कानून उल्लंघन सामने आता है तो संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध प्रचलित कानून के तहत आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाए।

राष्ट्रीय अध्यक्ष अर्चित आर्य ने कहा कि लोकतंत्र में सरकार और जनप्रतिनिधियों की नीतियों की आलोचना करने का अधिकार प्रत्येक नागरिक को है, लेकिन किसी सार्वजनिक व्यक्ति के संबंध में कथित रूप से अमर्यादित या कानून का उल्लंघन करने वाली भाषा के मामले में तथ्यों की निष्पक्ष जांच आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि संगठन किसी व्यक्ति के विरुद्ध पूर्वाग्रह के आधार पर कार्रवाई की मांग नहीं कर रहा है, बल्कि वायरल वीडियो की सत्यता, उसके स्रोत और पूरे संदर्भ की जांच कराने की मांग कर रहा है।

जांच के बाद यदि कोई कानूनी उल्लंघन सामने आता है तो नियमानुसार कार्रवाई होनी चाहिए।

गौरतलब है कि नेहा बोरा से जुड़े एक वायरल वीडियो को लेकर पिछले दिनों गोरखपुर में भी शिकायतें सामने आई थीं और शिकायतकताओं ने उनके विरुद्ध मुकदमा दर्ज करने की मांग की थी।

प्रदर्शन के दौरान संगठन के पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

भारतीय जनता पार्टी के जिला प्रभारी बदले, हरिओम शर्मा मुजफ्फरनगर, सुरेश राणा बुलंदशहर, मोहित बेनिवाल रामपुर के प्रभारी बने

मुजफ्फरनगर। भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश ने संगठन को मजबूत करने के लिए पश्चिमी क्षेत्र के सभी जिलों के जिला प्रभारियों की घोषणा कर दी है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी की ओर से जारी सूची में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 19 जिलों और महानगरों के लिए प्रभारियों के नाम घोषित किए गए हैं। जारी सूची के अनुसार मुजफ्फरनगर जिले की जिम्मेदारी हरिओम शर्मा को सौंपी गई है। पार्टी ने रामपुर में मोहित बेनीवाल, मुरादाबाद महानगर में प्रेमेंद्र जांगड़ा, मुरादाबाद जिले में विकास अग्रवाल और शामली में चौधरी राजा वर्मा को जिला प्रभारी बनाया है।

अमरोहा की जिम्मेदारी सत्येंद्र सिसोदिया को दी गई है, जबकि

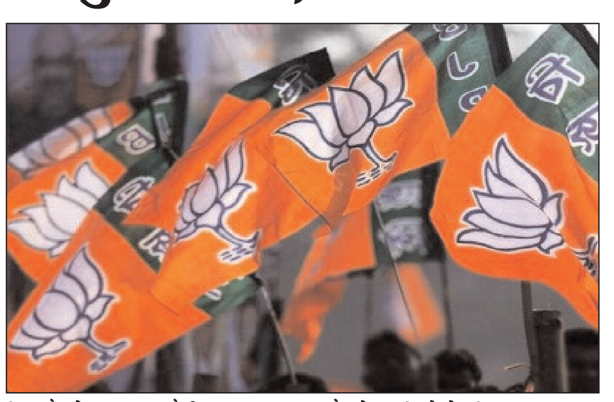

बिजनौर में सत्यपाल सैनी, सहारनपुर महानगर में अजय शर्मा और सहारनपुर जिले में हंसराज जाटव पप्पू को प्रभारी बनाया गया है।

भाजपा की ओर से जारी सूची में मेरठ महानगर के लिए अशोक मोंगा और मेरठ जिले के लिए भरत भूषण गुप्ता को जिम्मेदारी दी गई है। गाजियाबाद महानगर में अशोक कटारिया तथा गाजियाबाद जिले में संजीव गोयल सिक्का को जिला प्रभारी बनाया गया है। हापुड़ में बसंत त्यागी, नोएडा महानगर में डीके शर्मा, गौतमबुद्धनगर में कांताकर्दम, बागपत में वाईपी सिंह, संभल में डॉ. चंद्रमोहन सिंह और बुलंदशहर में सुरेश राणा को प्रभारी नियुक्त किया गया है। पार्टी की ओर से जारी पत्र में प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के हस्ताक्षर हैं और पत्र की तारीख 19 सितंबर 2026 दर्ज है। सूची में पश्चिमी क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी प्रमुख जिलों और महानगरों के लिए अलग-अलग संगठनात्मक जिम्मेदारियां तय की गई हैं।

मुजफ्फरनगर में हरिओम शर्मा को जिला प्रभारी बनाए जाने के बाद संगठनात्मक स्तर पर उनकी भूमिका महत्वपूर्ण रहेगी। जिले में पार्टी की गतिविधियों, संगठन और प्रदेश नेतृत्व के बीच समन्वय की जिम्मेदारी जिला प्रभारी के स्तर पर रहती है। यह घोषणा ऐसे समय हुई है जब भाजपा उत्तर प्रदेश में संगठनात्मक गतिविधियों को तेज कर रही है। हाल के दिनों में पार्टी ने क्षेत्र और मोर्चा प्रभारियों की नियुक्तियां भी की हैं। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में पार्टी की संगठनात्मक बैठकों और कार्यक्रमों का सिलसिला भी जारी है।

मुजफ्फरनगर में भाजपा संगठन पहले से ही विभिन्न अभियानों और कार्यक्रमों की तैयारियों में जुटा है। हाल में सेवा संकल्प अभियान को लेकर जिला स्तर पर कार्यक्रमों की जिम्मेदारियां भी तय की गई थीं। मुजफ्फरनगर के जिला प्रभारी हरिओम शर्मा बनाए गए हैं।

बुढ़ाना के यूपी ग्रामीण बैंक में करोड़ों का खेल, खातों से रकम गायब होने पर मचा हड़कंप

ग्राहकों ने पूर्व मैनेजर रूपक राणा पर लगाया गबन का आरोप, - मुख्यालय से पहुंची जांच टीम, बैंक पर पुलिस तैनात

बुढ़ाना। कस्बे के डीएवी रोड स्थित यूपी ग्रामीण बैंक में शनिवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब एक के बाद एक ग्राहकों के खातों से लाखों रुपये गायब होने का खुलासा हुआ। आक्रोशित दर्जनों ग्रामीणों ने बैंक शाखा में जमकर हंगामा किया। मामला करोड़ों के गबन का बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार शाखा में तैनात मैनेजर रूपक राणा का दो दिन पहले ही ट्रांसफर हुआ है। नए प्रबंधक विभव कुमार के कार्यभार संभालते ही ग्राहकों ने पासबुक एंट्री कराई तो होश उड़ गए। खातों में जमा रकम गायब मिली। देखते ही देखते खबर पूरे कस्बे में फैल गई और बैंक में पीड़ितों की भीड़ उमड़ पड़ी।

नए प्रबंधक ने तत्काल मुख्यालय को सूचना दी। सूचना पर डीबीआरएम नवदीप सिंह अपनी टीम के साथ जांच के लिए बुढ़ाना पहुंचे। वहीं स्थिति को देखते हुए बैंक परिसर में पुलिस बल भी

तैनात कर दिया गया। कस्बे के अमित ने बताया उसने होम लोन के 10 लाख रुपये जमा किए थे, जो खाते में नहीं चढ़े। आशीष और आलोक शर्मा की 5 लाख की लिमिट को 9 लाख दिखाकर रकम निकाल ली गई। गांव बड़कता निवासी रिंकू सिंह की मां शशि के खाते से 4 लाख, संजीव के खाते से 1 लाख व उसकी मां राजबाला के खाते से 6.50 लाख गायब हैं। सतीश कुमार ने बताया कि बेटे शशांक की क्वचिकि से 10 लाख और पुत्रवधू के बचत खाते से 1 लाख निकाल लिया गया। गांव नगवा के पप्पू और उसकी पत्नी शारदा के खाते से 40 लाख रुपये तक के गबन का आरोप है। प्रशांत त्यागी की कंपनी के खाते से 4 लाख से अधिक और पतंजलि स्टोर संचालक वीर प्रताप के खाते व लिमिट से भी लाखों की रकम गायब है।

अभी तक 20 से अधिक ग्राहक लिखित शिकायत दे चुके हैं और स्टेटमेंट निकलने के साथ ही पीड़ितों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है।

खतौली में संपूर्ण समाधान दिवस, 50 शिकायतों में 5 का मौके पर निस्तारण

डीएम उमेश मिश्रा और एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने अधिकारियों को दिए गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण के निर्देश

खतौली। जिलाधिकारी उमेश मिश्रा एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा की अध्यक्षता में शनिवार को तहसील खतौली के सभागार में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 50 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 5 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। शेष शिकायतों को संबंधित विभागों को सौंपते हुए समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए गए।

संपूर्ण समाधान दिवस में विद्युत, खनन, बेसिक शिक्षा, समाज कल्याण, राशन कार्ड, भूमि विवाद, नगर पालिका, नगर पंचायत, राजस्व, श्रम विभाग, पेंशन, सड़क तथा पुलिस-प्रशासन सहित विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईं।

जिलाधिकारी उमेश मिश्रा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि समाधान दिवस में प्राप्त प्रत्येक शिकायत का गंभीरता से संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारी स्वयं मौके पर पहुंचकर जांच करें और शिकायत

का निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि यदि किसी शिकायत का निस्तारण संभव नहीं है तो शिकायतकर्ता को उसके कारणों से स्पष्ट रूप से अवगत कराया जाए।

उन्होंने निर्देश दिए कि संपूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों का एक सप्ताह के भीतर गुणवत्तापूर्ण, संतोषजनक एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही या शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। डीएम ने विशेष रूप से आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों का भी गुणवत्तापरक एवं समयांतर्गत निस्तारण करने के निर्देश दिए।

डीएम ने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि शिकायतों के निस्तारण के दौरान पूर्ण पारदर्शिता एवं निष्पक्षता बरती जाए। अधिकारी मौके पर पहुंचकर शिकायतकर्ता से शिकायत के संबंध में फीडबैक लें कि वह निस्तारण से संतुष्ट है या नहीं। साथ ही मौके की फोटो भी कराई जाए, ताकि निस्तारण की वास्तविक स्थिति का सत्यापन हो सके।

उन्होंने सरकारी भूमि पर अतिक्रमण की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए कहा कि यदि किसी विभाग की सरकारी भूमि पर किसी व्यक्ति द्वारा अतिक्रमण किया गया है तो उसे तत्काल नियमानुसार अतिक्रमण मुक्त कराया जाए।

प्रगतिशील किसान को वितरित किया पंपिंग सेट

संपूर्ण समाधान दिवस के उपरांत जिलाधिकारी उमेश मिश्रा एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा ने खतौली तहसील क्षेत्र में मुख्य कृषक उपहार योजना के अंतर्गत प्रगतिशील कृषक रवि गर्ग को पंपिंग सेट वितरित किया। अधिकारियों ने किसानों को कृषि विभाग की योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।

संपूर्ण समाधान दिवस में उप जिलाधिकारी खतौली डॉ. ललित कुमार मिश्रा, तहसीलदार खतौली अरविंद कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी सुनील तेवतिया, जिला विकास अधिकारी दिग्विजय नाथ तिवारी, अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी अनिल कुमार, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, बेसिक शिक्षा अधिकारी, उपनिदेशक कृषि, जिला कृषि अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

आईजीआरएस और सीएम डैशबोर्ड के मामलों का तत्काल निस्तारण कर रैंकिंग सुधारें: एडीएम

जनशिकायतों को डिफाल्टर की श्रेणी में पहुंचने से पहले निस्तारित करने के निर्देश, असंतुष्ट फीडबैक वाले मामलों की भी होगी समीक्षा

मुजफ्फरनगर। आईजीआरएस एवं सीएम डैशबोर्ड पर प्राप्त जनशिकायतों के प्रभावी और समयबद्ध निस्तारण को लेकर शनिवार को जिला पंचायत सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अपर जिलाधिकारी प्रशासन देश दीपक सिंह एवं अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अनिरुद्ध प्रताप सिंह ने की। बैठक में विभागवार लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं निर्धारित समय सीमा के भीतर निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

अपर जिलाधिकारी प्रशासन देश दीपक सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की प्राथमिकता के अनुरूप कोई भी जनशिकायत या जनसमस्या डिफाल्टर की श्रेणी में नहीं पहुंचनी चाहिए। संबंधित अधिकारी शिकायतों का समय रहते निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने चेतावनी दी कि शिकायतों के निस्तारण में लापर-

वाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारी के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने कहा कि आईजीआरएस पोर्टल एवं सीएम डैशबोर्ड पर प्राप्त संदर्भों का निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराया जाए। निस्तारण के दौरान शिकायतकर्ता से सही फीडबैक प्राप्त करने पर विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि जनपद की रैंकिंग में सुधार हो सके।

एडीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी संदर्भों के निस्तारण में गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। विशेष रूप से असंतुष्ट फीडबैक वाले संदर्भों की समीक्षा कर उनका शीघ्र निस्तारण कराया जाए। उन्होंने कहा कि केवल कागजी निस्तारण के बजाय शिकायतकर्ता की वास्तविक संतुष्टि सुनिश्चित की जाए। यदि किसी विभाग की कार्यप्रणाली में सुधार नहीं आता है तो संबंधित विभागीय अधिकारी के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में आईजीआरएस एवं सीएम डैशबोर्ड से संबंधित शिकायती प्रकरणों की विभागवार समीक्षा की गई। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि शिकायतों के निस्तारण के संबंध में शिकायतकर्ता की संतुष्टि के फीडबैक पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि संदर्भों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण तरीके से करने के साथ ही शिकायतकर्ता से संतुष्टि का फीडबैक प्राप्त किया जाए, जिससे जनपद की रैंकिंग में अपेक्षित सुधार हो सके।

एडीएम ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि जनशिकायतों से संबंधित निस्तारण आख्या निर्धारित समय सीमा से कम से कम तीन दिन पूर्व पोर्टल पर अपलोड कर दी जाए, ताकि समय रहते आवश्यक प्रक्रिया पूरी की जा सके। निस्तारण में किसी प्रकार की तकनीकी अथवा अन्य समस्या आने पर जिलाधिकारी के स्टेनो विजय कुमार एवं ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर प्रिंस से तत्काल संपर्क कर प्रकरण का निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में नगर मजिस्ट्रेट दीपक कुमार पाल, उप जिलाधिकारी, तहसीलदार तथा विभिन्न संबंधित विभागों के अधिकारी एवं प्रतिनिधि मौजूद रहे।

1.76 किलो गांजा के साथ युवक गिरफ्तार, ऑपरेशन सवेरा के तहत कोतवाली नगर पुलिस की कार्रवाई

रोहाना-सादपुर रजवाहे के पास मुखबिर की सूचना पर दबोचा गया आरोपी, एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज

मुजफ्फरनगर। मादक पदार्थों की तस्करी और बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे ऑपरेशन सवेरा के तहत कोतवाली नगर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक युवक को अवैध मादक पदार्थ के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी के कब्जे से 1 किलो 760 ग्राम अवैध गांजा/डोडा बरामद किया गया है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

मुखबिर की सूचना पर रजवाहे के पास घेराबंदी

पुलिस के अनुसार वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अपराध नियंत्रण और मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा

है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक नगर और सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी नगर के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक बृजेश कुमार शर्मा के नेतृत्व में कोतवाली नगर पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने 19 सितंबर 2026 की रात करीब 9:10 बजे रोहाना-सादपुर रजवाहे के पास घेराबंदी की। इस दौरान पुलिस ने एक संदिग्ध युवक को पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 1 किलो 760 ग्राम अवैध मादक पदार्थ बरामद होने का दावा पुलिस ने किया है।

रोहाना कलां निवासी अनुज गिरफ्तार

पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी की पहचान अनुज कुमार पुत्र पप्पू कश्यप, निवासी ग्राम रोहाना कलां, थाना कोतवाली नगर, मुजफ्फरनगर, उम्र करीब 30 वर्ष के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद बरामद मादक पदार्थ को कब्जे में लेकर उसके खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई शुरू कर दी।

एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज

कोतवाली नगर पुलिस ने गिरफ्तारी और बरामदगी के संबंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि आरोपी के संबंध में अन्य आपराधिक इतिहास की जानकारी भी जुटाई जा रही है। मुकदमे में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

प्रभारी निरीक्षक के नेतृत्व में टीम ने की कार्रवाई

कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक बृजेश कुमार शर्मा, उपनिरीक्षक मोहित कुमार, नवीन कुमार, कांस्टेबल गौरव, दिशु और विकास कुमार शामिल रहे।

शादी के बाद दहेज के लिए प्रताड़ित करने का आरोप, पति समेत आठ पर मुकदमा

जानसठ क्षेत्र की विवाहिता ने ससुराल पक्ष पर गाली-गलौज, मारपीट और प्रताड़ना के लगाए आरोप, पति पर दूसरी महिला से संबंध का आरोप, जेवर चोरी का आरोप लगाने की भी कही बात

मुजफ्फरनगर। जानसठ क्षेत्र की एक विवाहिता ने पति समेत ससुराल पक्ष के कई लोगों पर शादी के बाद से दहेज की मांग को लेकर उत्पीड़न, गाली-गलौज और मारपीट करने का आरोप लगाया है। जानसठ थाने में दी गई तहरीर के आधार पर पुलिस ने पति समेत ससुराल पक्ष के आठ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

2013 में हुई थी शादी, लाखों का सामान देने का दावा

ग्राम व पोस्ट तिसंग निवासी साक्षी वालिया ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी शादी दो जून 2013 को अमित वालिया पुत्र स्वर्गीय लालचंद वालिया निवासी कस्बा लुहारू, थाना लुहारू, तहसील लुहारू, जिला भिवानी, हरियाणा के साथ हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार हुई थी। महिला का आरोप है कि शादी में उसके माता-पिता ने अपनी हैसियत से अधिक खर्च करते हुए चार लाख रुपये नकद, गाड़ी के लिए पांच लाख रुपये तथा फर्नीचर, फ्रिज, एसी समेत अन्य सामान दिया था। तहरीर में महिला ने आरोप लगाया कि शादी के बाद से ही उसका पति अमित वालिया, सास सरला वालिया, जेठ विकास वालिया, जेठानी नेहा वालिया, देवर नितिन वालिया, पति का मामा पप्पू वालिया, मामी दीपा वालिया और पप्पू वालिया का बेटा मयंक वालिया उसके साथ गाली-गलौज और मारपीट करते रहे। महिला का कहना है कि उसने गृहस्थी बचाने के लिए काफी समय तक कथित उत्पीड़न सहन किया। महिला ने अपने पति पर एक महिला के साथ कथित अवैध संबंध होने का आरोप भी लगाया है। तहरीर में कहा गया है कि उसका पति उसे तलाक देने और प्रीति सैनी से शादी करने की बात कहता था। महिला के अनुसार 10 मार्च 2026 को पति और ससुराल पक्ष के लोगों ने एकराय होकर उसके साथ गाली-गलौज और मारपीट की।

मायके वाले साथ ले गए, फिर जेवर चोरी का आरोप लगाने की बात

महिला ने बताया कि उसने घटना की जानकारी अपने मायके वालों को दी। इसके बाद 13 मार्च 2026 को मायके वाले उसे अपने साथ घर ले गए। आरोप है कि इसके बाद ससुराल पक्ष ने उस पर सोने-चांदी के जेवर चोरी करने का आरोप लगा दिया। महिला ने पुलिस को बताया कि उक्त जेवर उसके स्त्रीधन हैं, जो उसकी मां ने उसे दिए थे।

तहरीर में महिला ने पति और उसके परिजनों से अपनी जानमाल को खतरा होने की आशंका जताई है।

जयंत चौधरी के कार्यक्रम से पहले जनता इंटर कॉलेज में सुरक्षा का खाका तैयार

डीएम उमेश मिश्रा, एसएसपी संजय कुमार वर्मा और कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार ने कार्यक्रम स्थल का किया निरीक्षण, प्रवेश-निकास से लेकर पार्किंग और बैरिकेडिंग तक व्यवस्थाएं परखी

मुजफ्फरनगर। केंद्रीय मंत्री चौधरी जयंत सिंह के 20 सितंबर को प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर पुलिस-प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। शनिवार को उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार के साथ जिलाधिकारी उमेश मिश्रा और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा ने नई मंडी थाना क्षेत्र स्थित जनता इंटर कॉलेज पहुंचकर कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने सुरक्षा, यातायात और पार्किंग व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।
निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल पर प्रवेश और निकास के रास्तों की स्थिति देखी। इसके साथ ही मंच, वीआईपी क्षेत्र, पार्किंग व्यवस्था, सुरक्षा घेरे, बैरिकेडिंग और पुलिसकर्मियों के ड्यूटी प्वाइंट्स का भी निरीक्षण किया गया। कार्यक्रम में आने वाले लोगों की आवाजाही को व्यवस्थित रखने के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं पर अधिकारियों ने चर्चा की।

सुरक्षा घेरे में तैनात रहेगा पुलिस बल

एसएसपी ने कार्यक्रम स्थल पर तैनात किए जाने वाले पुलिस बल को सतर्कता और सजगता के साथ ड्यूटी करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने कहा कि प्रत्येक पुलिसकर्मी अपने निर्धारित ड्यूटी प्वाइंट पर मुस्तैद रहे और कार्यक्रम के दौरान किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार रहे। कार्यक्रम स्थल पर आने-जाने वाले लोगों और वाहनों की

आवश्यकतानुसार प्रभावी चेकिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े पुलिसकर्मियों को संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष नजर रखने तथा किसी भी स्थिति में तत्काल कार्रवाई के लिए तैयार रहने को कहा।

पार्किंग और यातायात व्यवस्था पर भी फोकस

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए यातायात और पार्किंग व्यवस्था को भी प्रमुखता दी गई। अधिकारियों ने निर्देश दिए कि कार्यक्रम स्थल के आसपास यातायात सुचारू रहे और वाहनों की पार्किंग निर्धारित स्थानों पर ही कराई जाए, जिससे आमजन को आवागमन में परेशानी न हो।

आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए भी तैयारी

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने किसी भी प्रकार की आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए समुचित तैयारियां रखने के निर्देश दिए। कार्यक्रम स्थल और उसके आसपास सुरक्षा व्यवस्था के साथ आमजन की सुविधा का भी विशेष ध्यान रखने को कहा गया।
20 सितंबर को प्रस्तावित है कार्यक्रम
केंद्रीय मंत्री चौधरी जयंत सिंह का कार्यक्रम 20 सितंबर 2026 को नई मंडी थाना क्षेत्र स्थित जनता इंटर कॉलेज में प्रस्तावित है। कार्यक्रम को लेकर पुलिस और प्रशासन की ओर से सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को लेकर तैयारियां की जा रही हैं। निरीक्षण के दौरान संबंधित पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहे।

मेरे सपनों का भारत 2047 में छात्राओं ने दिखाई रचनात्मक प्रतिभा

जैन कन्या इंटर कॉलेज में चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन, विकसित और आत्मनिर्भर भारत की छात्राओं ने रखी परिकल्पना

मुजफ्फरनगर। जैन कन्या इंटर कॉलेज, नई मंडी में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत मेरे सपनों का भारत 2047 विषय पर चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यालय की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए अपनी रचनात्मक प्रतिभा, कल्पनाशीलता और विचारों का प्रभावशाली प्रदर्शन किया।
चित्रकला प्रतियोगिता में छात्राओं ने रंगों और कलात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से वर्ष 2047 के भारत की अपनी कल्पना को कागज पर उकेरा। छात्राओं की चित्रकारी में विकसित, आधुनिक, स्वच्छ, शिक्षित, आत्मनिर्भर और सशक्त भारत की तस्वीर देखने को मिली।
वहीं, भाषण प्रतियोगिता में छात्राओं ने मेरे सपनों का भारत 2047 विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। छात्राओं ने कहा कि देश के विकास में शिक्षा,

स्वच्छता, आत्मनिर्भरता, तकनीकी प्रगति और युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। उन्होंने विकसित भारत के निर्माण के लिए नागरिकों में जिम्मेदारी और राष्ट्र के प्रति सकारात्मक सोच को आवश्यक बताया। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती किरण देवी ने छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि ह्यमेरे सपनों का भारत 2047 जैसी गतिविधियां विद्यार्थियों में राष्ट्र के भविष्य के प्रति जागरूकता, जिम्मेदारी और सकारात्मक सोच विकसित करती हैं। उन्होंने कहा कि आज के विद्यार्थी ही वर्ष 2047 के भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।
प्रतियोगिता के आयोजन से छात्राओं में देश के भविष्य को लेकर सोचने, अपने विचार व्यक्त करने तथा रचनात्मक प्रतिभा को सामने लाने का अवसर मिला।

खतौली में उकेरे गए 'विकसित भारत' के रंगः नन्हें कलाकारों ने दिखाई रचनात्मकता, गौरी और संजू बनीं विजेता

खतौली के जवाहर लाल नेहरू इंटर कॉलेज में चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित

खतौली (मुजफ्फरनगर)। कस्बा स्थित जवाहर लाल नेहरू स्मृति इंटर कॉलेज, रवापुरी सठेड़ी में चल रहे 'सेवा संकल्प अभियान-2026' के अंतर्गत शनिवार को मेरे सपनों का विकसित भारत विषय पर एक भव्य चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विद्यालय के जूनियर एवं सीनियर वर्ग के छात्र-छात्राओं ने पूरे उत्साह और उमंग के साथ प्रतिभाग किया। विद्यार्थियों ने अपनी उकेरी गई आकृतियों और रंगों के माध्यम से अपनी कल्पनाशीलता तथा अद्भुत रचनात्मक प्रतिभा का परिचय दिया।

कैनवास पर दिखीं की परिकल्पनाएं:विजेता घोषित

प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों ने कैनवास पर रंगों को उकेरते हुए प्रगतिशील, समृद्ध और आत्मनिर्भर भारत के अपने सपनों को बेहद प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता के तहत जूनियर वर्ग (कक्षा 6 से 8) में प्रथम स्थान गौरी (कक्षा 8), द्वितीय स्थान प्रतिभा (कक्षा 6), तृतीय स्थान काव्या (कक्षा 6) को मिला। जबकि सीनियर वर्ग (कक्षा 9 से 12) में प्रथम स्थान

संजू (कक्षा 12), द्वितीय स्थान रिया (कक्षा 10) व तृतीय स्थान आयुष कुमार (कक्षा 10) ने हासिल किया। विजेता प्रतिभागियों की कलाकृतियों की सराहना करते हुए उन्हें पुरस्कृत किया गया।

21 को होगी भाषण प्रतियोगिता

प्रतियोगिता के संबंध में जानकारी देते हुए विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. चंद्रमोहन शर्मा ने बताया कि शासन के निदेर्शानुसार विद्यालय में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक एक माह का 'सेवा संकल्प अभियान' चलाया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के भीतर देशभक्ति, सामाजिक जिम्मेदारी और रचनात्मकता की भावना का विकास करना है। पूरे माह विभिन्न शैक्षिक, रचनात्मक और जागरूकता कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की जाएगी। इसी कड़ी में चित्रकला प्रतियोगिता कराई गई है और आगामी 21 सितंबर को इसी विषय 'मेरे सपनों का विकसित भारत' पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।

शिक्षक-शिक्षिकाओं का रहा सराहनीय सहयोग

चित्रकला प्रतियोगिता को सुचारू, निष्पक्ष एवं सफल ढंग से संपन्न कराने में विद्यालय परिवार के शिक्षक-शिक्षिकाओं की मुख्य भूमिका रही। कार्यक्रम के दौरान शिक्षक रविंद्र कुमार, तीर्थराज, सोनिया देवी सहित अन्य स्टाफ सदस्यों का विशेष सहयोग एवं मार्गदर्शन रहा। प्रतियोगिता के अंत में सभी प्रतिभागियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

खतौली में दशलक्षण पर्व की धूमः श्रद्धालुओं ने किया 'उत्तम शौच धर्म' का आराधन

मन की स्वच्छता से आत्मा निर्मल, संतोष जीवन का अनमोल रत्न

खतौली (मुजफ्फरनगर)। कस्बा स्थित सकल दिगंबर जैन समाज द्वारा बड़े ही हर्षोल्लास और भक्तिभाव के साथ मनाए जा रहे दशलक्षण महापर्व के चौथे दिन श्रद्धालुओं ने विधि-विधानपूर्वक उत्तम शौच धर्म की पूजा-अर्चना की। इस पावन अवसर पर नगर के समस्त जिन मंदिरों में भोर की किरणों के साथ ही धार्मिक अनुष्ठानों, मंत्रोच्चार और पूजा-पाठ का दौर शुरू हो गया। दिनभर मंदिरों में विधान, आरती और स्वाध्याय के कार्यक्रमों की गूंज रही, तो वहीं शाम ढलते ही भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों और भक्ति संध्या का आयोजन हुआ, जिसमें समाज के सभी वर्गों के

श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। धार्मिक सभा के दौरान श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए विदुषी डॉ. ज्योति ने उत्तम शौच धर्म के मर्म और इसके आध्यात्मिक महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आमतौर पर मनुष्य अपने बाह्य शरीर को स्वच्छ रखने के प्रति सजग रहता है, परंतु वास्तविक शुद्धि आत्मा की शुद्धि है। डॉ. ज्योति ने लोभ और असंतोष की प्रवृत्ति पर प्रहार करते हुए कहा कि उत्तम शौच धर्म मनुष्य को भीतर पनपने वाली 'थोड़ा और, थोड़ा और' की अंतहीन लालसा को समाप्त करने की प्रेरणा देता है। संसार में दुखों का मूल कारण असंतोष और लोभ ही है। दिनभर गूंजती रहीं भक्ति तरंगें दशलक्षण महापर्व के दौरान खतौली के विभिन्न जिन मंदिरों में प्रतिदिन भक्ति की धारा बह रही है। प्रातःकाल जिनेन्द्र भगवान की शांतिधारा, पूजन एवं दशलक्षण विधान के पश्चात शाम को महाआरती और स्वाध्याय का आयोजन किया गया। रात्रि में जैन युवा मंच और महिला मंडल द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिसमें धार्मिक नाटकों और भजनों के माध्यम से भगवान महावीर के संदेशों को जीवंत किया गया। कार्यक्रम में समाज के गणमान्य जनों की रही गरिमामयी मौजूदगी इस पावन धार्मिक महोत्सव में बाहर से पधारीं चंदा दीदी, ज्योति दीदी और भावना दीदी का सानिध्य प्राप्त हुआ।
कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रवक्ता व विद्वान पंडित अशोक शास्त्री, अरुण, ऋषभ, राकेश जैन अंबर, रामकुमार, अजय, नवीन, मनोज, मनीष, सुरेंद्र, अर्पित, शुभम, रोहित, अमित, अंजू, पूनम, प्रियांशी, अलका, मीनू, दीपा, शालू, अनु, पारुल, सरिता सहित बड़ी संख्या में जैन समाज के महिला-पुरुष और बच्चे उपस्थित रहे।

नंगला गंगनहर पुल की मुंडेर पर हाथ थामे खड़े थे युवक-युवती, छलांग लगाने से पहले महिला ने खींचकर बचाया, मचा हड़कंप

मौके पर जुटी भीड़ ने दोनों को समझाया; सुरक्षित बचने के बाद युवक से मारपीट, पुलिस ने दोनों को अपने कब्जे में लिया

मुजफ्फरनगर। सिखेड़ा थाना क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर नंगला गंगनहर पुल पर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक युवक और युवती संदिग्ध परिस्थितियों में पुल की मुंडेर पर खड़े दिखाई दिए। दोनों एक-दूसरे का हाथ थामे हुए थे और नहर में छलांग लगाने की कोशिश करते नजर आए। उन्हें इस हालत में देखकर मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। लोगों ने दोनों को काफी देर तक समझाने का प्रयास किया, लेकिन वे पुल की मुंडेर से हटने को तैयार नहीं दिखाई दिए। इसी बीच भीड़ में मौजूद एक महिला ने साहस दिखाते हुए दोनों को खींचकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया। घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहा है।

मुंडेर पर खड़े होकर थाम रखा था एक-दूसरे का हाथ

वायरल वीडियो में युवती स्कूल की पोशाक में दिखाई दे रही है, जबकि युवक टी-शर्ट और शॉर्ट्स पहने नजर आ रहा है। दोनों पुल की मुंडेर पर खड़े होकर एक-दूसरे का हाथ पकड़े हुए थे। उनके नीचे गंगनहर का पानी बह रहा था। दोनों की गतिविधि देखकर आसपास मौजूद लोगों को अनहोनी की आशंका हुई और देखते ही देखते मौके पर काफी संख्या में लोग एकत्र हो गए। भीड़

में मौजूद लोग युवक-युवती को पुल की मुंडेर से नीचे उतरने और सुरक्षित स्थान पर आने के लिए लगातार समझाते रहे। हालांकि, दोनों तत्काल वहां से हटते नजर नहीं आए।

महिला ने दिखाई हिम्मत, दोनों को खींचकर बचाया

घटना के दौरान भीड़ में मौजूद एक महिला अचानक युवक-युवती के पास पहुंची। महिला ने दोनों के हाथ पकड़ लिए और पूरी ताकत से उन्हें अपनी ओर खींच लिया। कुछ ही सेकंड में महिला दोनों को पुल की मुंडेर से हटाकर सुरक्षित स्थान पर ले आई। इसके बाद आसपास मौजूद अन्य लोगों ने भी युवक और युवती को पकड़ लिया। महिला के इस साहसिक प्रयास से दोनों को नहर में गिरने या छलांग लगाने से बचा लिया गया। मौके पर मौजूद लोगों ने भी राहत की सांस ली।

भीड़ ने पकड़ लिया युवक, बाद में दोनों को पुलिस के हवाले किया

युवक-युवती के सुरक्षित बचने के बाद मौके का माहौल अचानक बदल गया। भीड़ में शामिल कुछ लोगों ने युवक को पकड़ लिया और उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। बताया जा रहा है कि युवक को पहले लोग समझाने का प्रयास कर रहे थे, लेकिन उसके मुंडेर से हटने को तैयार नहीं होने के कारण कुछ लोगों में नाराजगी बढ़ गई। बाद में मौके पर मौजूद लोगों ने युवक और युवती को सिखेड़ा पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने दोनों से घटना के संबंध में जानकारी ली और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी।

युवती भंडूर और युवक ककरौली क्षेत्र का निवासी बताए जा रहे

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार युवती सिखेड़ा क्षेत्र के भंडूर गांव की रहने वाली बताई जा रही है, जबकि युवक ककरौली क्षेत्र का निवासी बताया गया है। दोनों के बीच प्रेम संबंध होने की बात सामने आ रही है। हालांकि, दोनों नंगला गंगनहर पुल पर क्यों पहुंचे और नहर में छलांग लगाने जैसा कदम उठाने की स्थिति क्यों बनी, इसका कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस पूरे घटनाक्रम की जानकारी जुटा रही है। दोनों के परिजनों से भी संपर्क किए जाने की बात सामने आ रही है। पुलिस की जांच के बाद ही घटना के पीछे की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी।

सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल

घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद नंगला गंगनहर पुल पर हुए इस घटनाक्रम की चर्चा क्षेत्र में तेज हो गई है। वीडियो में युवक-युवती को मुंडेर पर खड़े और आसपास मौजूद लोगों को उन्हें समझाते हुए देखा जा सकता है। इसके बाद एक महिला दोनों को पकड़कर सुरक्षित स्थान की ओर खींचती नजर आती है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि दोनों पुल पर किस परिस्थिति में पहुंचे थे और उन्होंने नहर में छलांग लगाने की कोशिश क्यों की।

श्री श्याम परिवार सुखी परिवार समिति के 42वें वार्षिकोत्सव की तैयारियां शुरू

नई मंडी में बैठक आयोजित, नए सदस्यों का पटका पहनाकर स्वागत; 1 से 4 अक्टूबर तक होगा श्री श्याम वंदना महोत्सव एवं विशाल शोभायात्रा

मुजफ्फरनगर। श्री श्याम परिवार सुखी परिवार समिति के 42वें वार्षिकोत्सव को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। समिति द्वारा 1 अक्टूबर से 4 अक्टूबर 2026 तक श्री श्याम वंदना महोत्सव एवं विशाल शोभायात्रा का भव्य आयोजन किया जाएगा। इसी क्रम में शुक्रवार को नई मंडी स्थित एक रेस्टोरेंट में समिति के सदस्यों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।
बैठक में समिति से जुड़े सभी नए सदस्यों का पटका पहनाकर स्वागत एवं सम्मान किया गया। इसके बाद समिति पदाधिकारियों ने आगामी 42वें वार्षिक महोत्सव की रूपरेखा के संबंध में विस्तार

से जानकारी दी। कार्यक्रम को भव्य एवं सफल बनाने के लिए सदस्यों से सुझाव भी आमंत्रित किए गए।
इस दौरान नए सदस्यों को समिति के नियमों, उद्देश्यों एवं परंपराओं से भी अवगत कराया गया। उपस्थित सदस्यों ने समिति के प्रति पूर्ण विश्वास व्यक्त करते हुए आगामी श्री श्याम वंदना महोत्सव एवं शोभायात्रा को सफल बनाने के लिए तन-मन-धन से सहयोग करने का आश्वासन दिया। अंत में समिति अध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने सभी उपस्थित सदस्यों का आभार व्यक्त किया और बैठक का समापन किया।
बैठक में मनीष अग्रवाल, संदीप गर्ग, अचिन सागर गर्ग, विदित गुप्ता, राजीव गर्ग, विकास गोयल, अचिन जिंदल, पीयूष मित्तल, नरेंद्र गर्ग, अमित सिंघल, गिरिराज स्वरूप, वंश गोयल, जय बंसल, मनीष जिंदल, सचिन मित्तल, विशाल कुमार, विशाल तायल, संजय अग्रवाल, हर्षित अग्रवाल, मनोज खंडेलवाल, राघव मदान, लोकेश बंसल, सौरभ वर्मा, अमन गर्ग, नितिन अग्रवाल, अवि गर्ग, संजीव वर्मा, नितिन जसोई, विवेक बंसल, राजीव गोयल, दीपांशु गर्ग आदि सदस्य मौजूद रहे।

मीरापुर के नगला खेपड़ में कलयुगी बेटे का मां और भाई पर जानलेवा हमला:हिरासत में आरोपी, जमीन विवाद में बागी हुआ बेटा

पुलिस ने लहूलुहान मां बेटे को अस्पताल में कराया भर्ती

मीरापुर(मुजफ्फरनगर)। थाना क्षेत्र के ग्राम नगला खेपड़ में जमीन के कब्जे और बंटवारे को लेकर पारिवारिक विवाद ने अचानक हिंसक रूप ले लिया। एक कलयुगी पुत्र ने मामूली कहासुनी के बाद आपा खोते हुए अपनी सगी मां और भाई पर धारदार हथियार से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। इस अचानक हुए हमले में मां-बेटे दोनों गंभीर रूप से घायल होकर खून से लथपथ हो गए। घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी और हड़कंप मच गया।

पिता की मौत के बाद जमीन को लेकर विवाद

ग्राम नगला खेपड़ निवासी पीड़ित मोहित (पुत्र स्वर्गीय सुरेश) ने पुलिस को लिखित तहरीर देकर पूरे मामले का खुलासा किया। मोहित ने बताया कि कुछ वर्ष पूर्व उसके पिता की मृत्यु हो गई थी। पिता ने जीवित रहते हुए अपनी कृषि भूमि दोनों पुत्रों मोहित और गुलबीर के नाम बराबर-बराबर बांट दी थी।

पीड़ित मोहित का आरोप है कि पिता के निधन के बाद से ही उसका भाई गुलबीर उसके हिस्से की जमीन पर भी जबरन कब्जा जमाए बैठा था। इसी बात को लेकर दोनों भाइयों के बीच लंबे समय से तनातनी और विवाद चला आ रहा था।

कहासुनी के बाद हुआ जानलेवा हमला

जानकारी के अनुसार, गुरुवार को एक बार फिर जमीन के बंटवारे और कब्जे को लेकर दोनों भाइयों के बीच तीखी बहस हो गई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि गुलबीर ने आपा खो दिया और घर में रखे धारदार हथियार से अपने भाई मोहित और बीच-बचाव करने आई वृद्ध मां नरेशो पर सीधा हमला बोल दिया। हमले में दोनों के शरीर पर गंभीर चोटें आईं और वे लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़े। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर दौड़े।

पुलिस ने घायलों को अस्पताल भिजवाया

घटना की सूचना तुरंत स्थानीय पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही मीरापुर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से घायलों को तत्काल उपचार के लिए जानसठ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) भर्ती कराया, जहां उनका इलाज जारी है।

आरोपी हमलावर गिरफ्तार

मामले की जानकारी देते हुए इंस्पेक्टर इंद्रजीत सिंह ने बताया कि जमीनी विवाद में मां और भाई पर हमले की सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक गुलबीर को हिरासत में ले लिया है। पीड़ित पक्ष की तहरीर के आधार पर मामला दर्ज किया जा रहा है और जांच के बाद नियमानुसार सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

डीएवी इंटर कॉलेज में चित्रकला प्रतियोगिता, विकसित भारत-2047 की संकल्पना को चित्रों में उतारा, डीएवी इंटर कॉलेज में चित्रकला प्रतियोगिता

सेवा संकल्प अभियान के तहत छात्र-छात्राओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों की देश सेवा और सरकार की योजनाओं को चित्रों के माध्यम से किया प्रदर्शित

मुजफ्फरनगर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शनिवार को डीएवी इंटर कॉलेज, आर्य समाज रोड, मुजफ्फरनगर में विकसित भारत-2047 की संकल्पना को लेकर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 25 वर्षों की देश सेवा के दौरान किए गए कार्यों, केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं तथा विकसित भारत की संकल्पना को छात्र-छात्राओं की रचनात्मक प्रतिभा के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाना रहा। प्रतियोगिता में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।
प्रतियोगिता को दो वर्गों में आयोजित किया गया, जिसमें कक्षा 6 से 8 तथा कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। छात्र-छात्राओं ने अपनी चित्रकला के माध्यम से विकसित भारत की परिकल्पना, देश में हो रहे विकास, शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, आवास, डिजिटल तकनीक, सुशासन एवं

विभिन्न सरकारी योजनाओं को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया।
कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा जनपद मुजफ्फरनगर के जिला संयोजक विशाल गर्ग उपस्थित रहे। उन्होंने प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा की सराहना करते हुए उन्हें देश के विकास और राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया।
इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रवीण कुमार शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के कार्य एवं अनुभव में सुशासन के साथ शिक्षा, रोजगार, आवास, डिजिटल इंडिया और स्वास्थ्य सहित विभिन्न क्षेत्रों में विकास कार्य किए गए हैं। उन्होंने कहा कि देश में हुए विकास और परिवर्तन का अनुसरण विश्व के अनेक देश कर रहे हैं। विद्यार्थियों द्वारा इन उपलब्धियों और विकसित भारत की संकल्पना को चित्रों के माध्यम से प्रस्तुत करना सराहनीय पहल है।
कार्यक्रम संयोजक विशाल गर्ग ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जीवन एवं उनके 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन में किए गए कार्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को विकसित भारत-2047 के लक्ष्य के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण होगी।
कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन डीएवी इंटर कॉलेज मुजफ्फरनगर के चित्रकला प्रवक्ता प्रवीण कुमार सैनी ने किया। कला अध्यापक संजीव कुमार एवं सुनील कुमार ने प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका निभाई। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को जिला संयोजक विशाल गर्ग द्वारा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।
इस दौरान विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों ने अपनी कला प्रतिभा का प्रदर्शन करने के साथ-साथ विकसित भारत-2047 के सपने को भी चित्रों के माध्यम से अभिव्यक्त किया।

इंटरव्यू के पहले इन तरीकों से करें रिसर्च

अगर आप किसी कंपनी के लिए जॉब इंटरव्यू के लिए जाते हैं तो इससे पहले आपको कंपनी को लेकर अच्छी-खासी जानकारी होना जरूरी है। यूं तो आमतौर पर अधिकांश कैंडीडेट कंपनी की वेबसाइट सबसे पहले एक्सेस करते हैं लेकिन आज के समय में इसके अलावा भी कई तरीके हैं जिसके जरिए आप कंपनी के बारे में अच्छी जानकारी पा सकते हैं। कंपनी रिप्रेजेंटेटिव से मिलने से पहले इन पांच तरीकों से आप रिसर्च कर सकते हैं -

कंपनी वेबसाइट

सबसे पहले चरण में तो आपको कंपनी की वेबसाइट ही एक्सेस करनी होगी। आप कंपनी की वेबसाइट पर अबाउट अस से लेकर मैनेजमेंट टीम, विजन और मिशन पढ़ सकते हैं। साथ बड़ी कंपनियों की वेबसाइट्स पर उसकी प्रेस रिलीज भी रहती है। साथ ही आप उनके सोशल मीडिया पेजेस पर वे सभी कंटेंट देख सकते हैं जिन्हें उन्होंने शेयर किया है। यह रिसर्च आपको कंपनी क्या करती है, उसमें कितने कर्मचारी है, शीर्ष मैनजमेंट लेवरपर कौन लोग है और कंपनी में हालिया काम क्या चल रहा है, जैसी जानकारी मिल सकती है।

अन्य वेबसाइट्स

विभिन्न प्लेटफॉर्म्स जैसे लिंक्डइन, ग्लासडोर, गूगल न्यूज, जूमइंफो.कॉम एम्प्लॉर्य के बारे में अच्छी जानकारियां मिल जाएंगी। चूंकि ये सभी जानकारियां पुराने और मौजूदा कर्मचारियों ने जनरेट किए है तो यह ऑथेंटिक रहेंगे। साथ ही लिंक्डइन पर विभिन्न फोरम हैं जहां आपको किसी भी सवाल का जवाब मिल सकता है, आप वहां कंपनी के बारे में जान सकते हैं।

सोशल मीडिया

कंपनी के ऑफिशियल फेसबुक और लिंक्डइन पेजेस के अलावा, कंपनी के पिनइंटरेस्ट और इंस्टाग्राम अकाउंड पर भी ऑफिस की गतिविधियों की जानकारी देती होगा। इससे आपको वहां का वर्क कल्चर पता चल सकता है।

न्यूज अपडेट

कंपनी की शुरुआत से पहले कंपनी की प्रोग्रस को न्यूज अपडेट्स के जरिए पड़ना कंपनी की दिशा पर अच्छा प्रकाश डालता है। इससे यह भी पता चलता है कि यह ह्यूमन रिर्सोस के मामले में कैसी कंपनी है। स्थापित कंपनी आपको स्थायित्व प्रदान करेगी लेकिन इसकी एक कठोर प्रक्रिया हो सकती है।

इंडस्ट्री न्यूज

यह भी महत्वपूर्ण है कि आप कंपनी की खबरों का ट्रेक रखें। इंडस्ट्री जर्नल्स, बिजनेस जर्नल्स या न्यूजपेपर्स आपको यह जानकारियां उपलब्ध करा सकता है।

बहुत ही सम्मानजनक होता है शिक्षक का पद, कैसे बने एक अच्छा शिक्षक

एक अच्छा शिक्षक ही सम्पूर्ण देश के भविष्य का निर्माण करता है, आपको बता दे की शिक्षा से ही हमें जीवन में सफलता मिलती है आवर देश में शिक्षा का स्तर जितना अच्छा होगा वह देश उतना ही विकसित होगा, भारत में शिक्षक का पद बहुत ही सम्मानजनक पद होता है, एक अच्छा शिक्षक बनने के लिए व्यक्ति में व्यक्तिगत गुण होने चाहिए, इन व्यक्तिगत गुणों को अच्छे से प्रशिक्षण के द्वारा विकसित किया जाता है, भारत सरकार शिक्षा व्यवस्था में बेसिक स्तर से कॉलेज स्तर तक बदलाव कर रही है, इसी परिवर्तन के द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) का पुनर्गठन किया जा रहा है, अगर आप कॉलेज में लेक्चरर बनने के विषय में पूरी जानकारी प्राप्त करना चाहते है तो पढ़ें।

प्रमोशन के अवसर

कॉलेज प्रोफेसर एक प्रोन्नति प्राप्त करने वाला पद होता है, आपको बता दे की इस पद के लिए सीधे चयन नहीं किया जा सकता है, इसके लिए आपके पास पीएचडी डिग्री के साथ सभी आवश्यक अनुभव होना आवश्यक है, अगर आप एक प्रोफेशर बनाना चाहते है, तो आपको इस क्षेत्र में लेक्चरार के रूप में अपने करियर की शुरुआत करनी आवश्यक होती है, इसके पश्चात आपका प्रोमोशन अनुभव, प्रदर्शन और वरिष्ठता के आधार पर आपको पहले असिस्टेंट प्रोफेसर और बाद में प्रोफेसर के पद पर नियुक्ति प्रदान की जाती है.

सैलरी

एक कॉलेज प्रोफेसर के रूप में 37,400-67,000 रुपये प्राप्त होता है.

कार्य अनुभव

किसी कॉलेज/ यूनिवर्सिटी में न्यूनतम 10 वर्ष तक पढ़ाने का अनुभव होना चाहिए।

असिस्टेंट प्रोफेसर

शैक्षिक योग्यता – पीएचडी डिग्री तथा 55 प्रतिशत अंकों सहित परस्नातक उत्तीर्ण होना चाहिए।
सैलरी – असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में 15,600- 39,100 ग्रेड पे प्राप्त होता है.
कार्य अनुभव – कॉलेज/ यूनिवर्सिटी स्तर पर न्यूनतम 8 वर्ष का शिक्षण अनुभव या रिसर्च का अनुभव होना चाहिए।

लेक्चरार/ जूनियर फैलो रिसर्चर

शैक्षिक योग्यता – लेक्चरार/ जूनियर फैलो रिसर्चर बनने के लिए यूजीसी नेट परीक्षा उत्तीर्ण करना आवश्यक होता है.

कॉलेज टीचर बनने की प्रक्रिया

अगर आप कॉलेज टीचर बनना चाहते है, तो आपको 12वीं की परीक्षा के समय ही फैसला लेना चाहिए, ताकि आप इस दिशा में अपनी तैयारी को अच्छे से कर सके.

स्कूल स्तर पर

कॉलेज में जो भी विषय के आप प्रोफ़ेसर बनना चाहते है आपको उसी के अनुसार इंटरमीडिएट में विषय का चुनाव करना चाहिए, उस विषय के बेसिक कंसेप्ट को अच्छे से क्लियर करने का अधिक से अधिक प्रयास करे, जिससे स्नातक में आपको लाभ मिल सके.

स्नातक स्तर पर

आपको अच्छी तैयारी के लिए स्नातक में आपको वही विषय लेने चाहिए जो विषय आपने इंटरमीडिएट में पहले लिया था इससे आपको उस विषय की अच्छी जानकारी हो जाएगी और परास्नातक में आपको बहुत फायदा होगा, उन विषयों पर पकड़ आपकी इंटरमीडिएट से ही होने के कारण आपको स्नातक में अच्छे अंक प्राप्त हो सकेंगे। यह अंक आपको कॉलेज प्रोफेसर के रूप में स्क्रीनिंग प्रोसेस में बहुत ही लाभकारी सिद्ध होंगे।

परास्नातक स्तर पर

परास्नातक में आपको उस विषय का चयन करना चाहिए जिस विषय पर आपकी पकड़ सबसे अच्छी हो, और आपको रूचि अधिक हो क्योंकि यूजीसी नेट परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए आपको परास्नातक में कम से कम 55 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य है, अतः आपका लक्ष्य इससे अधिक अंक प्राप्त करने का होना आवश्यक है.

परास्नातक के बाद

परास्नातक पास करनें के बाद आपको यूजीसी नेट परीक्षा की तैयारी शुरू कर देनी चाहिए और इसके साथ ही आप एमफिल अथवा पीएचडी डिग्री के लिए अपने विषय में रिसर्च करने के लिए आवेदन कर सकते है, यहाँ पर इस बात का ध्यान रखना चाहिए की कॉलेज टीचर के रूप में चयनित होने के लिए यूजीसी नेट क्लियर करना जरुरी है, किन्तु आपको अपने विषय में डॉक्टरेट होना भी अत्यंत लाभदायक होता है, यदि आपका लेक्चरार या असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में चयन हो जाता है, तो आपको प्रोफेसर पद पर प्रमोशन प्राप्त करने के लिए पीएचडी डिग्री का होना अनिवार्य है, इसलिए आपको नेट की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद पीएचडी डिग्री करना बहुत ही आवश्यक है.

यूजीसी नेट परीक्षा

यूजीसी नेट का अर्थ है विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की नेशनल एलिजिबिलिटी टेस्ट, इस परीक्षा का आयोजन राष्ट्रीय स्तर पर किया जाता है, इस परीक्षा को सफलता पूर्वक पास करने के बाद सरकारी कॉलेजों में नियुक्ति के लिए यूजीसी के द्वारा स्क्रीनिंग की जाती है, इस परीक्षा का आयोजन वर्ष में दो बार जून तथा दिसंबर में किया जाता है, इसके माध्यम से लेक्चरारशिप तथा जूनियर रिसर्च फैलोशिप के लिए अभ्यर्थियों की स्क्रीनिंग की जाती है.

आयु सीमा

लेक्चरार पद के लिए कोई आयु निर्धारित नहीं की गयी है, परन्तु जूनियर रिसर्च फैलोशिप के लिए अभ्यर्थी के लिए आयु 21 से 28 वर्ष के बीच में होनी चाहिए, एससी/ एसटी/ ओबीसी अभ्यर्थियों को आरक्षण के नियमानुसार छूट प्रदान की जाती है.

दुनियाभर में भारत की नर्सों की बढ़ी डिमांड

भर-भर कर मिल रही जॉब और सैलरी

भारतीय नर्सों की डिमांड दुनियाभर में बढ़ रही है। भारत के मुकाबले नर्सों को यूरोप और अमेरिका जैसे देशों में लाखों रुपये महीने सैलरी मिल रही है। नर्सों की सबसे ज्यादा कमी विकसित देशों में देखी जा रही है।

भारतीय नर्सों की डिमांड दुनियाभर में बढ़ रही है। भारत के मुकाबले नर्सों को यूरोप और अमेरिका जैसे देशों में लाखों रुपये महीने सैलरी मिल रही है। नर्सों की सबसे ज्यादा कमी विकसित देशों में देखी जा रही है। बता दें कि पिछले साल 70 हजार से 1 लाख भारतीय नर्सें विदेश गई हैं। वहीं इस साल उनकी डिमांड 15-30% बढ़ने वाली है। एक्सपर्ट की मानें, तो आने वाले सालों में नर्सों की डिमांड बढ़ने वाली है। क्योंकि बूढ़ी होने वाली आबादी के कारण कई देश देखभाल के लिए नर्स चाहते हैं। इटली, जर्मनी और जापान जैसे देशों में बड़ी संख्या में नर्सों की भर्ती की जा रही है। वहीं ब्रिटेन, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा जैसे देशों में भी नर्सों की नौकरियों की भरमार है। वहीं नर्सों को नौकरी देने वाले देशों में कतर, संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब आदि शामिल हैं। यह नर्स बनने के लिए सबसे अच्छा समय माना जा रहा है। दुनियाभर में करीब 6,40,000 के करीब नर्सें काम कर रही हैं।

नर्सों की कमी

एक्सपर्ट की मानें, तो भारतीय नर्सों की मांग विदेशों में काफी बढ़ी है। महीने दर महीने 20-30 न्न भारतीय नर्सों की मांग में वृद्धि हुई है। यह दिखाता है कि एक साल में नर्सों की डिमांड दोगुना हो सकती है। दुनियाभर में नर्सिंग प्रोफेशनल्स की कमी है। ङ्ख॥ह्र के अनुसार, साल 2030 तक 45 लाख नर्सों की जरूरत होगी। वहीं सबसे ज्यादा भारतीय नर्सों को हायर विकसित देश कर रहे हैं।

विदेश में मिल रही अच्छी सैलरी

क्वालिफाइड नर्सों के लिए विदेश में नौकरी पाना काफी आसान है। क्योंकि विदेश में उनको अच्छी सैलरी मिल रही है, साथ ही बढ़िया क्वालिटी ऑफ लाइफ, सिक्योरिटी और प्रोफेशनल ग्रोथ भी मिल रहा है। भारत की तुलना में विदेशों में भारतीय नर्सों को औसतन सात से दस गुना अधिक सैलरी मिलती है। वहीं पर्चेचिंग पावर पैरिटी के आधार पर भारत की तुलना में विदेश में मिलने वाली सैलरी तीन से पांच गुना ज्यादा है।

कैसे बने प्रोफेशनल फोटोग्राफर

आज के समय मे लोगो को सेल्फी लेने का शोक बहुत तेजी से बढ़ता जा रहा है। और इसी के साथ प्रोफेशनल फोटोग्राफर की डिमांड भी तेजी से बढ़ती जा रही है फोटो क्वालिटी में हर दिन सुधार हो रहा है, इसलिए नए कैमरों में पिक्सल की संख्या बढ़ायी जा रही है, इस समय हाई लेवल पिक्सल कैमरे की जानकारी रखने वाले प्रोफेशनल फोटोग्राफर की मांग बहुत अधिक है, इसलिए फोटोग्राफी को करियर के रूप में अपना कर अच्छी कमाई की जा सकती है। अगर आप भी फोटो लेने व सेल्फी लेने के शोकीन है और इस क्षेत्र मे अपना करियर बनाना चाहते है तो पूरी जानकारी विस्तार से बताई गई है।

शैक्षणिक योग्यता

फोटोग्राफर के क्षेत्र में जाने के लिए आपको इंटर की परीक्षा पास होना आवश्यक है, इसको डिग्री के रूप में प्राप्त करनें के लिए फाइन आर्ट्स विषय के अंतर्गत एक वैकल्पिक स्नातक उपाधि प्राप्त की जा सकती हैं,। कुछ कॉलेज इसे तीन वर्षीय स्नातक के रूप में करवाते है, और कुछ इसे पार्ट टाइम करवाते हैं।
प्रोफेशनल फोटोग्राफर की विशेष योग्यता इस क्षेत्र में व्यक्ति को प्रत्येक क्षण होने वाली घटनाओं में क्या विशेष हैं, इसको खोजना आना चाहिए। व्यक्ति में कलात्मक, पारखी नज़र व टेक्निकल नॉलेज का होना भी आवश्यक है। एक सफल फोटोग्राफर बननें के लिए कड़ी मेहनत और संयम बहुत आवश्यक है। व्यक्ति में एक ही समय में क्लाइंट, एडवर्टाइज़र, पब्लिशिंग एजेंसी और डिज़ाइनर के साथ आसानी से डील करना आना चाहिए।

फोटोग्राफर के क्षेत्र

फोटो जर्नलिस्ट– अगर आपको साहसिक कार्य पसंद हैं और कार्य को करनें के लिए समय की परवाह नहीं करतें हैं, तो इस क्षेत्र में आप बिलकुल ही उपयुक्त हैं। फोटो जर्नलिस्ट को प्रेस में रोज़ाना होनें वाली घटनाओं और न्यूज़ से संबंधित फोटोग्राफ्स देने होते है।
फीचर फोटोग्राफर्स – फीचर फोटोग्राफर्स को फोटोग्राफ्स के माध्यम से कहानी को समझाना होता है, इसमे करियर बनाने के लिए आपको अपने विषय की गहरी जानकारी होनी चाहिए।
फैशन व एडवर्टाइज़िंग फोटोग्राफी – फैशन व एडवर्टाइज़िंग फोटोग्राफी के अंतर्गत फोटोग्राफर्स को फैशन हाउस, डिज़ाइनर्स या मॉडल्स के साथ काम करना होता है, इसकें लिए लेटेस्ट फैशन, ट्रेंड की जानकारी होनी आवश्यक हैं।
इवेंट फोटोग्राफी– इसमें फोटोग्राफर को शादी, स्पोर्ट्स, फैमिली फंक्शन में फोटोग्राफी करते हुए अच्छी इनकम के साथ इवेंट एन्जॉय करने का भी अवसर प्राप्त होता है।
वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर्स – वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर्स के अंतर्गत व्यक्ति को प्रकृति और वन्य जीवो के बीच में रहकर फोटोग्राफी करनी होती हैं, वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी एक रोमांचक करियर ऑप्शन है।

सैलरी

फोटोग्राफी के क्षेत्र में आप स्वयं का स्टूडियो खोल सकते हैं या किसी प्रोफेशनल फोटोग्राफर के साथ असिस्टेंट के रूप में कार्य कर सकते है। फ्रेशर के रूप में आपकी इनकम 5000 से 8000 रुपये के मध्य हो सकती है, अगर आप स्वयं का स्टूडियो खोल रहें है, तो आप 100,000 से 500,000 रु0 इन्वेस्ट करके 20000 से 35000 रु0 प्रतिमाह तक कमाई कर सकते है। जो की आपके काम और मेहनत पर निर्भर करता है।

द्वारका में बनेगा 152 करोड़ का 'दिल्ली सदन', सीएम रेखा गुप्ता ने दी मंजूरी; 21 महीने में होगा तैयार

सुरक्षित और कम खर्च में ठहरने की सुविधा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार द्वारका में करीब 152 करोड़ रुपये की लागत से 'दिल्ली सदन' का निर्माण कराएगी। यह राज्य अतिथि गृह देश-विदेश से दिल्ली आने वाले गणमान्य लोगों, सरकारी अधिकारियों और अन्य सरकारी अतिथियों के ठहरने के लिए बनाया जाएगा। दिल्ली सरकार के पास अभी अपना कोई समर्पित राज्य अतिथि गृह नहीं है। ऐसे में बाहर से आने वाले अतिथियों के ठहरने और उनकी मेजबानी में कई बार परेशानी होती है।

प्रस्तावित दिल्ली सदन का निर्माण द्वारका के सेक्टर-19 में भूखंड संख्या-5 पर किया जाएगा। इसके लिए करीब 3,899.42 वर्गमीटर जमीन उपलब्ध है। अधिकारियों के मुताबिक, यहां आधुनिक सुविधाओं से युक्त ऐसा भवन तैयार किया जाएगा, जिसमें सरकारी अतिथियों के लिए सुरक्षित और सुविधाजनक ठहरने की व्यवस्था होगी। परियोजना को दिल्ली सरकार की व्यय वित्त समिति की हाल में हुई बैठक में मंजूरी मिली है। बैठक की अध्यक्षता मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने की। पर्यटन विभाग की सिफारिशों पर विस्तृत विचार-विमर्श के बाद समिति ने इस प्रस्ताव को स्वीकृति दी।

अधिकारियों के अनुसार, दिल्ली सरकार को आधिकारिक बैठकों, सम्मेलनों और अन्य

सरकारी कार्यक्रमों के लिए बड़ी संख्या में देश के अलग-अलग हिस्सों के साथ ही विदेशों से भी अतिथियों की मेजबानी करनी पड़ती है।

ऐसे में अपना अतिथि गृह होने से उनके लिए ठहरने की बेहतर व्यवस्था उपलब्ध होगी। इससे सरकारी अतिथियों को विश्वसनीय, सुरक्षित और कम खर्च में आवास उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

भवन में दिखेगी मध्यकालीन दिल्ली की विरासत दिल्ली सदन के भवन में मध्यकालीन दिल्ली की स्थापत्य विरासत की झलक भी देखने को मिलेगी। यानी भवन की बनावट में दिल्ली के ऐतिहासिक स्वरूप से जुड़े वास्तु तत्वों को शामिल किया जाएगा। इस परियोजना के लिए जमीन मार्च 2020 में दिल्ली विकास प्राधिकरण ने पर्यटन विभाग को आवंटित की थी।

अब वित्तीय मंजूरी मिलने के बाद निर्माण की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। संबंधित एजेंसियों से जरूरी स्वीकृतियां मिलने के बाद परियोजना को पूरा करने में करीब 21 महीने लगने की उम्मीद है। इस परियोजना के लिए पूर्व की आम आदमी पार्टी ने भी प्रयास किया था, मगर विभिन्न कारणों से योजना आगे नहीं बढ़ सकी थी।

सावधान! बिना डायबिटीज के भी किडनी खराब कर सकता है मोटापा, एम्स दिल्ली की स्टडी में आया सामने

नई दिल्ली, एजेंसी। डायबिटीज नहीं है तो भी मोटापे को किडनी के लिए पूरी तरह सुरक्षित नहीं माना जा सकता। शरीर में अतिरिक्त चर्बी बढ़ने के साथ किडनी के आसपास जमा चर्बी भी बढ़ सकती है और इससे किडनी की कार्यप्रणाली प्रभावित होने का खतरा रहता है।

शुरुआत में इसका असर सामान्य किडनी जांच में स्पष्ट पता नहीं चलता। ढ्ढष्टरूक्र से फंडेड परियोजना से जुड़े एम्स के शोध में मोटापे, मेटाबॉलिक स्वास्थ्य और किडनी के आसपास जमा चर्बी के बीच संबंध सामने आया है।

एम्स के मेडिसिन विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अमनदीप सिंह के नेतृत्व में हुए शोध में 160 वयस्कों को शामिल किया गया। अध्ययन में मोटापे की अलग-अलग स्थिति वाले लोगों में किडनी के आसपास जमा रेनल साइनस फैट और किडनी से जुड़े बायोमार्कर का आकलन किया गया। मेटाबॉलिक रूप से अस्वस्थ मोटे लोगों में 77 प्रतिशत में अधिक रेनल साइनस फैट पाया गया, जबकि मेटाबॉलिक रूप से स्वस्थ मोटे लोगों में यह

55 प्रतिशत था।

डॉ. अमनदीप सिंह के अनुसार, दो लोगों का समान होने के बावजूद उनके शरीर में चर्बी के जमा होने का स्थान अलग हो सकता है। कुछ लोगों में किडनी के आसपास अधिक चर्बी जमा हो सकती है।

इसलिए केवल वजन या देखकर किडनी पर मोटापे के प्रभाव का आकलन करना पर्याप्त नहीं है। मोटापे के साथ रक्तचाप, रक्त शर्करा और किडनी से जुड़े संकेतों पर भी ध्यान देना आवश्यक है।

शोध में मोटापे की अधिकता के साथ एनजीएएल नामक बायोमार्कर का स्तर बढ़ने के संकेत भी मिले। एनजीएएल किडनी की चोट और सूजन से जुड़ा प्रोटीन है।

इसका बढ़ा स्तर किडनी में शुरुआती बदलाव का संकेत दे सकता है। हालांकि, मोटापे से जुड़े किडनी जोखिम की नियमित जांच के लिए एनजीएएल को अभी स्थापित जांच नहीं माना जाता है।

शोध के अनुसार किडनी में आरंभिक बदलाव केवल डायबिटीज से जुड़े नहीं हैं। मोटापा भी किडनी की कार्यप्रणाली को प्रभावित करने वाला एक कारक हो सकता है।

आरंभिक चरण में किडनी की रक्त को छानने की क्षमता कुछ समय के लिए बढ़ सकती है। ऐसे में सामान्य किडनी फंक्शन जांच सामान्य दिखाई दे सकती है, जबकि किडनी सामान्य से अधिक काम कर रही हो।

डॉ. अमनदीप सिंह के अनुसार डायबिटीज नहीं है तो भी बढ़ते वजन को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। वजन नियंत्रित रखना, रक्तचाप और रक्त शर्करा की समय-समय पर जांच कराना तथा चिकित्सकीय सलाह के अनुसार किडनी की जांच कराना आवश्यक है। समय पर जांच और सतर्कता से किडनी की कार्यप्रणाली में होने वाले शुरुआती बदलावों को पहचानने में मदद मिल सकती है।

संक्षिप्त समाचार

ट्रैफिक ब्लॉक स्थगित; अब पुराने रूट पर चलेंगी नंदा देवी-छत्तीसगढ़ समेत 7 ट्रेनें

नई दिल्ली, एजेंसी। गाजियाबाद यार्ड में उन्नयन कार्य के लिए शनिवार को लिया जाने वाला साढ़े सात घंटे का ट्रैफिक ब्लॉक फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। इसके चलते जिन ट्रेनों के मार्ग में बदलाव की घोषणा की गई थी, अब वे अपने निर्धारित रूट पर ही चलेंगी। रेलवे ने यात्रियों को राहत दी है। शनिवार को गाजियाबाद यार्ड में उन्नयन कार्य के कारण सात ट्रेनों के मार्ग में बदलाव किया गया था। अब इन सभी ट्रेनों को उनके नियमित मार्ग से चलाने का निर्णय लिया गया है। कोटा-देहरादून नंदा देवी एक्सप्रेस (12401) मुंबई बांद्रा टर्मिनल-हरिद्वार एक्सप्रेस (19019) साबरमती-योग नगरी ऋषिकेश एक्सप्रेस (19031) अमृतसर-मुंबई बांद्रा टर्मिनल एक्सप्रेस (12904) देहरादून-कोटा नंदा देवी एक्सप्रेस (12402) अमृतसर-बिलासपुर छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस (18238) कोटद्वार-आनंद विहार टर्मिनल एक्सप्रेस (14090) बाद में होगा यार्ड का अपग्रेडेशन रेलवे अधिकारियों के अनुसार, गाजियाबाद यार्ड में उन्नयन कार्य बाद में किया जाएगा। इसके लिए नई तिथि निर्धारित होने के बाद आवश्यकता के अनुसार ट्रेनों के मार्ग में बदलाव किया जाएगा। यात्रियों को इसकी सूचना समय पर उपलब्ध कराई जाएगी।

दिल्ली के 75 स्कूलों में बनेंगे हेरिटेज क्लब, किताबों से बाहर इतिहास सीखेंगे छात्र

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के सरकारी स्कूलों के विद्यार्थी अब इतिहास को केवल किताबों में पढ़ने के बजाय उसे अपने आसपास देखकर और समझकर सीखेंगे। दिल्ली सरकार ने 75 सीएम श्री स्कूलों में हेरिटेज क्लब शुरू करने की पहल की है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को इन क्लबों की शुरुआत की। इन क्लबों के माध्यम से विद्यार्थियों को दिल्ली की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और स्थापत्य विरासत से जोड़ने के लिए पूरे वर्ष अलग-अलग गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। हेरिटेज क्लबों के तहत विद्यार्थियों को दिल्ली के ऐतिहासिक स्थलों, संग्रहालयों, अभिलेखागार और पुस्तकालयों का भ्रमण कराया जाएगा। इस दौरान उन्हें संबंधित स्थान के इतिहास और उसके महत्व की जानकारी दी जाएगी। इसके अलावा विद्यार्थी विरासत से जुड़े विषयों पर प्रश्नोत्तरी, पोस्टर और चित्रकला प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेंगे। स्कूलों में प्रदर्शनियां लगाने के साथ ही ऐतिहासिक स्मारकों की प्रतिकृतियां तैयार करने और स्थानीय इतिहास पर परियोजनाएं बनाने की गतिविधियां भी होंगी। क्लब की गतिविधियों को केवल भ्रमण तक सीमित नहीं रखा गया है। विद्यार्थियों को डिजिटल माध्यम से कहानी कहने, लघु वृत्तचित्र तैयार करने और अपने क्षेत्र के इतिहास को समझने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाएगा। स्थानीय बुजुर्गों से बातचीत कर पुरानी परंपराओं, घटनाओं और स्थानीय इतिहास से जुड़ी जानकारियां जुटाने का काम भी विद्यार्थी कर सकेंगे। इससे स्थानीय स्तर पर मौजूद ऐसे इतिहास को सामने लाने का प्रयास होगा, जो आमतौर पर किताबों में विस्तार से दर्ज नहीं होता। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि बच्चों को इतिहास से जोड़ने के लिए केवल पाठ्यपुस्तकें पर्याप्त नहीं हैं। उन्हें अपनी जड़ों, शहर की संस्कृति और विरासत को करीब से देखने का अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि दिल्ली का इतिहास बेहद समृद्ध है और विद्यार्थियों को अपने आसपास मौजूद ऐतिहासिक इमारतों और स्थलों के महत्व की जानकारी होनी चाहिए।

बदलने वाली है दिल्ली की तस्वीर, पार्किंग से लेकर ट्रैफिक और झुग्गियों के पुनर्विकास पर मंथन

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के मास्टर प्लान-2047 को लागू करने की दिशा में डीडीए ने वास्तुकारों, नगर नियोजकों और अन्य विशेषज्ञों के साथ छठे और सातवें दौर की चर्चा की।

बैठक में राजधानी में बढ़ती पार्किंग और यातायात की समस्या, पुराने इलाकों के पुनर्विकास, जमीन के बेहतर इस्तेमाल और झुग्गी बस्तियों के उसी स्थान पर पुनर्विकास से जुड़े प्रविधानों पर सुझाव लिए गए। डीडीए ने विशेषज्ञों को मास्टर प्लान में प्रस्तावित विकास नीतियों और उनके क्रियान्वयन की प्रक्रिया की जानकारी दी।

बैठक में सार्वजनिक परिवहन आधारित विकास, जमीन को एकत्र कर नियोजित विकास, अधिक घनत्व वाले गलियारे और कम घनत्व वाले क्षेत्र से जुड़े प्रविधानों को विस्तार से समझाया गया।

जमीन एकत्रीकरण नीति के तहत अलग-अलग मालिकों की जमीन को एक साथ लेकर नियोजित विकास करने की व्यवस्था पर चर्चा हुई। डीडीए ने बताया कि इस प्रक्रिया में नई सड़कों और अन्य जरूरी बुनियादी सुविधाओं का नेटवर्क विकसित किया जाएगा।

सार्वजनिक परिवहन आधारित विकास के तहत बस, मेट्रो जैसे परिवहन साधनों के आसपास अधिक नियोजित विकास का प्रविधान है। बैठक में किफायती आवास वाले क्षेत्रों तथा शहरी विस्तार मार्ग-2 के दोनों ओर अधिक घनत्व वाले गलियारे विकसित करने की योजना पर भी जानकारी दी गई। इसके अलावा कम घनत्व वाले क्षेत्रों और पहले से विकसित आवासीय, वाणिज्यिक तथा औद्योगिक इलाकों के पुनर्विकास से संबंधित नियमों पर चर्चा हुई। मास्टर प्लान में यमुना और उसके बाढ़ क्षेत्र से जुड़े ओ-जोन के प्रविधानों पर भी विशेषज्ञों को जानकारी दी गई। इसमें यमुना और बाढ़ क्षेत्र के पुनर्जीवन से जुड़े नियोजन पहलुओं पर चर्चा हुई। साथ ही ऐतिहासिक इमारतों और स्थलों के संरक्षण, व्यापक यातायात योजना तथा हस्तांतरणीय विकास अधिकार से संबंधित प्रविधान भी बैठक के एजेंडे में रहे।

जबरन पाबंदी, शराब की लत का इलाज नहीं': शराबबंदी पर सुप्रीम कोर्ट ने सरकारों को दी सख्त चेतावनी

नई दिल्ली :, एजेंसी। शराब की त्रासदियों पर अंकुश लगाने के महाराष्ट्र के प्रयास पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को चेतावनी दी कि जबरन संयम शराब की लत का इलाज नहीं है. शीर्ष अदालत ने 'महाराष्ट्र पॉइजन्स रूल्स' के उन प्रावधानों को रद्द कर दिया, जिसके तहत जहरीली शराब की त्रासदियों को रोकने के लिए गैर-दवा निर्माताओं को बेचने से पहले मेथनॉल में एक विशेष रंग और कड़वा पदार्थ मिलाना अनिवार्य किया गया था. मेथनॉल में कड़वे और रंगीन पदार्थों को मिलाने की निरर्थकता पर जोर देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने प्रसिद्ध लेखक मार्क टवेन का हवाला दिया, जिन्होंने कहा था, 'ऐसे सबूत सामने आए हैं जो साबित करते हैं कि शराबबंदी केवल नशे को दरवाजों के पीछे और अंधेरी जगहों पर धकेलती है, यह इसे ठीक नहीं करती या कम भी नहीं करती है.' जस्टिस जे बी पारदीवाला और जस्टिस के विनोद चंद्रन की पीठ ने माना कि मुंबई में एक बड़ी जहरीली शराब त्रासदी के बाद 2011 की अधिसूचना के माध्यम से 'महाराष्ट्र पॉइज़न्स रूल्स' में शामिल किए गए नियम 18ए और 18बी, संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) और 19(1)जी) (आजीविका/व्यापार का अधिकार) का उल्लंघन करते हैं.

एम्स दिल्ली में बाल से भी महीन नसों का ऑपरेशन शुरू

कैंसर-डायबिटिक फुट के मरीजों के लिए वरदान

नई दिल्ली, एजेंसी। शरीर के अंदर मौजूद बेहद बारीक रक्त और लसीका नसों की सर्जरी अब एम्स में नई तकनीक से संभव होगी। इन नसों का आकार कई बार सिर्फ 0.3 से 0.5 मिलीमीटर होता है, जिन्हें सामान्य माइक्रोसर्जरी से जोड़ना संभव नहीं होता।

एम्स के प्लास्टिक, रिकंस्ट्रक्टिव एंड बर्न्स सर्जरी विभाग ने सुपर माइक्रोसर्जरी की शुरुआत की है। इसके तहत बाल से तीन से पांच गुना तक पतले टांकों से बेहद छोटी नसों को जोड़ा जाएगा। अब तक छह मरीजों पर यह किया जा चुका है। सुपर माइक्रोसर्जरी को माइक्रोसर्जरी का सबसे उन्नत स्वरूप माना जाता है। सामान्य माइक्रोसर्जरी में कुछ मिलीमीटर चौड़ी रक्त वाहिकाओं को जोड़ा जाता है, जबकि इसमें 0.8 मिलीमीटर से छोटी नसों पर काम किया जाता है। कुछ वाहिकाएं 0.3 से 0.5 मिलीमीटर तक की होती हैं। इनके लिए इस्तेमाल होने वाले टांके बाल की एक लट से तीन से पांच गुना तक पतले होते हैं। इतनी बारीक सर्जरी के लिए अत्याधुनिक और अत्यधिक क्षमता वाले सर्जिकल माइक्रोस्कोप के साथ विशेष रूप से तैयार किए गए बेहद महीन उपकरणों का इस्तेमाल किया जाता है। आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में छह सर्जरी की गईं। इनमें फाइलेरिया से प्रभावित मरीज की लसीका नसों की सुपर माइक्रोसर्जरी शामिल रही। स्तन कैंसर के उपचार के बाद हाथ में होने वाली सूजन यानी लिम्फेडिमा के उपचार के लिए भी इस तकनीक का इस्तेमाल किया गया। इसके अलावा लंबे समय से न भरने वाले डायबिटिक फुट के घाव का सुपर माइक्रोसर्जिकल पुनर्निर्माण किया गया। इसमें बेहद पतले त्वचा फ्लैप का इस्तेमाल किया गया। सुपर माइक्रोसर्जरी में सर्जन के लिए सबसे बड़ी चुनौती इतनी छोटी रक्त और लसीका नसों की पहचान करना है।

केमिस्ट संगठन ने उठाए ये सवाल

मेडिकल स्टोरों पर सीसीटीवी अनिवार्य करने पर भड़के केमिस्ट, बोले- छोटे दुकानदारों पर बढ़ेगा बोझ; डेटा लीक का खतरा

नई दिल्ली, एजेंसी। दवाओं की बिक्री में पारदर्शिता और नियम पालन के नाम पर सभी मेडिकल स्टोरों में सीसीटीवी कैमरा अनिवार्य

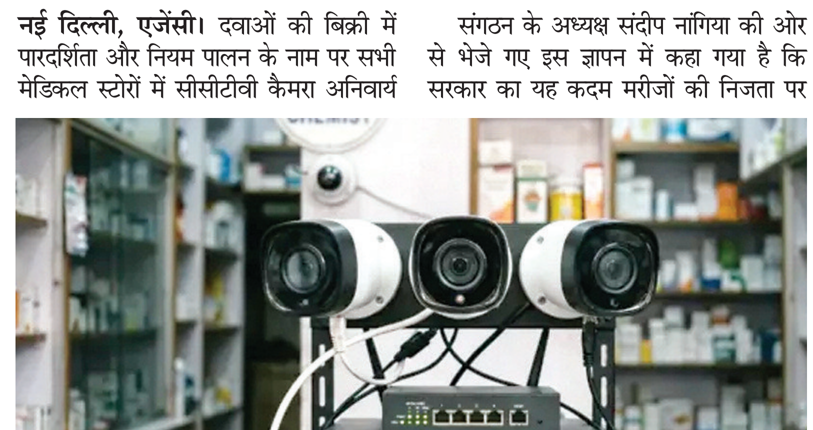

करने के केंद्र सरकार के प्रस्तावित कदम पर दवा विक्रेताओं ने कड़ा ऐतराज जताया है।

रिटेल डिस्ट्रीब्यूशन केमिस्ट अलायंस-वन दिल्ली (आरडीसीए वन दिल्ली) ने केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को पत्र भेजकर इस प्रस्ताव को वापस लेने या इसमें व्यावहारिक संशोधन करने की मांग की है।

संगठन के अध्यक्ष संदीप नांगिया की ओर से भेजे गए इस ज्ञापन में कहा गया है कि सरकार का यह कदम मरीजों की निजता पर सीधा हमला है। दवा दुकान केवल सामान बेचने का स्थान नहीं, बल्कि एक ऐसा केंद्र है जहां मरीज या उनके परिजन गंभीर, गुप्त और संवेदनशील बीमारियों के बारे में फार्मासिस्ट से खुलकर चर्चा करते हैं। केमिस्ट एसोसिएशन ने कहा कि सरकार ड्रग्स रूल्स, 1945 के तहत प्रस्तावित नियम 65(2ए) को लागू करने से पहले सभी संबंधित पक्षों से व्यापक विचार-विमर्श करे। संस्था का कहना है कि सीसीटीवी कागजी बिलों और डॉक्टरों के पर्चों (प्रिस्क्रिप्शन) का विकल्प नहीं बन सकता, इसलिए इसे जबरन लागू करने के बजाय जोखिम-आधारित और व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाया जाना चाहिए। यौन स्वास्थ्य, मानसिक रोग, महिलाओं और बुजुर्गों से जुड़ी बीमारियों की दवाएं लेते समय संवाद की रिकार्डिंग होने से मरीज सहज नहीं रह पाएंगे। वे फार्मासिस्ट को अपनी स्थिति बताने में हिचकिचाएंगे। डेटा सुरक्षा पर संशयः सीसीटीवी की तीन महीने की रिकार्डिंग को सुरक्षित रखने की व्यवस्था में इस बात का कोई स्पष्ट उल्लेख नहीं है कि इस संवेदनशील डेटा को कौन देखेगा, कौन ट्रांसफर करेगा या इसके लीक होने पर कौन जिम्मेदार होगा। यह नियम सभी दुकानों पर समान रूप से थोपना ठीक नहीं है। बड़े मेडिकल स्टोरों के लिए यह आसान हो सकता है, लेकिन गली-मोहल्लों के छोटे दुकानदारों के लिए उपकरण और रखरखाव का खर्च उठाना मुश्किल होगा।

उत्तर-पश्चिम में सबसे ज्यादा गर्मी का दबाव, दक्षिण में सूखा, पूर्वोत्तर में बदलता वर्षा का मिजाज

भारत में तेजी से बढ़ रहे गर्मी के हॉटस्पॉट, 52 साल में 40% तक फैला दायरा; उत्तर-पश्चिम सबसे ज्यादा प्रभावित

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में अब सिर्फ तापमान ही नहीं बढ़ रहा, बल्कि अत्यधिक गर्मी की चपेट में आने

वाला क्षेत्र भी लगातार फैल रहा है। 52 वर्षों (1971-2022) के मौसम विभाग के आंकड़ों के अध्ययन में सामने आया है कि मध्य और उत्तर-पश्चिम भारत में अत्यधिक तापमान की चपेट में आने वाला क्षेत्र हर दशक में 20 से 40 प्रतिशत तक बढ़ा है। पहले जहां गर्मी के छोटे-छोटे क्षेत्र दिखाई देते थे, वहीं अब ये बड़े और आपस में जुड़े इलाकों में बदल रहे हैं। गर्मी और उमस का खतरनाक मेल भी तटीय इलाकों से आगे बढ़कर देश के अंदरूनी हिस्सों तक पहुंच रहा है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग और राष्ट्रीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान केंद्र के विज्ञानियों के इस अध्ययन में मौसम की चरम स्थितियों को समझने के लिए सात अलग-अलग संकेतकों को शामिल किया गया। इनमें दिन की गर्मी, उमस भरी गर्मी, लू की गंभीरता और सूखे जैसी स्थितियां शामिल हैं।

अध्ययन में 1971 से 2022 तक के आंकड़ों के आधार पर इन बदलावों का विश्लेषण किया गया। सितंबर 2026 में अध्ययन पीयर-रिव्यूड ''इंटरनेशनल जर्नल आफ क्लाइमेटोलाजी'' में भी प्रकाशित हुआ है। है। इसमें 52 वर्षों के अवलोकनों पर आधारित एक एकल ''इंडिया क्लाइमेट एक्सट्रीम्स इंडेक्स'' तैयार करने के लिए दिन की गर्मी, आर्द्र गर्मी, लू की गंभीरता और सूखे सहित सात अलग-अलग खतरों को शामिल किया गया है।

अध्ययन में उत्तर-पश्चिम भारत को अत्यधिक गर्मी का प्रमुख क्षेत्र बताया गया है। यहां दिन के तापमान, उमस भरी गर्मी और लू की गंभीरता में सबसे तेज बढ़ोतरी देखी गई।

1980 के दशक में जो गर्मी के क्षेत्र अलग-अलग स्थानों पर सीमित थे, वे 2010 के दशक तक बड़े और लगातार जुड़े गर्मी वाले क्षेत्रों में बदल गए। मध्य भारत में भी गर्मी के दबाव वाले क्षेत्र बढ़े हैं।

देश के अलग-अलग हिस्सों में जलवायु बदलाव का असर अलग तरीके से सामने आ रहा है। दक्षिण भारत में सूखे का दबाव बढ़ रहा है। ओडिशा, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु के पूर्वी तटीय इलाकों में लंबे समय तक सूखे की स्थिति वाले क्षेत्र सामने आए हैं। वहीं पूर्वोत्तर में एक ओर कम समय में बहुत अधिक वर्षा हो रही है, तो दूसरी ओर सूखे के दौर भी देखने को मिल रहे हैं।

दिल्ली में गैंगरेप के बाद हत्या पर महिला आयोग का एक्शन, दिल्ली पुलिस को नोटिस; 7 दिन में मांगी स्टेटस रिपोर्ट

नईदिल्ली, एजेंसी। स्वरूप नगर में किशोरी की कथित सामूहिक दुष्कर्म के बाद हत्या के मामले में राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने स्वत: संज्ञान लिया है। आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने दिल्ली पुलिस आयुक्त को पत्र लिखकर मामले की समयबद्ध और गंभीरता से जांच कराने को कहा है। आयोग ने सात दिन के भीतर पुलिस से कार्रवाई की रिपोर्ट भी मांगी है। एनसीडब्ल्यू ने सभी फोरेंसिक साक्ष्यों को सुरक्षित रखने और आरोपितों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने पर जोर दिया है। आयोग ने पॉक्सो अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत उचित कार्रवाई करने को कहा है। आयोग ने 16 से 18 वर्ष की आयु के आरोपितों के मामले में किशोर न्याय अधिनियम की धारा 15 के तहत प्रारंभिक मूल्यांकन किए जाने की बात भी कही है। एनसीडब्ल्यू ने पीड़िता के परिवार की सुरक्षा के साथ कानूनी सहायता, परामर्श और मुआवजा उपलब्ध कराने की आवश्यकता जताई है। आयोग ने पुलिस से मामले में अब तक हुई कार्रवाई की विस्तृत रिपोर्ट सात दिन के भीतर उपलब्ध कराने को कहा है। पुलिस ने मामले में तीन नाबालिगों समेत चार आरोपितों को पकड़ा है। पुलिस के अनुसार, आरोपितों के पास से दो चाकू, वारदात के समय पहने गए कपड़े और टेंपो बरामद किया गया है। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त लोकेश वरन के अनुसार, घटनास्थल और आसपास के रास्तों पर लगे 50 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई। फुटेज में घटना के आसपास एक संदिग्ध टेंपो की आवाजाही दिखाई दी। अंधेरा होने के कारण उसका नंबर स्पष्ट नहीं हो सका, जिसके बाद अलग-अलग कैमरों की फुटेज जोड़कर टेंपो के रूट का पता लगाया गया। पुलिस के अनुसार, 15 सितंबर की रात टेंपो खड्डा कॉलोनी में खड़ा मिला। चालक की पहचान कर पूछताछ के बाद तीन नाबालिगों समेत चार आरोपितों को पकड़ा गया। 13 सितंबर की सुबह स्वरूप नगर थाना पुलिस को कुशक रोड स्थित लाल बाउंड्री के पास जयपाल राणा के खेत के समीप खुले मैदान में क्षत-विक्षत हालत में शव मिला था।

हिमाचल के सरकारी स्कूलों का गणित: बच्चे घटे, खर्च बढ़ गया, प्राइमरी में हर छात्र पर खर्च हो रहे 5219 रुपये महीना

आरटीई के तहत होगा निजी स्कूलों को भुगतान

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों की संख्या लगातार घट रही है, लेकिन शिक्षकों के वेतन का खर्च बना हुआ है। स्कूल शिक्षा निदेशालय की ताजा रिपोर्ट के अनुसार प्राथमिक कक्षाओं में एक विद्यार्थी पर औसतन 5219 रुपये प्रतिमाह, जबकि अपर प्राइमरी में 3915 रुपये प्रतिमाह खर्च आ रहा है। घटते नामांकन के बीच प्रति विद्यार्थी बढ़ता वित्तीय भार अब सरकारी स्कूलों के युक्तीकरण, शिक्षक तैनाती और नामांकन बढ़ाने की रणनीति के लिहाज से अहम हो गया है। यू-डाइस आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2021-22 में सरकारी स्कूलों की पहली से पांचवीं कक्षा में 3,04,132 विद्यार्थी पंजीकृत थे। 2025-26 में यह संख्या घटकर 2,18,969 रह गई। यानी पांच साल में 85,163 विद्यार्थी कम हुए। इसी अवधि में प्राथमिक शिक्षकों के वेतन पर 8397.35 करोड़ रुपये खर्च किए गए। ऐसे में विद्यार्थियों की संख्या घटने के साथ प्रति विद्यार्थी खर्च का आंकड़ा शिक्षा व्यवस्था में संसाधनों के इस्तेमाल का महत्वपूर्ण संकेतक बन गया है।

कक्षा छठी से दसवीं तक भी नामांकन में कमी आई है। वर्ष 2021-22 में यहां 3,50,650 विद्यार्थी थे, जो 2025-26 में घटकर 3,19,289 रह गए। इस अवधि में टीजीटी, एलटी, शास्त्री, पीईटी और डीएम के

वेतन पर 7948.48 करोड़ रुपये खर्च हुए। सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 और 2027-28 के लिए प्रति विद्यार्थी व्यय की इन दरों को मंजूरी दी है। अब चुनौती यह है कि घटते नामांकन के बीच उपलब्ध शिक्षकों और संसाधनों का किस तरह प्रभावी इस्तेमाल हो। प्रति विद्यार्थी बढ़ता खर्च स्कूलों की संख्या, शिक्षक तैनाती और कम नामांकन वाले विद्यालयों के युक्तीकरण पर आने वाले समय में फैसलों का आधार बन सकता है। शिक्षा के अधिकार (आरटीई) अधिनियम के तहत निजी स्कूलों में पढ़ने वाले आर्थिक रूप से कमजोर और वंचित वर्ग के पात्र विद्यार्थियों की फीस प्रतिपूर्ति अब इन्हीं दरों के अनुसार करेगी।

ममता ने हाथ से बनाया था 'जोड़ा घास फूल' का निशान

कोलकाता, एजेंसी। तृणमूल कांग्रेस के चुनाव चिह्न 'जोड़ा घास फूल' से ममता बनर्जी का पुराना जुड़ाव रहा है। 1998 में कांग्रेस से अलग होकर अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस बनाने के समय ममता ने खुद इस प्रतीक की रूपरेखा हाथ से तैयार की थी।

दो फूलों को एक ही डंठल और जड़ से जुड़ा दिखाने वाले इस प्रतीक को पार्टी की एकता के विचार से जोड़ा गया था। अब करीब 28 वर्ष बाद चुनाव आयोग ने तृणमूल के नाम और इसी चुनाव चिह्न को अंतरिम रूप फ्रीज यानी इसके इस्तेमाल पर रोक लगा दिया है। आयोग के इस कदम के बाद मौजूदा विवाद की तुलना 1969 के कांग्रेस विभाजन और तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी से जुड़े चुनाव चिह्न विवाद से की जा रही है।

दो गुटों के दावे के बीच चिह्न हुआ फ्रीज

गुरुवार शाम में पार्टी का नाम व चिन्ह फ्रीज होने के बाद देर रात ममता बनर्जी के गुट ने चुनाव आयोग को ईमेल के जरिये नए पार्टी नामों और उपलब्ध चुनाव चिह्नों की अपनी पसंद भेजी। दूसरे गुट ने भी अपनी पसंद आयोग को भेजी। इसके बाद आयोग ने दोनों पक्षों के बीच मूल पार्टी और चुनाव चिह्न पर अंतिम निर्णय होने तक 'अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस' नाम तथा 'जोड़ा घास फूल' चुनाव चिह्न के इस्तेमाल पर रोक लगा दी।

फिलहाल ममता बनर्जी के गुट को 'ममता ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस' नाम और

'फुटबॉल खिलाड़ी' चुनाव चिह्न मिला है, जबकि अरूप राय और ऋतव्रत बनर्जी के गुट को 'डेमोक्रेटिक तृणमूल कांग्रेस' नाम और 'लिफाफा' चुनाव चिह्न आवंटित किया गया है। ये व्यवस्थाएं 6 अक्टूबर को राज्य की दो विधानसभा सीटों नंदीग्राम और रेजीनगर में होने वाले विधानसभा उपचुनाव के लिए लागू हैं। आयोग ने अपने अंतरिम आदेश में कहा कि उपलब्ध समय में यह तय करना संभव नहीं है कि दोनों में से वास्तविक पार्टी कौन है। ऐसे विवादों पर चुनाव चिह्न (आरक्षण एवं आवंटन) आदेश, 1968 के पैराग्राफ 15 के तहत फैसला किया जाता है। इसी प्रावधान के तहत 1969 में कांग्रेस के विभाजन के दौरान इंदिरा गांधी के गुट और दूसरे गुट के बीच पार्टी तथा चुनाव चिह्न को लेकर विवाद हुआ था।

उस समय आयोग ने पार्टी के उद्देश्य एवं लक्ष्य, संविधान और संगठन में बहुमत समर्थन-इन तीन कसौटियों पर विचार किया था। पहले दोनों कसौटियों से स्पष्ट निष्कर्ष नहीं निकल सका। तीसरी कसौटी में इंदिरा गांधी के गुट के पास पार्टी के अधिक सांसदों, विधायकों और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अधिक सदस्यों तथा प्रतिनिधियों का समर्थन पाया गया। जनवरी 1971 में इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाले गुट को वास्तविक कांग्रेस मानते हुए 'दो बैलों की जोड़ी' चुनाव चिह्न दिया गया। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने भी आयोग के फैसले और उसकी इस तरह के विवाद में निर्णय लेने की शक्ति को बरकरार रखा था। 1998 में ममता बनर्जी द्वारा कांग्रेस से अलग होकर तृणमूल कांग्रेस के गठन के बाद से ही 'दो फूलों के साथ घास' चुनाव चिह्न ने पार्टी के सफर में अहम भूमिका निभाई है। तृणमूल में बगावत के बाद पार्टी का नाम और चुनाव चिह्न जब्त किए जाने की नौबत आई है। जून में 58 विधायकों ने ममता गुट के उम्मीदवार सोवनदेब चट्टोपाध्याय की जगह पार्टी से निकाले गए नेता ऋतब्रत बनर्जी को विधानसभा में विपक्ष का नेता चुन लिया।

संक्षिप्त समाचार

प्रेम विवाह से नाराज पूर्व पति ने की पत्नी की हत्या, वारदात में बेटा भी शामिल

काकोरी, (लखनऊ), एजेंसी। लोक लाज और प्रेम विवाह को लेकर नाराज पूर्व पति ने पत्नी की हत्या

कर दी। आरोपित ने पत्नी को बहाने से बुलाकर बांके से कई वार किए। हत्या के बाद शव को नहर की पटरी पर फेंककर फरार हो गया। पुलिस ने आरोपित पति और हत्या में शामिल उसके बेटे को गिरफ्तार कर लिया है। इंस्पेक्टर सतीश चंद्र राठौर ने बताया कि भुलई खेड़ा निवासी प्रेमा देवी का विवाह सेमरामऊ निवासी राजू यादव से हुआ था। प्रेमा ने तीन वर्ष के प्रेम प्रसंग के बाद सात माह पूर्व गोहरामऊ निवासी मजदूर प्रदीप यादव से प्रेम विवाह किया था। इसके बाद से पूर्व पति राजू और उसका बेटा प्रेमा से रंजिश रखने लगे थे। प्रेमा अपने बेटे से फोन पर बात करती रहती थी, जिससे सामाजिक प्रतिष्ठा को लेकर राजू और उसके बेटे ने हत्या की साजिश रची। बुधवार रात लगभग नौ बजे बेटे ने प्रेमा को नहर के किनारे बुलाया, जहां राजू पहले से बांका लेकर छिपा हुआ था। प्रेमा के आते ही राजू और उसके बेटे ने उसे जमीन पर गिरा दिया और राजू ने बांके से प्रेमा के गले पर ताबड़तोड़ वार कर उसे मार डाला। गुरुवार सुबह ग्रामीणों ने नहर के किनारे शव देखकर पुलिस को सूचना दी।

मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के मामले में तीन थानों के एसएचओ तलब

गोवाहाटी, एजेंसी। राऊज एवेन्यू कोर्ट ने पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एसवाई कुरैशी के खिलाफ भड़काऊ भाषण देने के मामले में, असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के मामले में वेलकम और भजनपुरा थाने के एसएचओ को तलब किया है. कोर्ट ने दोनों थाने के एसएचओ को 13 अक्टूबर को कोर्ट में पेश होने का आदेश दिया. कोर्ट ने बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग पर सुनवाई करते हुए दक्षिणी जिले के साइबर थाने के एसएचओ से एक्शन टेकन रिपोर्ट तलब की है. दोनों मामलों की सुनवाई 13 अक्टूबर को होगी. सुनवाई के दौरान मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के खिलाफ दायर मामले में वेलकम थाने की ओर से रिपोर्ट आयी कि जिस वीडियो का जिक्र किया गया है, वो भजनपुरा थाना क्षेत्र में आता है. इसलिए इस शिकायत को भजनपुरा थाना ट्रांसफर कर दिया गया. कोर्ट ने पाया कि इसके पहले भजनपुरा थाने ने शिकायत को वेलकम थाना ट्रांसफर कर दिया था. कोर्ट ने कहा कि दोनों थानों की ओर से केस ट्रांसफर करने का आदेश किस प्रावधान के तहत किया है उसका कोई जिक्र नहीं है. दूसरी बात कि दोनों थानों ने अपनी रिपोर्ट में ये नहीं कहा है कि अपराध घटित हुआ है कि नहीं. इसके बाद कोर्ट ने दोनों थाने के एसएचओ को तलब करने का आदेश दिया. बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे के खिलाफ शिकायत के मामले पर कोर्ट को बताया गया कि मालवीय नगर के एसआई अजय ने नायब कोर्ट को व्हाट्स ऐप पर रिपोर्ट की फोटो भेजी है. कोर्ट ने मालवीय नगर थाने के एसएचओ को नोटिस जारी करते हुए पूछा कि मूल रिपोर्ट क्यों नहीं दाखिल की गई. रिपोर्ट में कहा गया है कि शिकायत दक्षिणी जिले के साइबर थाने में ट्रांसफर कर दिया गया है. इस रिपोर्ट में भी ये नहीं बताया गया है कि किस कानूनी प्रावधान के तहत शिकायत साइबर थाने में ट्रांसफर की गई. उसके बाद कोर्ट ने मालवीय नगर थाने के एसएचओ को कोर्ट में पेश होकर स्पष्टीकरण देने को कहा.

आईआईटी बॉम्बे: छात्र की मौत के बाद हंगामा

परीक्षा में चैटजीपीटी के इस्तेमाल पर विवाद से बढ़ी बात?

मुंबई, एजेंसी। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) बॉम्बे में बीटेक के दूसरे वर्ष के एक छात्र ने शुक्रवार को कथित तौर पर आत्महत्या की।बताया जा रहा है कि परीक्षा के दौरान मोबाइल फोन इस्तेमाल करते पकड़े जाने के बाद उसने यह कदम उठाया। वहीं, छात्रों ने आज आईआईटी प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन किया। छात्रों ने प्रशासन से मामले में जवाबदेही और पारदर्शिता की मांग की। उनका कहना है कि इस साल ऐसी चार घटनाएं हो चुकी हैं। इनमें दो घटनाएं पिछले दो महीनों में हुई हैं। छात्र की पहचान साहिल वकोडे के रूप में हुई है। अधिकारियों के मुताबिक, वह ऊर्जा विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग का छात्र था। छात्र ने परीक्षा के दौरान सवालों के जवाब पाने के लिए परीक्षा का प्रश्नपत्र चैटजीपीटी पर अपलोड किया था। अधिकारियों ने बताया कि छात्र के खिलाफ कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू नहीं की गई थी। इस मामले पर प्रशिक्षक और विभागाध्यक्ष ने भी छात्र से बात की थी। उन्होंने उसे समझाया था। साथ ही भरोसा दिलाया था कि इस घटना का उसके

पढ़ाई और शैक्षणिक करियर पर बुरा असर नहीं पड़ेगा। बातचीत के बाद छात्र अपने छात्रावास के कमरे में वापस चला गया। बाद में शाम को वह अपने कमरे में मृत पाया गया। आईआईटी बॉम्बे ने एक बयान जारी किया। संस्थान ने कहा कि वह एक छात्र की मौत से 'बहुत दुखी' है। बयान में कहा गया, संस्थान छात्र के दोस्तों, सहपाठियों, शिक्षकों और इस दुखद घटना से प्रभावित अन्य लोगों को सहायता दे रहा है। मौत से जुड़ी परिस्थितियों की उचित अधिकारियों द्वारा जांच की जा रही है'। वकोडे की मौत की जानकारी सामने आने के बाद आईआईटी पवई परिसर में छात्रों ने प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने आरोप लगाया कि संस्थान घटना से जुड़ी पूरी सच्चाई सामने नहीं बता रहा है। छात्रों का दावा है कि परीक्षा में नकल करने के आरोपी छात्र को कथित तौर पर एक साल के निलंबन की धमकी दी गई थी। छात्रों ने कहा कि अगर उसे निलंबित किया जाता, तो उसे छात्रावास खाली करना पड़ता। उसे परिसर से बाहर रहना पड़ता। छात्रों के अनुसार, ऐसी कार्रवाई से छात्र का इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम भी प्रभावित हो सकता था। चार साल का पाठ्यक्रम बढ़कर पांच साल या उससे भी ज्यादा हो सकता था।

राजस्थान में ड्रोन और एंटी ड्रोन प्रणाली का लाइव टेस्ट, भविष्य के युद्ध के लिए भारतीय वायुसेना की फुल तैयारी

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान के रेगीस्तान में पहली बार ड्रोन और एंटी ड्रोन सिस्टम का लाइव परीक्षण हुआ। भारतीय वायुसेना का पहला 'ड्रोनाथन-2026' जैसलमेर स्थित पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में संपन्न हुआ है। 14 से 16 सितंबर तक आयोजित इस तीन दिवसीय ड्रोनाथन का मकसद देश की रक्षा तकनीक को मजबूत करना और भविष्य के युद्ध के लिए भारतीय वायुसेना को पूरी तरह से तैयार करना है। आयोजन के पहले दिन वायुसेना के वाइस चीफ एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने आईएएफ यूएस रोडमैप जारी किया। इस दौरान वायु उत्तम यातायात प्रबंधन प्रणाली ने सैन्य और नागरिक ड्रोन को एक साथ ट्रैक किया। इस आयोजन में भारत के उभरते रक्षा स्टार्टअप, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग, स्थापित रक्षा उत्पादक, अकादमिक शोध संस्थानों के 20 प्रमुख दलों ने अपनी तकनीक का प्रदर्शन किया। आयोजन में रेगिस्तान की कठिन और युद्ध जैसे हालात में मानवरहित विमान प्रणाली अर्थात यूएएस, स्वायत्त सिस्टम, ड्रोन स्वार्म (ड्रोन के झुंड), इलेक्ट्रिक वारफेयर प्रणाली और दुश्मन के ड्रोन को हवा में नष्ट करने वाले काउंटर-यूएएस सिस्टम का लाइव प्रदर्शन किया गया। नई तकनीक वाले ड्रोन का लैब अथवा एयरकंडिशनर कमरों में जांचने के स्थान पर रेगिस्तान में तपती गर्मी और धूल के बीच परीक्षण किया गया।

देहरादून में स्वाइन फ्लू की रफ्तार तेज, 8 नए मामले सामने आए, सक्रिय मरीज 78

देहरादून, एजेंसी। मौसम बदलने के साथ स्वाइन फ्लू का संक्रमण लगातार सामने आ रहा है। शुक्रवार को जिले में एच1एन1 के 44 सैंपल की जांच में आठ मरीजों में संक्रमण की पुष्टि हुई। इनमें छह मरीज दूसरे जिलों के और दो देहरादून के हैं। इसके साथ ही जिले में अब तक सामने आए एच1एन1 संक्रमितों की संख्या 565 पहुंच गई है। इनमें 485 मरीज स्वस्थ हो चुके हैं, जबकि अभी 78 सक्रिय मामले हैं।

पुरुषों में संक्रमण अधिक

एच1एन1 के कुल 565 संक्रमितों में पुरुषों की संख्या 302, जबकि महिलाओं की संख्या 263 है। यानी पुरुषों में संक्रमण के मामले महिलाओं की तुलना में अधिक सामने आए हैं। उम्र के लिहाज से 61 से 70 वर्ष में 95, 51 से 60 वर्ष आयु वर्ग में 91 संक्रमितों की संख्या अधिक दर्ज की गई है। वहीं 1-10 आयुवर्ग में 89 संक्रमण के मामले सामने आए हैं।

कोरोना का भी एक नया मामला

दैनिक कोविड रिपोर्ट में शुक्रवार को 23 सैंपल लिए गए, जिसमें पौड़ी निवासी एक मरीज संक्रमित मिला। जिले में अब तक कोविड के 810 सैंपल लिए जा चुके हैं और कुल 54 संक्रमित मिले हैं। इनमें 51 मरीज स्वस्थ हुए हैं। जिले में 383 सैंपल की एलाइजा जांच में पांच मरीजों में डेंगू की पुष्टि हुई। इनमें दो मरीज देहरादून और तीन अन्य जिलों के हैं। इसके साथ जिले में डेंगू के कुल संक्रमितों की संख्या 189 पहुंच गई है। इनमें 166 मरीज स्वस्थ हो चुके हैं, जबकि 23 मरीज वर्तमान में अस्पतालों में उपचाराधीन हैं। जिले में अब तक 30,989 सैंपल की जांच की जा चुकी है। डेंगू की रोकथाम के लिए आशा कार्यकर्ताओं और स्वयंसेवकों की टीमों ने मिलकर 11,359 घरों का सर्वे किया और 67,201 कंटेनरों की जांच की। इनमें 200 घर और 260 कंटेनर पाजिटिव मिले।

सरकारी अस्पतालों में जन्मे बच्चों को मिलेगी 1 ग्राम सोने की रिंग

तमिलनाडु में नवजातों के लिए सोने की अंगूठी योजना 28 सितंबर से : सीएम विजय करेंगे शुभारंभ

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु सरकार ने नवजात शिशुओं के कल्याण और सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए अपनी महत्वाकांक्षी योजना 'थाईमामन थंगा मोथिरा थिट्टम' (मामा की सोने की अंगूठी योजना) के शुभारंभ की तारीख घोषित कर दी है। मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय 28 सितंबर 2026 को इस योजना की औपचारिक शुरुआत करेंगे। इसके तहत प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में जन्म लेने वाले प्रत्येक नवजात शिशु को उपहार स्वरूप 1 ग्राम सोने की अंगूठी प्रदान की जाएगी। सचिवालय में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक के बाद इस तारीख पर अंतिम मुहर लगाई गई। यह योजना सत्तारूढ़ तमिलगा वेत्री कझगम के प्रमुख चुनावी वादों में शामिल रही है, जिसे लागू करने के लिए 23 जून 2026 को सरकारी शासनादेश जारी किया गया था। पहले चरण में 1.28 लाख अंगूठियां तैयार, सीरियल नंबर से होगी ट्रैकिंग

पारदर्शी वितरणः समाचार एजेंसी पीटीआई के अनुसार, पहले चरण के तहत वितरण के लिए 1.28 लाख सोने की अंगूठियां खरीदी जा चुकी हैं। किसी भी प्रकार की गड़बड़ी रोकने के लिए प्रत्येक अंगूठी पर विशिष्ट सीरियल नंबर

अंकित किया गया है। डिस्चार्ज के समय उपहारः नवजात और प्रसूता को अस्पताल से छुट्टी (डिस्चार्ज) मिलने के समय ही यह अंगूठी सौंपी जाएगी। पूर्व प्रभाव से लाभः योजना का लाभ 22 जून (मुख्यमंत्री के जन्मदिन) से 28 सितंबर के बीच सरकारी अस्पतालों में जन्म ले चुके बच्चों को भी दिया जाएगा। इसके लिए राज्यभर में 107 विशेष वितरण केंद्र स्थापित किए गए हैं, जहां प्रतिदिन 100 बच्चों को अंगूठी वितरित करने की व्यवस्था की गई है। योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए सरकार ने स्पष्ट मानक तय किए हैः नवजात की माता का तमिलनाडु का स्थायी निवासी होना अनिवार्य है। प्रसव पूर्व मां का गर्भावस्था और बाल ट्रैकिंग प्रणाली तथा प्रजनन एवं बाल स्वास्थ्य पोर्टल पर पंजीकृत होना आवश्यक है, जिसके आधार पर पहचान पत्र जारी होता है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, तमिलनाडु में प्रतिवर्ष लगभग 7.80 लाख बच्चों का जन्म होता है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-6 (ह्स्न॥स्-6) के अनुसार, राज्य में 99.9 प्रतिशत प्रसव अस्पतालों (संस्थागत) में होते हैं। इनमें से लगभग 4.20 लाख प्रसव (कुल का लगभग 53 प्रतिशत) सरकारी अस्पतालों में संपन्न होते हैं। सरकार का लक्ष्य इस योजना के जरिए प्राथमिक और जिला स्तरीय सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों के प्रति आमजन का विश्वास सुदृढ़ करना और संस्थागत प्रसव में सरकारी क्षेत्र की हिस्सेदारी को और अधिक बढ़ाना है।

अब कनाडा से अपनों की अस्थियां भारत लाने की मजबूरी होगी खत्म, सरी की नदी में कर सकेंगे विसर्जन

चंडीगढ़, एजेंसी। कनाडा में रहने वाले पंजाबियों और भारतीय समुदाय के लिए अपनों की अंतिम विदाई से जुड़ी एक बड़ी भावनात्मक मुश्किल अब कम होने जा रही है।

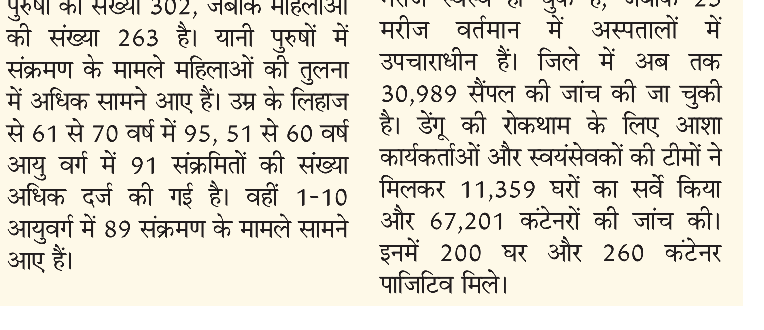

सरी सिटी ने नदी में अस्थि विसर्जन के लिए अपनी पहली आधिकारिक साइट शुरू कर दी है।

अब किसी परिजन की मृत्यु के बाद अस्थियों को विसर्जित करने के लिए परिवार को भारत आने की जरूरत नहीं होगी। परिवार सरी में ही निर्धारित स्थल पर धार्मिक रीति-रिवाज के अनुसार अस्थि विसर्जन कर सकेंगे।

यह सुविधा खासतौर पर उन परिवारों के लिए महत्वपूर्ण है, जिनके बुजुर्ग या परिजन कनाडा में रहते हैं और जिनकी अंतिम इच्छा या धार्मिक परंपरा के तहत अस्थियों का नदी में विसर्जन किया जाना होता है।

पहले कनाडा की नदियों में अस्थि विसर्जन पर प्रतिबंध के कारण कई परिवारों को अस्थियां भारत ले जाकर विसर्जित करनी पड़ती थीं। इससे हवाई यात्रा, समय और परिवार के कई सदस्यों के आने-जाने का अतिरिक्त खर्च भी जुड़ जाता था।

कनाडा से भारत आना हर परिवार के लिए आसान नहीं है। हवाई टिकट, छुट्टी, भारत में ठहरने और अन्य खर्चों के कारण अस्थि विसर्जन की प्रक्रिया कई परिवारों के लिए आर्थिक और भावनात्मक रूप से कठिन हो जाती थी। नई साइट से परिवार कनाडा में ही अंतिम संस्कार से जुड़ी इस महत्वपूर्ण धार्मिक परंपरा को पूरा कर सकेंगे।

हालांकि सुविधा पूरी तरह निशुल्क नहीं होगी। सरी सिटी ने इसके लिए 237 कनाडाई डॉलर यानी करीब 14,500 रुपये फीस निर्धारित की है। 21 सितंबर से ऑनलाइन बुकिंग व्यवस्था शुरू होगी। एक समय में केवल एक परिवार को स्थल इस्तेमाल करने की अनुमति होगी।

यह पहल केवल धार्मिक सुविधा तक सीमित नहीं है। सरी सिटी ने नदी को प्रदूषण से बचाने के लिए स्पष्ट नियम बनाए हैं। परिवार से सहमति पत्र लिया जाएगा और केवल अस्थियां नदी में प्रवाहित करने की अनुमति होगी। पूजा सामग्री या अन्य वस्तुओं को नदी में डालने की अनुमति नहीं होगी।

विसर्जन के दौरान सरी सिटी का कर्मचारी भी मौके पर मौजूद रहेगा। इसका उद्देश्य परिवार की सहायता करने के साथ यह सुनिश्चित करना है कि पर्यावरणीय नियमों का पालन हो। अस्थि विसर्जन स्थल नदी के पानी में करीब 50 फीट आगे बनाए गए विशेष प्लेटफार्म पर है। यहां पहुंचने के लिए रैंप और बैठने के लिए दो बेंच भी लगाए गए हैं। सीमित स्थान और निजता को देखते हुए बुकिंग व्यवस्था रखी गई है। सरी सिटी के मेयर बेंडा लोक ने इसे संवेदनशील और सम्मानजनक पहल बताया है।

बरसाना में राधा अष्टमी पर उमड़ा आस्था का सैलाब, ब्रह्म मुहूर्त में हुआ राधा रानी का महा अभिषेक

मथुरा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी मथुरा के बरसाना में शनिवार को राधा अष्टमी के पावन पर्व पर श्री राधा रानी मंदिर में श्रद्धालुओं का भारी सैलाब उमड़ पड़ा। देशभर से पहुंचे भक्तों ने राधा रानी के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और जन्मोत्सव की खुशियों में शामिल हुए। इस दौरान, मंदिर परिसर और आसपास का क्षेत्र राधा रानी के जयकारों से गूंजता रहा। राधा अष्टमी के अवसर पर सुबह करीब 4 बजे ब्रह्म मुहूर्त में श्री राधा रानी का महा अभिषेक किया गया। धार्मिक परंपराओं के अनुसार अभिषेक में विभिन्न जड़ी-बूटियों, चांदी के कलश और अन्य पूजन सामग्री का प्रयोग किया गया। विधि-विधान और मंत्रोच्चार के बीच हुए इस विशेष अभिषेक के दौरान श्रद्धालुओं ने राधा रानी की भक्ति में लीन होकर दर्शन किए। राधा रानी के जन्मोत्सव को लेकर बरसाना में विशेष धार्मिक उत्साह देखने को मिला। मंदिर में दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं और पूरे बरसाना में भक्तिमय माहौल बना रहा। राधा अष्टमी को राधा रानी के प्राकट्य दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन व्रत रखने और विधि-विधान से राधा-कृष्ण की आराधना करने से जीवन में प्रेम, सुख और शांति आती है। यह त्योहार आमतौर पर मथुरा, वृंदावन और आसपास के ब्रज क्षेत्रों में मनाया जाता है। राधा को भगवान कृष्ण की 'ह्लादिनी शक्ति,' यानी आनंद देने वाली शक्ति, माना जाता है। उनके बिना, कृष्ण की पूजा अधूरी मानी जाती है। मान्यता है कि जो भक्त राधा अष्टमी के दिन पूरी श्रद्धा और भक्ति के साथ पूजा और व्रत करते हैं, उन्हें राधा रानी और भगवान कृष्ण दोनों का आशीर्वाद मिलता है। इससे जीवन में सुख-शांति आती है और पापों का नाश होता है। हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, राधा रानी का जन्म बरसाना (उत्तर प्रदेश) में हुआ था। उनके पिता वृषभानु और माता कीर्तिदा थीं। एक प्रचलित कथा के अनुसार, राधा ने बचपन में अपनी आंखें तब तक नहीं खोलीं, जब तक कि उन्होंने पहली बार भगवान कृष्ण को नहीं देखा।

संक्षिप्त समाचार

एआई की वजह से शुरू होने वाला था यूएस-चीन युद्धः एक सैनिक की गलती ला सकती थी महाविनाश

बीजिंग, वाशिंगटन, एजेंसी। एआई के खतरे को लेकर कई विशेषज्ञ चिंता जता चुके हैं। बीते

दिनों कुछ ऐसा घटित हुआ है, जिसके बाद एआई के लेकर जताई जा रही चिंता सच साबित होती दिख रही है। दरअसल कुछ समय पहले एआई की वजह से दुनिया के दो सबसे शक्तिशाली देश अमेरिका और चीन में टकराव होते-होते बच गया। सीएनएन की एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि एआई की एक रिपोर्ट के आधार पर अमेरिका के सैनिक चीन के एक जहाज पर सवार होने ही वाले थे, लेकिन ऐन वक्त पर हालात काबू हो गए। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस साल की शुरुआत में अमेरिकी सेना को एक खुफिया रिपोर्ट मिली थी, जिसमें बताया गया था कि पश्चिम एशिया में मौजूद चीन के एक जहाज पर परमाणु हथियार से जुड़े उपकरण मौजूद हैं। इस रिपोर्ट के आधार पर अमेरिकी सेना, चीन के उस जहाज पर जबरन सवार होकर उसकी तलाशी लेने की तैयारी कर रही थी। हालांकि उससे पहले ही खुलासा हो गया कि जिस सैनिक ने यह रिपोर्ट तैयार की थी, उसने रिपोर्ट बनाने में एआई चैटबॉट की मदद ली थी। इसके बाद अमेरिकी सेना ने अपने ऑपरेशन को टाल दिया और दोनों देशों के बीच होने वाला टकराव टल गया। सीएनएन ने अमेरिकी सेना के सूत्रों के हवाले से बताया कि खुफिया रिपोर्ट पूरी तरह से गलत और झूठी थी और इसकी वजह से युद्ध शुरू हो सकता था। हालांकि सीएनएन की रिपोर्ट में ये नहीं बताया गया है कि चीन के जहाज पर क्या था और वह कहां जा रहा था। पश्चिम एशिया की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड ने रिपोर्ट में किए गए दावे पर अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। यह रिपोर्ट ऐसे समय आई है जब इसी महीने की शुरुआत में प्रमुख एआई कंपनी एंथ्रोपिक को लेकर विवाद खड़ा हो गया था। एक शोधकर्ता ने सार्वजनिक रूप से कंपनी के नेतृत्व से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने आशंका जताई थी कि एआई तकनीक इंसानों के नियंत्रण से बाहर हो सकती है।

साझा जीवन, सहनशीलता की मिसालः इस्राइली राष्ट्रपति ने की अहमदिया मुसलमानों की तारीफ

हाइफा, एजेंसी। इस्राइल के राष्ट्रपति इसाक हर्जोग ने अहमदिया मुसलमानों की सराहना की। उन्होंने उन्हें 'साथ मिलकर जीवन जीने, सहनशीलता और सम्मान' का उदाहरण बताया। हर्जोग ने यह बात हाइफा में अहमदिया समुदाय के वार्षिक सम्मेलन में कही। इस सम्मेलन में अलग-अलग समुदायों के धर्मगुरू शामिल हुए। इसमें शिक्षाविद और सार्वजनिक जीवन से जुड़े लोग भी मौजूद थे। अहमदिया समुदाय का 29वां वार्षिक सम्मेलन इस सप्ताह हाइफा में हुआ। इसे 'जलसा सालाना' कहा जाता है। इस सम्मेलन में मदीना के ऐतिहासिक संविधान पर चर्चा हुई। इसमें चर्चा की गई कि यह संविधान आज साझा नागरिकता के बारे में क्या सीख दे सकता है। अलग-अलग समुदायों के बीच संबंधों पर भी चर्चा हुई। आपसी जिम्मेदारी पर भी विचार किया गया। शांति बनाने में धर्म की भूमिका पर भी चर्चा हुई।

हर्जोग ने गुरुवार को सम्मेलन में हिस्सा लिया। उनके साथ हाइफा के मेयर योना याहव भी थे। सम्मेलन में धर्मगुरू, शिक्षाविद और इस्राइली संसद यानी नेसेट के

सदस्य भी शामिल हुए। हाइफा के पूर्व मेयर भी मौजूद थे। प्रमुख सांस्कृतिक और सामाजिक हस्तियां भी सम्मेलन में आईं। राजनयिक भी इसमें शामिल हुए। इनमें भारतीय राजदूत जेपी सिंह भी मौजूद थे। कई अन्य देशों से आए मेहमानों ने भी इस अहम सम्मेलन में हिस्सा लिया।

इस्राइली राष्ट्रपति ने क्या कहा

इस्राइली राष्ट्रपति ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस कार्यक्रम के बारे में पोस्ट किया। उन्होंने लिखा कि अगर दुनिया के ज्यादा लोग इस सभा को देख पाते और इस्राइली समाज का यह चेहरा भी जान पाते, तो अच्छा होता। हर्जोग ने अहमदिया समुदाय के नेता अमीर मुहम्मद शरीफ ओदेह का भी धन्यवाद किया। उन्होंने गर्मजोशी से स्वागत करने के लिए उनका आभार जताया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए हर्जोग ने अलग-अलग धर्मों के लोगों के बीच बातचीत की अहमियत पर जोर दिया।

अहमदिया समुदाय की तारीफ की

उन्होंने अहमदिया मुस्लिम समुदाय के शांति और सहनशीलता के विचारों की तारीफ की। उन्होंने यहूदी और मुस्लिम लोगों के बीच बातचीत बढ़ाने में समुदाय के योगदान की भी सराहना की। पश्चिम एशिया में यहूदी और मुस्लिम लोगों के बीच बातचीत का जिक्र करते हुए हर्जोग ने कहा कि अहमदिया समुदाय सम्मान और हिम्मत के साथ बातचीत का समर्थन करता है। उन्होंने कहा कि ऐसी बातचीत मतभेदों को स्वीकार करती है। साथ ही, यह लोगों को एक-दूसरे के करीब लाने का काम करती है।

भारतीय मूल के ईकान अहमद शम्स भी शामिल हुएः भारतीय मूल के ईकान अहमद शम्स भी सम्मेलन में शामिल हुए। उनके पिता शम्सुद्दीन दो दशक से ज्यादा समय पहले भारत से इस्राइल आए थे। वह समुदाय के इमाम हैं। ईकान अहमद शम्स ने सम्मेलन में एक व्याख्यान दिया। इसका शीर्षक था- 'साझा नागरिकता के मॉडल के रूप में मदीना का संविधान - ऐतिहासिक और समकालीन नजरिया'।

उन्होंने मदीना के संविधान की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर बात की। उन्होंने यह भी बताया कि आज अलग-अलग समुदायों के बीच संबंधों को समझने में इसके किन सिद्धांतों से सीख ली जा सकती है। शम्स ने पीटीआई से बातचीत में अहमदिया समुदाय की भारतीय जड़ों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि इसका मूल पंजाब से जुड़ा है।

उन्होंने कहा कि अहमदिया समुदाय करीब एक सदी से इस्राइल में मौजूद है। शम्स के मुताबिक, यह समुदाय छोटा है। इसमें केवल कुछ हजार लोग हैं। इसके बावजूद हाइफा के बहुसांस्कृतिक माहौल में इसे पूरी तरह स्वीकार किया जाता है। शम्स का जन्म भी भारत में हुआ था।

सऊदी अरब और हूतियों में बढ़ा तनावः रियाद में फिर सुनी गई धमाकों की आवाज, यमन में भी हुए हमले

रियाद, एजेंसी। सऊदी अरब की राजधानी रियाद में शनिवार तड़के धमाकों की आवाज़ें सुनी गईं। स्थानीय लोगों को मोबाइल ऐप के जरिए हवाई सुरक्षा संबंधी अलर्ट मिले। बाद में सऊदी नागरिक सुरक्षा निदेशालय ने एक्स पर एक बयान जारी कर कहा कि रियाद और अल-खर्ज में खतरा टल गया है। साथ ही, लोगों से अपील की गई कि वे निर्देशों का पालन करते रहें और भीड़ न लगाएं या वीडियो न बनाएं।

वहीं, यमन के हूती विद्रोहियों ने शुक्रवार को कहा कि सऊदी अरब ने पिछले 24 घंटों में उनके कब्जे वाले इलाकों पर 26 हमले किए हैं। ईरान-समर्थित इस गुट और यमन की रियाद-समर्थित सरकार के बीच देश में फिर से गृहयुद्ध छिड़ गया है। गुट ने कहा कि पिछले हफ्ते उनके ठिकानों पर सऊदी हमलों की संख्या 300

तक पहुंच गई है और इन हमलों में हूती-नियंत्रित यमन के कई इलाकों को निशाना बनाया गया।

इससे पहले चेतावनी दी गई थी, 'अल-खर्ज गवर्नरेट में आपातकालीन स्थितियों के लिए राष्ट्रीय प्रारंभिक चेतावनी मंच ने खतरे की चेतावनी देने के लिए एक अलर्ट जारी किया है।' सऊदी सिविल डिफेंस ने बताया कि गुरुवार को पश्चिमी सऊदी अरब के ताइफ में हूती समूह के एक ड्रोन का मलबा गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। इस ड्रोन को बीच में ही रोककर नष्ट कर दिया गया था। सऊदी अरब और यमन के हूती विद्रोहियों के बीच पिछले कुछ दिनों में तनाव तेजी से बढ़ा है। हूतियों ने सऊदी शहरों पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए, जिनमें कई लोगों के घायल होने और घरों-वाहनों को नुकसान की खबर है। वहीं, सऊदी अरब ने भी यमन में हूती ठिकानों पर हवाई हमले किए हैं। इसके साथ ही सऊदी का दावा है कि मक्का की ओर बढ़ रहे एक ड्रोन को भी मार गिराया गया, हालांकि हूतियों ने मक्का को निशाना बनाने से इनकार किया है। अब इस संघर्ष का असर सऊदी की अहम ईस्ट-वेस्ट तेल पाइपलाइन पर भी पड़ा है। सऊदी अरब की तेल कंपनी अरामको ने कम से कम दो यूरोपीय रिफाइनिंग ग्राहकों को बताया है कि उन्हें अगले महीने यानी अक्तूबर में कच्चे तेल की डिलीवरी नहीं मिलेगी।

बालों से घसीटा, 154 कोड़े और 44 साल की सजाः जेल में भी नहीं टूटीं नोबेल विजेता नरगिस मोहम्मदी; लिख डाली किताब

तेहरान/ओस्लो, एजेंसी। तेहरान की कुख्यात एविन जेल की ऊंची और अंधेरी दीवारों के पीछे जब कैदियों को मानसिक और शारीरिक रूप से तोड़ने के लिए डंडों से पीटा जा रहा था, तब नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नरगिस मोहम्मदी चुपचाप कागज के टुकड़ों पर एक इतिहास दर्ज कर रही थीं। कई बार सुरक्षाबलों ने पन्ने जब्त कर लिए, 20 से ज्यादा डायरियां हिंसा में खो गईं, लेकिन उन्होंने लिखना बंद नहीं किया। जेल से मिले अस्थायी मेडिकल पैरोल के दौरान नरगिस ने इन्हीं पन्नों को एक संस्मरण का रूप दिया है, 'अ वुमन नेवर स्टॉप्स फाइटिंग'। उनकी यह किताब इसी महीने यूरोप के कई देशों में रिलीज हो रही है। सीएनएन को दिए एक बेहद बेबाक इंटरव्यू में 54 वर्षीय मानवाधिकार कार्यकर्ता ने जेल में दी जाने वाली अमानवीय यातनाओं और उन अधिकारियों के चेहरों को बेनकाब किया है जो इन अत्याचारों के लिए सीधे जिम्मेदार हैं। विभिन्न भाषाओं में अमन लिखे रंग-बिरंगे लिबास में महसा अमीनी की तस्वीर के आगे बैठीं नरगिस ने साफ कहा, इस किताब के बाद मुझे दोबारा जेल और गंभीर नतीजे भुगतने पड़ सकते हैं, लेकिन इस देश और इलाके में हमारे जीवन की यही कड़वी हकीकत है। इन जुल्मों का पर्दाफाश करना और सच को सामने लाना मेरा पहला फर्ज है।' नरगिस मोहम्मदी

फाउंडेशन के अनुसार, ईरानी शासन के खिलाफ मानवाधिकारों और महिला स्वतंत्रता की आवाज उठाने के लिए नरगिस को अब तक कुल मिलाकर 44 साल से अधिक की जेल और 154 कोड़ों की सजा सुनाई जा चुकी है। हालिया महीनों में उनके साथ हुई बर्बरता पर नार्वेजियन नोबेल कमेटी के अध्यक्ष जोर्गन वात्ने फ्राइडनेस ने रोंगटे खड़े कर देने वाले खुलासे किए हैं। उन्होंने बताया है कि गिरफ्तारी के दौरान डंडों और लाठियों से उनके सिर पर इतना मारा गया और उन्हें बालों से घसीटा गया कि उनके सिर में गहरे खुले घाव हो गए।

समुद्री व्यापार को भू-राजनीतिक तनाव के लिए निशाना न बनाएं, भारतीय राजदूत की होर्मुज संकट पर दो टूक

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। होर्मुज जलडमरूमध्य के टकराव में भारत के जहाजों और नागरिकों को भी नुकसान पहुंचा है। भारत ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय कानून का सम्मान करने की बात दोहराई है। इसके साथ ही कहा है कि समुद्री व्यापारिक गतिविधियों को भू-राजनीतिक तनाव का निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए।

भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने गुरुवार को सुरक्षा परिषद से कहा कि नेविगेशन के अधिकारों पर जबरदस्ती, धमकियों, गैर-कानूनी प्रतिबंधों या मनमाने हस्तक्षेप का असर नहीं पड़ना चाहिए। भारत एक प्रमुख समुद्री देश है और हम एक स्वतंत्र, खुले, सुरक्षित और नियमों पर आधारित समुद्री क्षेत्र का पुरजोर समर्थन करते हैं।

हरीश ने बहरीन की बुलाई गई काउंसिल की एक अनौपचारिक बैठक में समुद्री सुरक्षा माहौल पर चर्चा की। यह बैठक 'आरिया-फॉर्मूला' के तहत आयोजित की गई थी, जिसका नाम वेनेजुएला के राजनयिक डिएगो आरिया के नाम पर रखा गया है। उन्होंने ही 1992 में इस संस्था की अध्यक्षता करते हुए ऐसी बैठकों की शुरुआत की थी। होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से भारत को आर्थिक नुकसान भी हुआ है, क्योंकि इससे तेल और गैस की सप्लाई में रुकावट आई और साथ ही दुनिया भर में पेट्रोलियम की कीमतें तेजी

से बढ़ीं। हरीश ने कहा कि खाड़ी और पश्चिम एशिया में आई इस रुकावट का दुनिया के अलग-अलग हिस्सों पर असर पड़ता है, खासकर ऊर्जा और खाद्य सुरक्षा के मामले में। हालांकि उन्होंने उन घटनाओं या हमलों में शामिल पक्षों का नाम नहीं लिया, जिनमें ईरान और अमेरिका के साथ-साथ खाड़ी के अन्य देशों के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य में हुए टकराव के दौरान भारत को नुकसान उठाना पड़ा था।

भारत ने ईरान और अमेरिका के सामने अपने नाविकों की मौत का विरोध जताया है। इसके साथ ही तेहरान से भारत में रजिस्टर्ड जहाज पर हुए हमले के बारे में भी शिकायत की है। अप्रैल में, ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स की गनबोट्स ने भारतीय झंडे वाले दो टैंकरों पर चेतावनी के तौर पर गोलियां चलाई थीं।

जुलाई में संयुक्त अरब अमीरात में रजिस्टर्ड दो जहाजों पर ईरानी हमलों में एक भारतीय नाविक की मौत हो गई और दूसरा घायल हो गया। भारत ने नई दिल्ली में ईरानी राजनयिकों के सामने इन दोनों घटनाओं का विरोध जताया। जून में, भारत ने नई दिल्ली में अमेरिकी दूतावास के चार्ज डी'अफेयर्स को बुलाकर तीन भारतीय नाविकों की मौत का विरोध जताया, जब अमेरिका ने पलाऊ में रजिस्टर्ड उनके जहाज पर हमला किया था।

हरीश ने कहा कि भारत अपनी नौसेना को तैनात करके इस इलाके के अशांत समुद्री इलाकों में समुद्री सुरक्षा में योगदान दे रहा है। हरीश के मुताबिक, सोमवार तक भारतीय सुरक्षा अभियानों ने 449 से ज्यादा कमर्शियल जहाजों को अदन की खाड़ी और लाल सागर से गुजरने दिया, जिनमें लगभग 20.3 मिलियन टन कार्गो या 8.4 बिलियन डॉलर से ज्यादा कीमत का तेल था। लाल सागर में रुकावटें हूथी मिलिशिया की वजह से आ रही हैं, जो यमन का एक विद्रोही समूह है और ईरान से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि भारतीय नौसेना ने समुद्री व्यापार की सुरक्षा के लिए मार्च में पश्चिमी अरब सागर में 11 जहाजों के साथ 'ऑपरेशन ऊर्जा सुरक्षा' शुरू किया था। संघर्ष में शामिल दोनों पक्षों की नाकेबंदी के कारण सैकड़ों भारतीय नाविक होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों पर फंसे हुए हैं। उनके पक्ष में बात करते हुए हरीश ने कहा, 'समुद्री यात्रियों को हमारी सामूहिक कोशिशों के केंद्र में रहना चाहिए। उनकी सुरक्षा, समय पर सुरक्षित निकालना, चिकित्सा सहायता, क्रू बदलना और स्वदेश वापसी के लिए प्रभावी आकस्मिक योजना और अंतरराष्ट्रीय सहयोग की जरूरत है।' हरीश ने टेक्नोलॉजी में हो रहे बदलावों से पैदा होने वाले नए खतरों की ओर ध्यान दिलाया। उन्होंने कहा कि नई दिल्ली उभरते खतरों से निपटने के बढ़ते महत्व को समझती है, जिसमें बिना चालक वाले सिस्टम से हमले, साइबर जोखिम और नेविगेशन व संचार में दखल शामिल हैं।

चीन ने बदल दिया तेल का पूरा खेलः बड़ा स्टॉक जमा कर बदली रणनीति, अब निर्यातक देशों पर निर्भर नहीं रहा बाजार

बीजिंग, एजेंसी। ईरान युद्ध ने तेल क्षेत्र में ऐसा बदलाव ला दिया है, जिसकी शायद किसी ने उम्मीद भी नहीं की थी। अब तक यही नियम चलता था कि जिनके पास तेल कुएं हैं, यानी सऊदी अरब या अमेरिका जैसे निर्यातक देश ही आपूर्ति और कीमतों की चाल तय करते थे। आयातक देशों को हमेशा उनके इशारों पर नाचना पड़ता था। लेकिन चीन ने दुनिया का सबसे बड़ा तेल खरीदार होते हुए भी पूरा पासा पलट दिया है। चीन ने काफी मात्रा में कच्चा तेल जमा करके, शोधन क्षमता बढ़ाकर और कोयले तथा अन्य विकल्पों में निवेश करके अपनी सबसे बड़ी कमजोरी (तेल के लिए दूसरों पर निर्भर होना) को ही अपनी सबसे बड़ी ताकत बना लिया है। अब आयातक देश अपनी मनमर्जी से तेल का बाजार नहीं चला सकते। चीन ने दिखा दिया है कि वह जब चाहे तेल खरीदकर कीमतें बढ़ा सकता है और जब चाहे खरीदारी रोककर कीमतें गिरा सकता है। इसके अलावा, सोलर पैनल और इलेक्ट्रिक गाड़ियों में आगे होने के कारण व अब कच्चे तेल का मोहताज भी नहीं रहा है। ईरान जंग के शुरुआती महीनों में चीन ने पड़ोसियों को ईंधन आपूर्ति रोक अपनी ताकत का अहसास कराया। वहीं, पश्चिम एशिया पर निर्भर अन्य देशों के पास दूसरे विकल्प नहीं थे। उन्हें या तो ऊर्जा इस्तेमाल घटाना पड़ा या भारी कीमत चुकानी पड़ी। जब तेल सस्ता था, तब चीन ने चुपचाप भारी मात्रा में कच्चा तेल खरीदकर अपने गोदामों में भर लिया। आज दुनिया के कुल ज्ञात आपातकालीन तेल भंडार का लगभग एक-तिहाई हिस्सा अकेला चीन के पास है। तेल की किल्लत हुई तो चीन ने अपने पुराने स्टॉक का इस्तेमाल शुरू किया।

मादुरो की गिरफ्तारी के बाद वेनेजुएला की राष्ट्रपति से पहली बार मिलेंगे ट्रंप, न्यूयॉर्क में होगी बैठक

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले हफ्ते वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज से पहली बार मुलाकात करेंगे। ट्रंप प्रशासन ने देश के पूर्व नेता को पकड़ने और रोड्रिगेज को असल में सत्ता सौंपने के लिए एक ऑपरेशन चलाया था, जिसके बाद यह मुलाकात हो रही है।

अमेरिकी राजदूत वॉल्ट्ज ने क्या बताया

संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत माइक वॉल्ट्ज ने कहा कि न्यूयॉर्क शहर में दोनों नेताओं के बीच होने वाली मुलाकात एक पुल-असाइड (श्वह्वद्य-ड्डह्यद्बस्त्रद्ग) होगी।(यह कूटनीतिक भाषा में ऐसी मुलाकात को कहते हैं जो औपचारिक द्विपक्षीय बैठक की तुलना में ज्यादा अनौपचारिक होती है। बता दें कि ट्रंप संयुक्त राष्ट्र महासभा के सालाना सत्र के लिए शहर में होंगे।

वॉल्ट्ज ने शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत में यह भी बताया कि ट्रंप, यूनाइटेड किंगडम के प्रधानमंत्री एंडी बर्नहम और जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची से मुलाकात करेंगे। ट्रंप और बर्नहम की यह मुलाकात, जुलाई में बर्नहम के प्रधानमंत्री बनने के बाद उनकी पहली मुलाकात होगी।

ट्रंप गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल के नेताओं से भी मिलेंगे, जिसमें सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, ओमान, कुवैत और

बहरीन शामिल हैं। यह बैठक ऐसे समय में हो रही है जब अमेरिका ईरान युद्ध का कोई समाधान खोजने के लिए छह महीने से ज्यादा समय से संघर्ष कर रहा है।

जनवरी में अमेरिका की एक अचानक हुई सैन्य कार्रवाई में तत्कालीन नेता निकोलस मादुरो को पकड़कर ड्रग तस्करी के आरोपों का सामना करने के लिए अमेरिका लाए जाने के बाद वेनेजुएला में रोड्रिगेज ने कमान संभाली।

ट्रंप और रोड्रिगेज (जो मादुरो की उपराष्ट्रपति थीं) के बीच यह पहली बैठक ऐसे समय में हो रही है जब दोनों देशों ने पिछले महीने वेनेजुएला के विशाल तेल भंडार में अमेरिका को हिस्सेदारी देने के समझौते की घोषणा की थी। उन्होंने इस समझौते को आर्थिक सुधार की दिशा में एक कदम बताया, जिससे देश के तेल उद्योग का आधुनिकीकरण होगा। प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि वे इस बात की पुष्टि नहीं कर सकते कि क्या इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू संयुक्त राष्ट्र महासभा के लिए न्यूयॉर्क में रहने के दौरान ट्रंप से मुलाकात करना चाहेंगे।

ट्रंप प्रशासन ने 1 लाख डॉलर शुल्क एक साल बढ़ाया, जांच भी सख्त; भारतीयों पर होगा असर

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एच-1बी वीजा पर विदेशी कर्मचारियों को अमेरिका लाने वाले नियोक्ताओं पर लगने वाला 1 लाख अमेरिकी डॉलर का शुल्क एक साल के लिए बढ़ा दिया है। व्हाइट हाउस ने यह जानकारी दी। राष्ट्रपति ट्रंप ने शुक्रवार को घोषणा करते हुए कहा कि 2025 में 1 लाख अमेरिकी डॉलर शुल्क लगाने के फैसले के बाद बड़ी आईटी आउटसोर्सिंग कंपनियों की एच-1बी पंजीकरण संख्या में 92 प्रतिशत की कमी आई है।

ट्रंप ने कहा, 2025 की घोषणा को एक साल के लिए बढ़ाने से अमेरिका के आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा हितों की रक्षा जारी रहेगी। इससे अमेरिकी कर्मचारियों और स्नातकों के लिए रोजगार बाजार तक पहुंच बेहतर होगी। साथ ही यह सुनिश्चित होगा कि नियोक्ता जरूरत पड़ने पर केवल सबसे ज्यादा कुशल और जरूरी विदेशी कर्मचारियों की भर्ती करें। यह कार्यक्रम के मूल उद्देश्य के अनुरूप होगा।

अमेरिका के एच-1बी वीजा कार्यक्रम से सबसे ज्यादा लाभ पाने वाला समूह अब भी भारतीय नागरिक हैं। 2025 में 1 लाख अमेरिकी डॉलर शुल्क लगाने के फैसले को कानूनी चुनौती भी मिली है। यह मामला दो अलग-अलग संघीय अदालतों में चल रहा है।

किन विदेशी नागरिकों पर लागू है आदेशः 2025 में शुल्क बढ़ाने का आदेश इसी महीने खत्म होने वाला था। यह आदेश उन विदेशी नागरिकों को दिए जाने वाले वीजा पर लागू नहीं था, जो पहले से छात्र वीजा पर अमेरिका में रह रहे हैं। नए एच-1बी वीजा पाने वालों में ऐसे लोगों की बड़ी संख्या है। यह शुल्क मौजूदा वीजा के नवीनीकरण पर भी लागू नहीं था। इस आदेश में श्रम मंत्री के लिए 30 दिन की समय सीमा भी तय की गई है। श्रम मंत्री मजदूरी और घंटे विभाग के माध्यम से पहले जमा किए गए श्रम स्थिति आवेदनों के आंकड़ों की समीक्षा शुरू करेंगे। इस समीक्षा से यह तय किया जाएगा कि एच-1बी वीजा के लिए कर्मचारियों को प्रायोजित करने वाले नियोक्ताओं के खिलाफ आगे कोई कार्रवाई जरूरी है या नहीं।

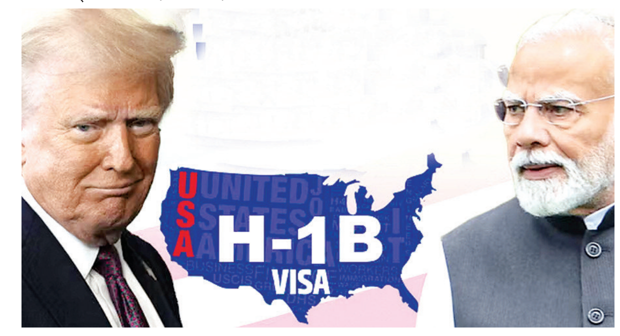

क्या जांच और भी सख्त होगीः राष्ट्रपति ने एक अलग घोषणा भी जारी की है। इसमें एच-1बी वीजा आवेदनों की जांच को और सख्त किया गया है। इसके लिए अलग-अलग सरकारी एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल पर जोर दिया गया है। व्हाइट हाउस की ओर से जारी एक तथ्य पत्र में कहा गया, यह आदेश एच-1बी वीजा कार्यक्रम में अलग-अलग सरकारी एजेंसियों के बीच तालमेल बेहतर करता है। साथ ही उन एच-1बी वीजा आवेदनों की ज्यादा सख्ती से जांच का निर्देश देता है, जिनमें अमेरिकी कर्मचारियों के नौकरी से हटाए जाने का जोखिम ज्यादा है। आदेश में विदेश मंत्री, श्रम मंत्री और गृह सुरक्षा मंत्री को निर्देश दिया गया है। आवेदन करने वाले नियोक्ता ने हाल में इसी तरह के अमेरिकी कर्मचारियों को नौकरी से हटाया है या नहीं।

संक्षिप्त समाचार

हेड का तूफानी शतक

- ऑस्ट्रेलिया ने जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे में बनाया अपना सबसे बड़ा स्कोर

हरारे। जिम्बाब्वे और ऑस्ट्रेलिया के बीच दूसरा वनडे मुकाबला हरारे स्पोर्ट्स क्लब के मैदान पर खेला जा रहा है। पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने 50 ओवर में 6 विकेट खोकर 356 रन स्कोरबोर्ड पर लगाए। यह ऑस्ट्रेलिया का वनडे क्रिकेट में जिम्बाब्वे के खिलाफ अब तक का सबसे बड़ा स्कोर भी है। इससे पहले जिम्बाब्वे के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया का वनडे में सबसे बड़ा टोटल 6 विकेट खोकर 350 रन था, जो टीम ने 2014 में बनाया

था। टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम को मिचेल मार्श और ट्रेविस हेड ने शानदार शुरुआत दी। दोनों ने मिलकर पहले विकेट के लिए 18.6 ओवर में 130 रन जोड़े। मार्श ने 63 गेंदों का सामना करते हुए 53 रनों की दमदार पारी खेली। उन्होंने अपनी इस पारी के दौरान 3 चौके और तीन छक्के लगाए। इसके बाद हेड को कूपर कोनोली के रूप में एक और बढ़िया जोड़ीदार मिला। दूसरे विकेट के लिए हेड और कोनोली ने मिलकर 60 रन जोड़े। कोनोली ने 69 गेंदों में 3 चौके और तीन छक्कों की मदद से 78 रन बनाए। वहीं, हेड बेहतरीन लय में दिखाई दिए और उन्होंने शतकीय पारी खेली। हेड ने 84 गेंदों का सामना करते हुए 112 रनों की लाजवाब पारी खेली। अपनी इस पारी में हेड ने 15 चौके और 3 छक्के लगाए।

दक्षिण अफ्रीका को लगा तगड़ा झटका

- ऑस्ट्रेलिया वनडे सीरीज से लुंगी एनगिडी बाहर, नकोबानी मोकोएना को मौका

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली घरेलू वनडे सीरीज से पहले दक्षिण अफ्रीका को करार झटका लगा है। इंजरी की वजह से दाएं हाथ के तेज गेंदबाज वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह नकोबानी मोकोएना को मौका दिया गया है। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने इसकी पुष्टि शुक्रवार को की। एनगिडी को डॉल्फिन्स के

खिलाफ टाइटन्स के प्रथम श्रेणी मैच के दौरान दाहिने पैर में हैमस्ट्रिंग की चोट लगी थी। बुधवार को हुए स्कैन से यह पुष्टि हुई कि उन्हें रिहैब के लिए कुछ समय की जरूरत होगी और वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 24 सितंबर से शुरू हो रही वनडे सीरीज के लिए उपलब्ध नहीं हो पाएंगे। वनडे सीरीज के बाद दक्षिण अफ्रीका ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 3 टेस्ट मैचों की घरेलू सीरीज भी खेलेगी। फिलहाल, यह स्पष्ट नहीं है कि एनगिडी टेस्ट सीरीज के लिए उपलब्ध हो पाएंगे या नहीं। क्रिकेट साउथ अफ्रीका ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'लुंगी एनगिडी दाहिने हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। आगे की टेस्ट सीरीज के लिए उनकी उपलब्धता का अंदाजा सीरीज शुरू होने के समय लगेगा।'

एशियन गेम्स 2026 का शानदार आगाज
ओपनिंग सेरेमनी में दिखी देश की ताकत

नागोया में एशियन गेम्स 2026 का शानदार आगाज हो गया है। पालोमा मिजुहो स्टेडियम में आयोजित भव्य ओपनिंग सेरेमनी में पूरे एशिया के खिलाड़ी और अधिकारी एक मंच पर नजर आए। इसी दौरान भारतीय दल ने भी पूरे जोश और गर्व के साथ मार्च किया। दो ओलंपिक पदक जीत चुकीं भारतीय शूटर मनु भाकर और स्टार कबड्डी खिलाड़ी पवन सेहरावत हाथों में तिरंगा थामे भारतीय दल की अगुआई करते नजर आए।

मनु-पवन के हाथों में था तिरंगा, पीछे था भारतीय दल

नागोया। भारतीय दल की एंट्री ओपनिंग सेरेमनी के सबसे खास पलों में रही। मनु भाकर और पवन सेहरावत हाथों में तिरंगा लेकर सबसे आगे रहे। उनके पीछे भारतीय खिलाड़ी और अधिकारी पूरे उत्साह के साथ मार्च करते हुए स्टेडियम में पहुंचे। तिरंगे के साथ भारतीय दल की यह तस्वीर एशियन गेम्स के मंच पर देश की मौजूदगी को खास बनाने वाली रही। मनु भाकर के लिए यह एशियन गेम्स में तीसरी भागीदारी है। वह पेरिस ओलंपिक में दो पदक जीत चुकी हैं। वहीं पवन सेहरावत 2023 हांगझोउ एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय कबड्डी टीम का हिस्सा रहे थे।

तूर की जगह पवन सेहरावत को मिला मौका- शुरुआत में पुरुष फ्लैग-बेयरर के तौर पर शॉटपुट स्टार तजिंदरपाल सिंह तूर का नाम था, लेकिन समारोह की किट से जुड़ी तकनीकी समस्या के कारण उन्हें आखिरी समय पर बदल दिया गया। उनकी जगह पवन सेहरावत ने भारतीय दल की अगुआई की। तूर हालांकि एशियन गेम्स में भारत की पदक उम्मीदों का अहम हिस्सा हैं। वह पिछली बार की तरह इस बार भी शॉटपुट में अपने प्रदर्शन से भारत के लिए स्वर्ण पदक की चुनौती पेश करेंगे।

जापान के सम्राट ने किया खेलों का आधिकारिक उद्घाटन- ओपनिंग सेरेमनी के दौरान जापान के सम्राट नारुहितो ने 20वें एशियन गेम्स को आधिकारिक रूप से खोलने की घोषणा की। इसके साथ ही आइची-नागोया एशियन गेम्स का औपचारिक आगाज हो गया और अब पूरे एशिया से पहुंचे खिलाड़ी पदकों के लिए मैदान में उतरेंगे। भव्य समारोह में 45 देशों और क्षेत्रों से आए खिलाड़ी और अधिकारी मौजूद रहे। जापान ने पारंपरिक संगीत और नृत्य के साथ समारोह की शुरुआत की। कलाकारों की प्रस्तुति में 'बेलकम' संदेश भी दिखाई दिया।

आइची के गवर्नर ने खिलाड़ियों का किया स्वागत- समारोह के दौरान आइची प्रीफेक्चर के गवर्नर ओमुरा हिदेआकी ने पालोमा मिजुहो स्टेडियम में मौजूद खिलाड़ियों और दर्शकों को संबोधित किया। उनका संबोधन जापानी भाषा में हुआ। आइची और नागोया पूरे एशिया से आए खिलाड़ियों की मेजबानी कर रहे हैं और गवर्नर की मौजूदगी ने समारोह के महत्व को और बढ़ाया। इसके बाद ओलंपिक काउंसिल ऑफ एशिया (ओसीए) के अध्यक्ष शेख जुआन बिन हमद अल थानी ने भी समारोह में मौजूद खिलाड़ियों और दर्शकों को संबोधित किया।

एशियन गेम्स

आईओए अध्यक्ष पीटी उषा ने ओसीए प्रमुख और सदस्यों से मुलाकात की

नई दिल्ली। इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने आइची-नागोया में एशियन गेम्स के आधिकारिक स्वागत समारोह में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने ओलंपिक काउंसिल ऑफ एशिया (ओसीए) के अध्यक्ष शेख जोआन बिन हमद अल थानी और एशियन स्पोर्टिंग फ्रेटरनिटी के दूसरे सदस्यों से मुलाकात की। पीटी उषा मुलाकात की तस्वीर को एक्स पर साझा करते हुए लिखा, 'ओसीए अध्यक्ष शेख जोआन बिन हमद अल थानी

और ओसीए के सदस्यों से आधिकारिक स्वागत समारोह में मिलना शानदार था हम सब मिलकर पूरे एशिया में खेल के विकास का रास्ता बना रहे हैं।' यह समारोह एशियन गेम्स की ओपनिंग सेरेमनी से पहले रखा गया था। ओपनिंग सेरेमनी शनिवार को पालोमा मिजुहो स्टेडियम में होनी है। आइची-नागोया एशियन गेम्स में पूरे कॉन्टिनेंट के एथलीट एक साथ आएंगे।

ओलंपिक काउंसिल ऑफ एशिया के अध्यक्ष शेख जोआन बिन हमद अल थानी ने एशियन गेम्स से पहले जापान के नागोया में 110वीं ओसीए एग्जीक्यूटिव बोर्ड मीटिंग का भी नेतृत्व किया।

यूथ वनडे

यशवर्धन का शानदार प्रदर्शन

भारतीय अंडर-19 टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 7 रनों से हराया

राजकोट। निरंजन शाह स्टेडियम में शुक्रवार को बारिश से प्रभावित पहले यूथ वनडे मैच में ऑलराउंडर यशवर्धन चौहान के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारतीय अंडर-19 टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 7 रनों से हराया। बारिश के कारण 20-20 ओवर के इस मैच में, पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने 6 विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 182 रन लगाए। यशवर्धन ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 34 गेंदों में

54 रन बनाए। उन्होंने अपनी इस पारी में 5 चौके और 2 छक्के लगाए। इस मैच में भारत के दिग्गज क्रिकेटर राहुल द्रविड़ और वीरेंद्र सहवाग के बेटे अन्वय द्रविड़ और आर्यवीर सहवाग भी खेले। स्टेडियम में अपने पिता के आक्रामक अंदाज में ओपनिंग करते हुए आर्यवीर ने 5 चौकों की मदद से 26 गेंदों में 28 रन बनाए। इसके बाद विकेटकीपर बल्लेबाज अन्वय द्रविड़ ने आक्रामक रुख अपनाते हुए 18 गेंदों में 211 के स्ट्राइक रेट से 38 रन बनाए। उन्होंने अपनी इस पारी में 2 चौके और 3 छक्के लगाए। द्रविड़ और चौहान ने पांचवें विकेट के लिए 69 रनों की अहम साझेदारी की, जिसने 12वें ओवर में 88/4 के स्कोर पर मुश्किल में फंसी भारतीय टीम को उबारा।

ला लीगा

बार्सिलोना को लगा बड़ा झटका, सेविला के खिलाफ मैच से बाहर हुए गोलकीपर जोन गार्सिया

मैड्रिड। बार्सिलोना के गोलकीपर जोन गार्सिया घुटने में मामूली चोट के कारण शनिवार को सेविला के खिलाफ होने वाले ला लीगा मैच से बाहर हो गए हैं। इस चोट के कारण उन्हें आने वाले इंटरनेशनल ब्रेक के लिए स्पेन की टीम से भी अपना नाम वापस लेना पड़ा है। गार्सिया को यह चोट बुधवार को रेसिंग सेंटेंडर के खिलाफ बार्सिलोना की 7-2 से जीत के दौरान लगी। गोलकीपर ने मैच की शुरुआत तो की, लेकिन दूसरे हाफ की शुरुआत में दाहिने घुटने में तकलीफ महसूस होने के बाद उनकी जगह वोज्शिएक स्जेस्नी को मैदान पर उतारा गया। बाद में मेडिकल टेस्ट से पुष्टि हुई कि गार्सिया को कोई गंभीर चोट नहीं लगी है। हालांकि, बार्सिलोना ने कहा कि 24 वर्षीय खिलाड़ी जल्द होने वाले मैचों के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे और उनकी वापसी उनके ठीक होने पर निर्भर करेगी। बार्सिलोना ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर एक बयान में कहा, 'फर्स्ट-टीम के खिलाड़ी जोन गार्सिया को अपने दाहिने घुटने में हल्की तकलीफ महसूस हो रही है। उनके ठीक होने के बाद ही उनकी वापसी तय होगी।' क्लब से जुड़ने के बाद से ही गार्सिया बार्सिलोना की टीम का अहम हिस्सा रहे हैं और उन्हें आने वाले इंटरनेशनल विंडो के लिए स्पेन के कोच लुइस डे ला फुएंते की टीम में शामिल किया गया था। उनके बाहर होने के कारण अब स्पेन के गोलकीपिंग विकल्पों में बदलाव करना पड़ा है।

बीसीसीआई एजीए - अरुण धूमल बने रहेंगे आईपीएल के चेयरमैन

आईपीएल अंपायरों की बढ़ेगी सैलरी

मुंबई,। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शुक्रवार को अपने हेडक्वार्टर में हुई 95वीं सालाना आम बैठक (एजीएम) में अरुण सिंह धूमल और एम. खैरुल जमाल मजूमदार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) गवर्निंग काउंसिल के लिए फिर से चुना। इन दो सीटों के लिए किसी और उम्मीदवार ने नॉमिनेशन नहीं भरा, इसलिए आईपीएल चेयरमैन के तौर पर दूसरा कार्यकाल चाह रहे धूमल और इंडियन क्रिकेटर्स एसोसिएशन (आईसीए) का प्रतिनिधित्व करने वाले मजूमदार का औपचारिक रूप से फिर से चुना जाना तय हो गया। बीसीसीआई के चुनाव अधिकारी ए.के. जोति द्वारा जांच के बाद सही नॉमिनेशन की अंतिम लिस्ट की पुष्टि करने के साथ ही फ्रेंचाइजी टी20 लीग की फैसला लेने वाली संस्था में प्रशासनिक स्थिरता बनाए रखने के लिए इन दोनों का आसानी से फिर से चुने जाने का रास्ता साफ हो गया।

एजीएम में एक और महत्वपूर्ण फैसला लिया गया। आम सभा ने घरेलू अंपायरों और मैच रेफरी के भुगतान ढांचे में बदलाव तथा उनके लिए नए ग्रेड सिस्टम को सर्वसम्मति से मंजूरी दी। इसके साथ ही बोर्ड ने कई वित्तीय और प्रशासनिक प्रस्तावों को भी हरी झंडी दी। बीसीसीआई ने 2025-26 वित्तीय वर्ष के ऑडिट किए गए खातों को औपचारिक रूप से स्वीकार कर लिया और 2026-27 के वार्षिक बजट को मंजूरी दी। इसके अलावा, अगले वित्तीय चक्र के लिए ऑडिटर्स की नियुक्ति को भी मंजूरी दे दी गई है। आने वाले वर्षों में कई बड़े पड़ावों को ध्यान में रखते हुए बीसीसीआई की आम सभा ने 2027 में आईपीएल के 20वें संस्करण को विशेष और भव्य तरीके से मनाने का फैसला किया है।

देवजीत सैकिया ने बताया

अगले 15 दिनों में चीफ सिलेक्टर अजीत अगरकर के भविष्य पर लिया जाएगा फैसला

मुंबई। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने शुक्रवार को 95वीं सालाना आम बैठक (एजीएम) के बाद कहा कि सीनियर पुरुष टीम के चीफ सिलेक्टर अजीत अगरकर के भविष्य को लेकर अगले 15 दिनों के भीतर फैसला लिया जाएगा। जुलाई 2023 में चीफ सिलेक्टर बने अजीत अगरकर के कार्यकाल में भारतीय टीम ने कई बड़ी सफलताएं हासिल की हैं। उनके कार्यकाल में भारत वनडे वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल तक पहुंचा। इसके बाद टीम ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 और चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का खिताब जीता। इसके साथ ही, इस साल की शुरुआत में भारत ने अपने घरेलू मैदान पर टी20 वर्ल्ड कप ट्रॉफी का सफलतापूर्वक बचाव भी किया। उनका कार्यकाल 4 अक्टूबर को खत्म हो रहा है और बीसीसीआई को इस पर फैसला करना होगा क्योंकि भारत पुरुष वनडे वर्ल्ड कप 2027 की तैयारियों के आखिरी चरण में प्रवेश कर रहा है। सैकिया ने पत्रकारों से कहा, 'आज किसी व्यक्ति विशेष के बारे में कोई चर्चा नहीं हुई है।

सुब्रतो कप यू-17 : मिनर्वा पब्लिक स्कूल ने एनवीएस को 11-0 से रौंदा

शान से नॉकआउट में बनाई जगह

चंडीगढ़। सीआईएससीई (ष्ट्वढ्ढस्ष्टश्व) का प्रतिनिधित्व कर रहे मिनर्वा पब्लिक स्कूल ने नई दिल्ली के पीपीएफजी ग्राउंड पर खेले गए 65वें सुब्रतो कप इंटरनेशनल फुटबॉल टूर्नामेंट (जूनियर बॉयज अंडर-17) में एकतरफा प्रदर्शन करते हुए नवोदय विद्यालय समिति (ह्वङ्क्स) को 11-0 के बड़े अंतर से मात दी। इस धमाकेदार जीत के साथ मिनर्वा की टीम ने ग्रुप चरण में अपने तीनों मुकाबले जीतकर और बिना कोई गोल खाए (क्लीन शीट) टूर्नामेंट के नॉकआउट दौर में प्रवेश कर लिया है।मैच में मिनर्वा ने अपने आक्रामक 4-3-3 फॉर्मेशन के साथ शुरुआत से ही दबाव बनाए रखा और एनवीएस की 5-4-1 रक्षात्मक रणनीति को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। मिनर्वा की ओर से चेतन टी. ने शानदार हैट्रिक जमाई, जबकि राज और के. चेतन ने दो-दो गोल किए।

गोल का खाता जल्द ही खुला जब विंगर महेश ने राइट फ्लैंक से गेंद को ड्रिबल कर बॉक्स में क्रॉस डाला, जिस पर चेतन टी. ने हेडर के जरिए पहला गोल दागा। इसके कुछ ही मिनट बाद डिफेंडर साइलेक्स ने बॉक्स के बाहर मिली लूज गेंद पर करीब 25 गज की दूरी से जोरदार शॉट लगाकर स्कोर 2-0 कर दिया।इसके बाद एनवीएस की गलतियों का फायदा उठाते हुए राज ने बैकपास को इंटरसेप्ट कर गेंद को गोलपोस्ट में पहुंचाया, जबकि के. चेतन ने 6-यार्ड बॉक्स के अंदर रिबाउंड पर गोल दागा। हाफ टाइम से पहले चेतन टी. और राज ने एक-एक गोल और जोड़कर टीम को मजबूत बढ़त दिला दी।

दूसरे हाफ में मिनर्वा के सब्सटीट्यूट खिलाड़ियों ने हमले जारी रखे। चेतन टी. ने डिफेंडरों को छकाते हुए लो-ड्राइव शॉट से अपनी हैट्रिक पूरी की। इसके बाद सब्सटीट्यूट योहेनबा ने लेफ्ट विंग से कट करते हुए शानदार गोल दागा, जबकि के. चेतन ने मैच का अपना दूसरा गोल किया।

स्कोर बोर्ड

परिणामः मिनर्वा पब्लिक स्कूल (11) ने नवोदय विद्यालय समिति (0) को हरायास्थानः पीपीएफजी ग्राउंड, नई दिल्ली

गोल स्कोररः चेतन टी. (3), राज (2), के. चेतन (2), साइलेक्स (1), योहेनबा (1), रोकाश (1), रंजन (1)